{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 16 जुलाई 2026
आषाढ़ शुक्ल 02 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 292
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	77,185.43
निफ्टी	24,078.50
सोना	1,51,814
चांदी	2,35,000
डॉलर	96.30

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

फॉरेन करंसी रैकेट के खिलाफ छापेमारी

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय ने विदेशी मुद्रा की अवैध नकद सप्लाई से जुड़े रैकेट के खिलाफ कार्रवाई करते हुए, बुधवार को चेन्नई में कई ठिकानों पर छापेमारी की। अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट के तहत की जा रही है। जांच एजेंसियों ने पिछले सप्ताह चेन्नई में सेनेगल के एक नागरिक को लगभग 1 करोड़ रुपये मूल्य के अमेरिकी डॉलर के साथ पकड़ा गया था। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि विदेश से संचालित एक नेटवर्क के जरिए चेन्नई की कुछ स्थानीय संस्थाओं को नियमित रूप से विदेशी मुद्रा नकद में पहुंचाई जाती थी। इसी जानकारी के आधार पर ईडी ने कम से कम तीन ऐसे संस्थानों पर तलाशी अभियान शुरू किया है, जिन पर विदेशियों से नकद विदेशी मुद्रा प्राप्त करने का आरोप है।

मदन मित्रा ने ममता का साथ छोड़ा

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के सीनियर लीडर मदन मित्रा ने बुधवार को ममता बनर्जी का साथ छोड़ दिया। वे ब्रात्यर बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट में शामिल हो गए हैं। हालांकि, उन्होंने विधायक पद नहीं छोड़ा है। मदन मित्रा ने कहा कि उन्होंने अभिषेक बनर्जी को कुछ समय के लिए राजनीति से पीछे हटने की सलाह दी थी ताकि पार्टी को फिर से मजबूत किया जा सके, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। मित्रा का आरोप है कि पार्टी डूब रही है और लोगों की जान जा रही है, लेकिन टीएमसी सिर्फ अभिषेक को बचाने में लगी है। उन्होंने ममता बनर्जी को चुनौती देते हुए कहा कि वे अब इस राजनीतिक दौड़ में आगे बढ़कर दिखाएंगे।

5 मंजिला बिल्डिंग में आग, 2 की मौत

नोएडा। नोएडा में बुधवार दोपहर 5 मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक बच्चा और एक युवती गंभीर रूप से झुलस गए। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि बिल्डिंग में ग्राउंड फ्लोर पर इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्ज हो रही थी, इसी दौरान उसमें धमाका हुआ और आग लग गई। देखते ही देखते आग पूरी बिल्डिंग में फैल गई। आग में कई बाइकें जल गईं। फायर ब्रिगेड की 7 गाडियां मौके पर पहुंची हैं। बिल्डिंग में रहने वाले करीब 50 परिवारों के 100 से अधिक लोगों का रेस्क्यू किया जा रहा है। घटना के वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें दिख रहा है कि दो इमारतों की छतों के बीच सीढ़ियां लगाई गई हैं। इन्हीं के सहारे लोग दूसरी बिल्डिंग में जा रहे हैं। फिलहाल, पुलिस ने बिल्डिंग मालिक को हिरासत में ले लिया है। आग सेक्टर-66 के मामूरा इलाके में लगी है। यह भीड़भाड़ वाला इलाका है। यहां नौकरी कर रहे लोग परिवार के साथ रहते हैं।

कुछ ना कहना

भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट का डेटा लीक

दावा- हैकर्स ने कंट्रोल रूम का लेआउट, सप्लायर्स की लिस्ट डार्क वेब पर डाली

चेन्नई। भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट कुडनकुलम से जुड़े हजारों दस्तावेज लीक हो गए हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, हैकर्स ग्रुप 'वर्ल्ड लीक्स' ने डार्क वेब पर इन दस्तावेजों को अपलोड करने का दावा किया है। इनमें पावर प्लांट के कुछ हिस्सों के ब्लूप्रिंट, सप्लायर्स की लिस्ट, कंट्रोल रूम और अन्य रिकॉर्ड सार्वजनिक किए गए। सर्वर मई में हैक हुआ था, जून में दस्तावेज लीक का दावा किया गया। इसकी जानकारी अब सामने आई है। तमिलनाडु के कुडनकुलम प्रोजेक्ट पर काम कर रहे अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप ने माना है कि थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर कंपनी योट्टा का सर्वर हैक किया गया। इसकी जानकारी सरकार को दे दी गई है।

कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट तमिलनाडु में तिरुनेलवेली जिले के कुडनकुलम गांव के पास है।

कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट तमिलनाडु में तिरुनेलवेली जिले के कुडनकुलम गांव के पास है।

डेटा लीक कैसे हुआ, 6 पॉइंट में समझें

रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट की यूनिट-3 और यूनिट-4 प्रोजेक्ट का ठेकेदार है। कंपनी का कुछ डेटा थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर कंपनी योट्टा के सर्वर पर मौजूद था। योट्टा ने सर्वर पर 29 मई 2026 को संदिग्ध गतिविधि देखी। दावा किया कि साइबर अटैक रोक दिया। जून के अंत में रिलायंस ने योट्टा को बताया कि वर्ल्ड लीक्स नामक हैकर समूह डेटा चोरी का दावा कर रहा है। डार्क वेब पर करीब 8.58 लाख फाइलों में से लगभग 19 हजार संवेदनशील दस्तावेज अपलोड करने का दावा किया गया। लीक दस्तावेजों में कथित तौर पर ब्लूप्रिंट, सप्लायरों की जानकारी, निरीक्षण रिकॉर्ड, बैठकों के दस्तावेज की फाइलें शामिल हैं। न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड रिलायंस के साथ मिलकर मामले की समीक्षा कर रहा है। भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम भी इस डेटा लीक की जांच कर रही है।

डेटा लीक कैसे हुआ, 6 पॉइंट में समझें

रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट की यूनिट-3 और यूनिट-4 प्रोजेक्ट का ठेकेदार है।

कंपनी का कुछ डेटा थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर कंपनी योट्टा के सर्वर पर मौजूद था।

योट्टा ने सर्वर पर 29 मई 2026 को संदिग्ध गतिविधि देखी। दावा किया कि साइबर अटैक रोक दिया।

जून के अंत में रिलायंस ने योट्टा को बताया कि वर्ल्ड लीक्स नामक हैकर समूह डेटा चोरी का दावा कर रहा है।

डार्क वेब पर करीब 8.58 लाख फाइलों में से लगभग 19 हजार संवेदनशील दस्तावेज अपलोड करने का दावा किया गया।

लीक दस्तावेजों में कथित तौर पर ब्लूप्रिंट, सप्लायरों की जानकारी, निरीक्षण रिकॉर्ड, बैठकों के दस्तावेज की फाइलें शामिल हैं।

न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड रिलायंस के साथ मिलकर मामले की समीक्षा कर रहा है। भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम भी इस डेटा लीक की जांच कर रही है।

डेटा लीक कितना खतरनाक

परमाणु सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि डार्क वेब पर मौजूद ये दस्तावेज अगर असली हैं, तो इनके जरिए कोई हमलावर न्यूक्लियर पावर प्लांट के सपोर्ट सिस्टम, सप्लाई चेन और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर ढंग से समझ सकता है, जिससे सुरक्षा जोखिम बढ़ सकता है।

उपचुनाव से पहले प्रशांत किशोर को बड़ा झटका

-जनसुराज से चुनाव लड़ चुके तीन प्रमुख नेताओं ने भाजपा का दामन थामा

पटना,। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव से पहले जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। वर्ष 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में जनसुराज के टिकट पर चुनाव लड़ चुके तीन प्रमुख नेताओं ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया। इनमें बांकीपुर से पूर्व प्रत्याशी प्रो. केसी सिन्हा, दीघा से पूर्व उम्मीदवार बिद्दू सिंह और मनेर से पूर्व प्रत्याशी गोपाल सिंह शामिल हैं। इनके साथ जनसुराज के कई पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी भाजपा में शामिल हुए।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री संजय सरावगी ने तीनों नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों और नेतृत्व से प्रभावित होकर जनसुराज के कई नेता पार्टी में शामिल हुए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि नए सदस्य संगठन को और अधिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। भाजपा में शामिल होने के बाद पूर्व प्रत्याशी गोपाल सिंह ने जनसुराज और उसके संस्थापक प्रशांत किशोर पर निशाना साधते हुए कहा कि अहंकारी व्यक्ति किसी संगठन का सफल नेतृत्व नहीं कर सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशांत किशोर के पास संगठन को आगे बढ़ाने के लिए स्पष्ट दृष्टि का अभाव है।

वहीं, बिद्दू सिंह ने कहा कि अब उनका राजनीतिक भविष्य भाजपा के साथ ही जुड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि वे पूरी निष्ठा के साथ पार्टी के लिए काम करेंगे और भविष्य में किसी अन्य दल में जाने का कोई सवाल नहीं है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, उपचुनाव से ठीक पहले जनसुराज के प्रमुख नेताओं का भाजपा में शामिल होना प्रशांत किशोर के लिए संगठनात्मक चुनौती माना जा रहा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब बिहार की राजनीति में आगामी चुनावों को लेकर राजनीतिक दल अपने-अपने संगठन को मजबूत करने और नए नेताओं को जोड़ने में जुटे हुए हैं।

एनआईए की विशेष कोर्ट ने हाफिज सईद के खिलाफ जारी किया गैर-जमानती वारंट

नई दिल्ली,। पहलगाम आतंकी हमले की जांच के सिलसिले में एनआईए की विशेष कोर्ट ने लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट ने माना कि मामले की प्रभावी जांच और न्यायिक प्रक्रिया के लिए आरोपी की गिरफ्तारी जरूरी है। हालांकि हाफिज सईद पाकिस्तान में रह रहा है, इसलिए सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस वारंट के आधार पर उसे भारत लाया जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि वारंट का महत्व कानूनी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में है, लेकिन इससे तत्काल गिरफ्तारी तय नहीं होती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एनआईए ने हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के मामले में पूरक आरोपपत्र दाखिल किया, जिसमें हाफिज सईद पर हमले की साजिश रचने और भारत के खिलाफ युद्ध जैसी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। इसी आरोपपत्र के आधार पर कोर्ट ने गैर-जमानती वारंट जारी किया। ऐसे वारंट आमतौर पर हत्या, आतंकवाद और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों जैसे गंभीर मामलों में जारी किए जाते हैं, जहां आरोपी के न्यायिक प्रक्रिया से बचने की आशंका होती है।

जज की कुर्सी पर काला जादू करने का आरोप

65 साल की महिला गिरफ्तार; केस का फैसला अपने पक्ष में कराना चाहती थी

चिक्कबल्लापुर। कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर में 65 साल की महिला मंजुला को जज की कुर्सी पर काला जादू करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोप है कि महिला लंबित पारिवारिक सिविल केस का फैसला अपने पक्ष में कराना चाहती थी। पुलिस के मुताबिक, घटना 9 जुलाई की है। मामला 14 जुलाई को सामने आया।

पुलिस के मुताबिक, 9 जुलाई सुबह करीब 9:40 बजे फर्स्ट एडिशनल सीनियर सिविल जज एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की अदालत में हुई। आरोप है कि महिला कोर्ट रूम में दाखिल हुई और जज की मेज पर 'पूजा' किए हुए सफेद सरसों के दाने बिखेर दिए।

सीसीटीवी फुटेज से मामला सामने आया

कोर्ट प्रशासन की शिकायत के अनुसार, मंजुला खुले कोर्ट रूम में दाखिल हुई। कथित काला जादू के तहत जज की कुर्सी और मंच (डायस) पर सफेद सरसों के दाने बिखेर दिए। बाद में कोर्ट स्टाफ की नजर सरसों के दानों पर पड़ी। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिनमें महिला यह हरकत करती दिखाई दी। इसके आधार पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने चिक्कबल्लापुर टाउन थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस मामले में कोई और व्यक्ति शामिल था या नहीं।

दिल्ली कोर्ट में चावल फेंकने पर डॉक्टर पर जुर्माना

पिछले साल दिल्ली की तीस हजारी अदालत में हत्या के एक मामले का सामना कर रहे डॉक्टर चंदर विभास ने सुनवाई शुरू होने से पहले कथित तौर पर कोर्ट रूम में चावल के दाने बिखेर दिए। इस वजह से कार्यवाही 15-20 मिनट तक रोकनी पड़ी। कुछ वकीलों ने इसे भी कथित तौर पर काला जादू या टोटका बताया था। जज शेफाली बरनाला टंडन ने उन्हें अदालत एक दिन हिरासत में रखा। 2,000 रुपए का जुर्माना लगाया, जिसे डॉक्टर ने उसी दिन जमा कर दिया।

शादीशुदा महिला के दूसरे से अवैध संबंध तो वह गुजारा भत्ता की हकदार नहीं

बिलासपुर। किसी शादीशुदा महिला का दूसरे व्यक्ति से अवैध संबंध है, तो वह पति से गुजारा भत्ता लेने की हकदार नहीं। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक ऐसे ही मामले में साफ कहा कि धोखेबाज पत्नी को पति से गुजारा भत्ता पाने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाईकोर्ट ने जशपुर की रहने वाली एक महिला और रायपुर के रहने वाले युवक के मामले में यह फैसला सुनाया। इन दोनों की शादी 19 अप्रैल 2018 को पूरे हिंदू रीति-रिवाज से साथ हुई थी, लेकिन शादी के कुछ दिन बाद ही दोनों के बीच रोज-रोज के झगड़े और मनमुटाव शुरू हो गए। नतीजा यह हुआ कि शादी के महज 8 महीने बाद ही दोनों एक-दूसरे से अलग हो गए। अलग होने के बाद जब मामला कोर्ट पहुंचा, तो पत्नी ने पति और उसके परिवार वालों पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए भारी-भरकम गुजारे भत्ते की मांग की।

आप चाहें तो 100 फीसद पेट्रोल ज्यादा दाम में खरीद लें

नई दिल्ली। देशभर में ई20 यानी 20 फीसदी एथनॉल मिले हुए पेट्रोल के इस्तेमाल को लेकर जारी चर्चाओं और सोशल मीडिया पर फैल रही चिंताओं के बीच, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जो उपभोक्ता एथनॉल मिश्रित ईंधन का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, वे पेट्रोल पंपों पर 100 फीसदी पेट्रोल भी खरीद सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें अधिक कीमत चुकानी होगी। यह बयान ऐसे समय आया है जब ई20 ईंधन देश के लगभग हर फ्यूल स्टेशन पर उपलब्ध है और इसे लेकर वाहन मालिकों के मन में विभिन्न सवाल उठ रहे हैं। गडकरी इससे पहले भी कह चुके हैं कि एथनॉल मिले हुए ईंधन के चलते वाहन खराब होने की कोई समस्या सामने नहीं आई है, जिससे सरकार के एथनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम पर उनका भरोसा कायम है।

सोशल मीडिया पर ईंधन की गुणवत्ता को लेकर प्रसारित हो रहीं चिंताओं को दूर करने और ग्राहकों को आश्वस्त करने के लिए, सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों - इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड - ने देश भर में अपने खुदरा पंपों पर ईंधन गुणवत्ता की जांच तेज कर दी है। इन कंपनियों ने ग्राहकों से अपील की है कि वे ईंधन गुणवत्ता से जुड़ी किसी भी शिकायत को सीधे पेट्रोल पंप या कंपनी के ग्राहक सेवा माध्यमों से दर्ज कराएं और सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट पोस्टों पर भरोसा न करें। यह कदम सरकार और तेल कंपनियों की ओर से उपभोक्ताओं को ई20 ईंधन की सुरक्षा और गुणवत्ता के प्रति आश्वस्त करने का प्रयास है। इस बीच, आईआईटी कानपुर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में इंजन रिसर्च लैबोरेटरी के परियोजना वैज्ञानिक ध्रुव राज करणा ने भी ई20 ईंधन को लेकर चल रही अफवाहों का खंडन किया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि बड़े पैमाने पर हुए अध्ययन में यह सामने आया है कि ई20 से गाड़ियों के इंजन को नुकसान, जंग लगने या किसी अन्य तकनीकी समस्या होने के कोई सबूत नहीं मिले हैं। करणा ने यह भी स्पष्ट किया कि संस्थान के अध्ययनों में ई 20 के कारण गाड़ियों के माइलेज में कोई खास कमी नहीं पाई गई है।

पजामे का नाड़ा खोलना.....जैसी टिप्पणियों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, न्यायिक संवेदनशीलता गाइडलाइंस लागू

सभी अदालतों को सख्ती से पालन करने का आदेश

नई दिल्ली,। सुप्रीम कोर्ट ने यौन अपराध से जुड़े मुकदमों में न्यायिक संवेदनशीलता बनाए रखने के लिए तैयार की गई राष्ट्रीय गाइडलाइंस को मंजूरी दे दी है। भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने देश की सभी अदालतों को मंजूर की गई गाइडलाइंस या हैंडबुक में दिए गए दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने का आदेश दिया है। यह कदम अदालतों के फैसलों में एकरूपता और संवेदनशीलता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

ये गाइडलाइंस नेशनल जुडिशल एकेडमी की विशेषज्ञ समिति ने तैयार की थीं, जिनकी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश की गई थी। सीजेआई के आदेश के अनुसार, इन गाइडलाइंस को सुप्रीम कोर्ट, सभी हाई कोर्ट और जिला अदालतों की वेबसाइटों पर अपलोड किया जाएगा। साथ ही, इन्हें नेशनल जुडिशल एकेडमी सहित सभी प्रदेश न्यायिक अकादमियों, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी और विभिन्न विश्वविद्यालयों के विधि विभागों में भी वितरित किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि ये गाइडलाइंस न्यायिक आदेश का हिस्सा बनेंगी।

इन दिशा-निर्देशों का पालन केवल अदालतों तक सीमित नहीं रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों के डायरेक्टर ऑफ प्रॉसिक्यूशन और डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस को निर्देश दिया है कि वे सभी पुलिस स्टेशनों को इन हैंडबुक में कही गई बातों का पालन करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करें, खासकर एफआईआर या चार्जशीट दायर करते समय इन गाइडलाइंस ध्यान रखा जाए।

विश्वप्रसिद्ध जगन्नाथ रथयात्रा की शुरुआत आज से

पुरी,। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की विश्वप्रसिद्ध रथयात्रा 16 जुलाई से शुरू होकर 24 जुलाई तक चलेगी। इस नौ दिवसीय धार्मिक उत्सव में देश-विदेश से 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। रथयात्रा को लेकर पुरी में तैयारियां का दौर अंतिम चरण में हैं, तो वहीं होटल और लॉज महीनों पहले ही पूरी तरह बुक हो चुके हैं। ऐसे में प्रोफेसर डॉ शेख मकबूल इस्लाम की चर्चा भी हो रही है, जो कठोपनिषद् के प्रसिद्ध श्लोक का हवाला देते हुए कहते हैं कि जब शरीर स्वयं रथ है, बुद्धि सारथी है और आत्मा उसका स्वामी है, तो अलग रथ की आवश्यकता नहीं।

विश्वप्रसिद्ध रथ यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को लेकर जिला प्रशासन का कहना है, कि इस वर्ष फरवरी से ही होटल बुकिंग शुरू हो गई थी। मंदिर और रथयात्रा मार्ग के आसपास स्थित होटलों की सर्वाधिक मांग रही है। खासकर जिन होटलों की बालकनी या खिड़कियां रथयात्रा मार्ग की तरफ खुलती हैं, उनके कमरे सबसे पहले बुक हो गए। जैसे ही मांग बढ़ी वैसे ही किराए में भी भारी उछाल आ गया। सामान्य दिनों में 1,500 से 2,000 रुपये प्रतिदिन से मिलने वाले कमरे रथयात्रा के दौरान तीन दिनों के लिए 50 हजार रुपये तक में बुक किए जा रहे हैं। पूरे पुरी शहर में लगभग 1,200 होटल और लॉज हैं, जिनमें अधिकांश पहले से बुक हो चुके हैं।

हावड़ा की रथयात्रा ने खींचा ध्यान

इसी बीच पश्चिम बंगाल के हावड़ा की एक अनोखी रथयात्रा भी लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। दरअसल यहां न तो विशाल रथ बनाया जाता है और न ही उसे रस्सियों से खींचा जाता है। बल्कि कोलकाता के सेंट पॉल कैथेड्रल मिशन कॉलेज के बांग्ला विभाग के प्रोफेसर डॉ. शेख मकबूल इस्लाम भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन के विग्रह को अपनी गोद में लेकर करीब 400 मीटर की परिक्रमा करते हैं। इस अनूठी यात्रा में हिंदू, मुस्लिम और ईसाई समुदाय के लोग समान रूप से भाग लेते हैं।

सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त

केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस; आज होगी सुनवाई

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे सोनम वांगचुक का मामला दिल्ली हाई कोर्ट पहुंच गया है। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक बीती 28 जुलाई से आमरण अनशन कर रहे हैं। सोनम वांगचुक द्वारा की जा रही भूख हड़ताल को लेकर हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है। दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका पर सुनवाई हुई। दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया है। हाईकोर्ट ने कल तक जवाब देने को कहा है। याचिका पर मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की खण्डपीठ सुनवाई कर रही थी।

याचिका सामाजिक कार्यकर्ता और वकील राकेश कुमार सैनी ने दाखिल की है। याचिका में केंद्र सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है कि वांगचुक को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया जाए और उनकी जान बचाने के लिए जरूरत पड़ने पर उन्हें जबरन भोजन (फोर्स-फीडिंग) दिया जाए। दायर याचिका में केंद्र और दिल्ली सरकारों को वांगचुक को जबरन खाना खिलाने के निर्देश देने की मांग की गई है। उधर, सीजेपी ने घोषणा की है कि वह संसद के मानसून सत्र के पहले दिन, यानी 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद भवन तक एक शांतिपूर्ण मार्च निकालेगी। सीजेपी ने देश भर के छात्रों, अभिभावकों और आम नागरिकों से इस मार्च में शामिल होने की अपील की है। इस आंदोलन की मुख्य मांग केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता लाना है।

झोपड़ी में कट रही जिंदगी, ना पट्टा मिला, ना मिल रहा पीएम आवास योजना का लाभ

शासकीय कार्यालयों के काट रहे चक्कर, नहीं हो रही सुनवाई, आवासीय पट्टे, पीएम आवास व सड़क निर्माण की माँग को लेकर नगर की महिलाओ ने सौंपा ज्ञापन, कहा पट्टे नही मिलने से नही मिल रहा पीएम आवास का लाभ,सड़क नही होने से बढ़ी परेशानी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

एक ओर शासन प्रशासन द्वारा वर्षों से सरकारी भूमि पर निवास करने वाले लोगों को पट्टे देकर प्रधानमंत्री आवास सहित अन्य शासकीय योजना का लाभ दिए जाने का दावा किया जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर जिला मुख्यालय सहित समस्त तहसील व ऐसे कई ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां अब भी वर्षों से निवास करने वाले गरीबों को आवासीय पट्टे नहीं मिल पाए हैं। जिसके चलते उन्हें शासन प्रशासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जो पट्टे की मांग को लेकर पिछले कई वर्षों से शासकीय कार्यालयों के चक्कर काटते नजर आ रहे हैं लेकिन उन्हें आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिल रहा है।इसी कड़ी में नगर के वार्ड 24 इंदिरा नगर झुग्गी झोपडी निवासी करीब 1दर्जन महिलाओ ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपकर आवासीय पट्टा के साथ साथ पीएम आवास योजना का लाभ व पक्की सड़क निर्माण कराए जाने की मांग की है।स्थानीय महिलाओं द्वारा सौपे गए इस ज्ञापन में महिलाओ ने बताया कि वे पिछले कई वर्षों से शासकीय भूमि पर झोपड़े बनाकर निवास कर रहे हैं ,कई बार आवेदन निवेदन के बाद भी उन्हें शासन द्वारा आवासीय पट्टे जारी नही किए गए हैं। जहां पट्टे ना मिलने के चलते उन्हें प्रधानमंत्री आवास सहित अन्य योजनाओ का लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से जल्द से जल्द आवासीय पट्टे देकर पीएम आवास योजना व पक्की स?क की सौगात दिए जाने की मांग की है।

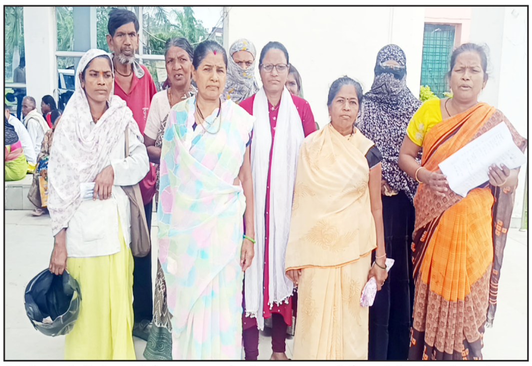

पट्टे मांगो तो मिलता है आश्वासन

महिलाओं ने बताया कि वह पट्टे की मांग को लेकर पिछले कई वर्षों से शासकीय कार्यालय के चक्कर लगा रही है। लेकिन उन्हें आज तक आवास के पट्टे जारी नहीं किए गए हैं।जिसके चलते उनकी आधी जिंदगी झोपड़ी में बीत चुकी है। बावजूद इसके भी उन्हें अब तक पट्टे जारी नहीं किए गए हैं। उन्होंने बताया कि कई बार अपनी इस मांग को लेकर नगर पालिका, तहसील कार्यालय, एसडीएम कार्यालय और कलेक्टर कार्यालय के चक्कर काट चुके हैं हर बार पट्टे की मांग की गई है लेकिन पट्टे मांगने पर हर बार उन्हें सिर्फ और सिर्फ आश्वासन ही मिला है।जिन्होंने सभी आवेदको को मकान का स्थाई पट्टा दिए जाने गुहार लगाते हुए, उक्त आवेदन पर यथाशीघ्र विचार कर जल्द से जल्द सर्वे कराकर उन्हें पट्टे की सौगात दिए जाने की गुहार लगाई है।

पट्टे ना मिलने से पीएम आवास योजना का नहीं मिल रहा लाभ

आवासीय पट्टे की मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंची महिलाओं ने बताया की वे कई वर्षो से वार्ड नं 24 इंदिरा नगर में झोपड़ी बना कर जीवन यापन कर रहे हैं। वहां बिजली पानी कच्ची सड़क सहित अन्य सुविधाएं दी गई है लेकिन हमें, शाशन प्रशासन द्वारा आवासीय पट्टे नहीं दिए जा रहे हैं। जबकि पट्टे की मांग को लेकर कई बार आवेदन जमा कर चुके हैं ।हमारी फाइल भी बनाकर शासन प्रशासन के पास जा चुकी है।कई वर्षों से निवास करने के बावजूद भी हमें पट्टा नहीं मिल रहा है। 25 से 30 परिवार के लोग आवासीय पट्टो के लिए शासकीय कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं। लेकिन आज तक हमारी कोई सुनवाई नहीं हुई है। पट्टा ना होने के चलते उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है।जिन्होंने ज्ञापन के माध्यम से जल्द से जल्द उन्हें आवासीय पट्टे आवंटित किए जाने की मांग की है।

चुनाव के समय करते है वादे

महिलाओ ने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से वार्ड नं 24 में झोपड़ी बनाकर अपने परिवार के साथ रह रही है ।पिछले कई वर्षों से हम लोग पट्टे की मांग को लेकर शासकीय कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं लेकिन अब तक हमें पट्टे प्राप्त नहीं हुए हैं। जिसके चलते हमें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है और हमारे पक्के मकान आज भी नहीं बन पाए हैं। हमारी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है ।जब भी कहीं पट्टे की मांग लेकर जाओ तो सिर्फ आश्वासन ही मिलता है।चुनाव के समय भी हमसे तरह तरह के वादे कर वोट लिए जाते है,लेकिन चुनाव के बाद कोई पूछने तक नही आता है।

बिना पट्टे के लोगों को दिया है पीएम आवास योजना का लाभ ,अब कहते हैं पट्टे लाओ-उषा सहारे

स्थानीय निवासी श्रीमती उषा सहारे ने बताया कि वे वर्ष 2018 से पीएम आवास योजना के लिए आवेदन कर रही है, लेकिन तब से लेकर आज तक उनका आवेदन बार-बार रद्द किया जा रहा है ,2025 में हमने आवेदन किया था उस समय कहा गया था कि आपका नाम लिस्ट में आ जाएगा,4000रु मकान टैक्स जमा करने कहा गया था, मकान टैक्स जमा करने के बाद भी हमारा नाम नहीं आया। अब कहते हैं की बरसात के बाद यह काम होगा, नगर पालिका ने इसके पूर्व बिना पट्टे के कई लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दी है, लेकिन अब अधिकारी बोल रहे हैं कि पहले पट्टे दिखाओ तब ही पीएम आवास योजना का लाभ मिलेगा। जब हमें पट्टे ही नहीं मिले तो फिर हम इन्हें पट्टे कहां से दिखाएं। इसीलिए आज पुनः ज्ञापन सौपने आए हैं हमारी मांग है कि हमें उक्त भूमि के पट्टे देकर, पीएम आवास योजना का लाभ दिया जाए। ताकि हम अपना पक्का मकान बना सके, वही बरसात में कच्ची सड़क होने से पानी भर रहा है लोगों की झोपड़ियो में गंदा पानी घुस रहा है इसीलिए हमारी मांग है कि इसके साथ ही हमें पक्की सड़क व नाली की सौगात दी जाए ताकि बरसात में होने वाली इस समस्या से तत्काल छुटकारा मिल सके।

बारिश ने बढ़ाई किसानों की चिंता, पिछले साल से 11 इंच कम बरसा पानी, धान की फसल पर मंडराया संकट

महज आधे घंटे की बूंदाबांदी से नहीं बनी बात, तीन लाख हेक्टेयर में धान की खेती प्रभावित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में मानसून की बेरुखी अब किसानों के लिए चिंता का सबसे बड़ा कारण बनती जा रही है। बुधवार को करीब एक सप्ताह बाद दोपहर 3 बजे से साढ़े 3 बजे तक महज आधे घंटे की हल्की बूंदाबांदी हुई, जिससे उमस भरी गर्मी से लोगों को कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन खेतों की प्यास नहीं बुझ सकी। हालात यह हैं कि 15 जुलाई तक जिले में सामान्य से काफी कम वर्षा दर्ज की गई है और पिछले वर्ष की

तुलना में करीब 11 इंच कम बारिश होने से खरीफ सीजन की धान की फसल संकट में आ गई है। धान उत्पादन के लिए प्रदेशभर में पहचान रखने वाले बालाघाट जिले में इस वर्ष लगभग तीन लाख हेक्टेयर क्षेत्र में धान की खेती का लक्ष्य है। लेकिन समय पर पर्याप्त बारिश नहीं होने से असिंचित क्षेत्रों में रोपा सूखने लगा है, जबकि सिंचित क्षेत्रों में भी जलस्त्रोतों में पानी की कमी के कारण धान की फसल मुरझाने लगी है। जिन खेतों में इस समय कीचड़ और पानी भरा होना चाहिए था, वहां अब मिट्टी में दरारें पड़ने लगी हैं। इससे किसानों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। किसानों का कहना है कि जून और जुलाई के शुरुआती दिनों में अच्छी बारिश की उम्मीद थी, लेकिन मानसून की धीमी रफ्तार ने खेती की पूरी योजना बिगाड़ दी। कई किसानों ने बड़ी लागत से नर्सरी तैयार कर रोपाई की, लेकिन अब पर्याप्त पानी नहीं मिलने से फसल खराब होने का खतरा बढ़ गया है। यदि आने वाले कुछ दिनों में अच्छी वर्षा नहीं हुई तो उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा और किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। कृषि वैज्ञानिक उत्तम बिसेन ने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि जिन क्षेत्रों में पानी की कमी है, वहां किसान धान की नर्सरी को सूखने से बचाने के लिए उसे हरी नेट (ग्रीन नेट) से ढंक सकते हैं और सुबह-शाम हल्की सिंचाई करते रहें। इसके अलावा फसल को तनाव से बचाने के लिए सिलिकॉन अथवा बाजार में उपलब्ध केएनओ-3 (13ः0ः45) का एक से दो प्रतिशत घोल बनाकर छिड़काव किया जा सकता है। इससे पौधों की वृद्धि प्रभावित होने से बच सकती है और फसल को कुछ हद तक सुरक्षित रखा जा सकता है। उन्होंने माना कि वर्तमान में पानी की कमी के कारण धान का रोपा प्रभावित हो रहा है और यदि जल्द अच्छी बारिश नहीं हुई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। ऐसे में किसानों को वैज्ञानिक सलाह के अनुसार फसल प्रबंधन अपनाना चाहिए। जिले में वर्षा के आंकड़े भी चिंताजनक तस्वीर पेश कर रहे हैं। 15 जुलाई तक बालाघाट जिले में कुल 316 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि तक 594.4 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी थी। यानी इस बार अब तक करीब 278 मिलीमीटर (लगभग 11 इंच) कम बारिश हुई है। तहसीलवार वर्षा की बात करें तो बालाघाट में 421.6 मिमी, वारासिवनी 436.4 मिमी, बैहर 417.8 मिमी, किरनापुर 425.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि लांजी 304.5 मिमी, कटंगी 255 मिमी, लालबर्रा 292 मिमी, परसवाड़ा 278.1 मिमी, तिरोड़ी 286 मिमी, बिरसा 199.5 मिमी और खैरलांजी में मात्र 155.9 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है। सबसे कम बारिश वाले क्षेत्रों में किसानों की चिंता सबसे अधिक बढ़ गई है। मौसम की बेरुखी ने एक बार फिर जिले की कृषि व्यवस्था को चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। यदि अगले कुछ दिनों में मानसून सक्रिय नहीं हुआ तो धान उत्पादन पर व्यापक असर पड़ सकता है। ऐसे में किसानों की निगाहें अब आसमान पर टिकी हैं और सभी को अच्छी बारिश का इंतजार है।

900 किमी की आस्था की अद्भुत मिसाल!

बालाघाट के ईश्वरी प्रसाद ठाकरे ने साइकिल से तय किया पंढरपुर का सफर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दृढ़ संकल्प, अटूट आस्था और अदम्य साहस का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बालाघाट के ईश्वरी प्रसाद ठाकरे ने लगभग 900 किलोमीटर की साइकिल यात्रा सफलता पूर्वक पूरी कर पंढरपुर धाम पहुंचकर अपनी धार्मिक यात्रा का समापन किया। 2 जुलाई से शुरू हुई यह कठिन और प्रेरणादायी यात्रा 12 जुलाई को भगवान विट्ठल-रुक्मिणी की नगरी पंढरपुर में विधि-विधान के साथ संपन्न हुई।बताया गया कि ईश्वरी प्रसाद ठाकरे इस यात्रा के लिए बालाघाट से अकेले साइकिल पर रवाना हुए थे। आगे चलकर नागपुर से 84 श्रद्धालुओं का जत्था भी इस धार्मिक यात्रा में शामिल हो गया। इस दल में 86 वर्ष के बुजुर्ग से लेकर महिलाएं और युवा श्रद्धालु भी शामिल थे। सभी यात्रियों ने आत्मनिर्भरता का परिचय देते हुए अपने साथ भोजन, कपड़े और आवश्यक दैनिक उपयोग का सामान रखा तथा ठहरने की व्यवस्था भी स्वयं ही की।लगभग दस दिनों तक चली इस यात्रा के दौरान विभिन्न शहरों और गांवों में श्रद्धालुओं एवं सामाजिक संगठनों ने साइकिल यात्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। जगह-जगह पुष्पवर्षा, जलपान और सम्मान के साथ यात्रियों का उत्साहवर्धन किया गया, जिससे पूरी यात्रा भक्तिमय वातावरण में आगे बढ़ती रही।

विभिन्न कार्यक्रम में हुए शामिल

बताया गया कि पंढरपुर पहुंचने पर देश-विदेश से आए 5,000 से अधिक साइकिल यात्रियों ने इस भव्य धार्मिक आयोजन में सहभागिता की। पंढरपुर ट्रस्ट की ओर से सभी साइकिल यात्रियों के लिए शहर में लगभग 16 किलोमीटर की विशेष धार्मिक परिक्रमा यात्रा आयोजित की गई। इसके बाद भगवान विट्ठल-रुक्मिणी के दर्शन कर वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना संपन्न हुई। यात्रा के समापन अवसर पर सभी श्रद्धालुओं ने सामूहिक प्रार्थना कर देश, समाज और विश्व के कल्याण की कामना की। इसके पश्चात प्रसाद वितरण किया गया और आध्यात्मिक वातावरण के बीच इस ऐतिहासिक साइकिल यात्रा का विधिवत समापन हुआ।बालाघाट के ईश्वरी प्रसाद ठाकरे की यह 900 किलोमीटर की साइकिल यात्रा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आस्था, अनुशासन, आत्मविश्वास और शारीरिक क्षमता का प्रेरणादायी संदेश भी बन गई है। उनकी इस उपलब्धि की जिलेभर में सराहना की जा रही है और लोग इसे युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बता रहे हैं।

नगर में जंगन्नाथ यात्रा का भव्य आयोजन आज

इस्कॉन परिसर में उमड़ा भक्तों का सैलाब, पंचामृत से हुआ अभिषेक
बालाघाट में पहुंचा रथ, 5 हजार से ज्यादा भक्तों के पहुंचने की संभावना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पिछले दो वर्षों से चली आ रही परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष भी नगर में भगवान जगन्नाथ की यात्रा हर्षोल्लास के साथ निकाली जाएगी, जिसके तहत जगह जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन होंगे। नगर में भगवान जगन्नाथ यात्रा का आयोजन गुरुवार 16 जुलाई को जगन्नाथपुरी की तर्ज पर होंगा।जहां भगवान जगन्नाथ, भ्राता बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ आम भक्तों को दर्शन देने, रथ में शहर का भ्रमण करेंगे।सायंकाल 4 बजे से श्रीराम मंदिर से प्रारंभ होने वाली इस रथ यात्रा को लेकर इस्कॉन संस्था प्रतिनिधियों ने बुधवार को नगर के सर्किट हाउस में एक पत्रकारवार्ता का आयोजन कर, भक्तों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में पुण्यलाभ अर्जित करने, जगन्नाथ रथयात्रा में शामिल होने की अपील की।देर शाम आयोजित इस पत्रकारवार्ता में प्रतिनिधि, रमेश रंगलानी, लता एलकर, अभय सेठिया, श्याम कौशल, रत्नभूषण दास सहित अन्य मौजूद रहे।

विभिन्न मार्गों का भ्रमण करेगी जगन्नाथ यात्रा-रंगलानी

आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए इस्कॉन संस्था प्रतिनिधि रमेश रंगलानी ने बताया कि जगन्नाथपुरी में निकाली जाने वाली जगन्नाथ यात्रा के तर्ज पर जिले में

जगन्नाथ रथयात्रा के आयोजन की तैयारी पूरी हो गई है।कल नए श्रीराम मंदिर से प्रारंभ होकर जगन्नाथ रथयात्रा, हनुमान चौक, नया सराफा, सुभाष चौक, काली पुतली चौक, आंबेडकर चौक होते हुए सिंधु भवन पहुंचेगी। जहां पांच हजार लोगो के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई है।जगन्नाथपुरी में निकाली जाने वाली रथयात्रा की तरह नए श्रीराम मंदिर के सामने से भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की प्रतिमाओ के साथ भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा निकाली जाएगी।

दर्शनमात्र से ही पापो से मिलती है मुक्ति-रत्नभूषण

वही इस्कान संस्था संचालक रत्नभूषण दास ने बताया कि भगवान जगन्नाथ, भ्राता बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ, भक्तों को दर्शन देने, रथ पर निकलेंगे। जिनके रथ की रस्सी और रथ पर विराजमान भगवान के दर्शनमात्र से ही व्यक्ति के जीवन के सभी पापो से उसे मुक्ति मिल जाती है। कल 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ, अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ, लोगो को करूणा बरसाने, आशीर्वाद देने शहर में निकलेगे।

विश्व की सबसे उंची हनुमान प्रतिमा के लिए महासंकल्प यात्रा के बाद अब शुरु हुई साइकिल यात्रा

गौ-रक्षा और मंदिर संरक्षण के संकल्प के साथ बालाघाट से खाटू श्याम तक साइकिल यात्रा रवाना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सनातन धर्म और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ बालाघाट जिले से राजस्थान स्थित खाटू श्याम बाबा मंदिर तक साइकिल पद यात्रा बुधवार से शुरु हुई है। यात्रा का मुख्य उद्देश्य मंदिरों का संरक्षण, गाय को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिलाना और पर्यावरण को बचाना है।बताया गया कि हीरापुर विष्णुधाम में विश्व की सबसे ऊंची 205 फीट हनुमान प्रतिमा निर्माण की महासंकल्प यात्रा के दूसरे चरण के बाद बाद यह जिले की दूसरी बड़ी धार्मिक पहल है।

14 कोठीगढ़ में हुआ शुभारंभ

यात्रा की शुरुआत से एक दिन पहले 14 जुलाई को मां अन्नपूर्णा देवी कोठीगढ़ धाम में विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ पौधरोपण किया गया। शाम को मंदिर परिसर में संध्या भजन और महाआरती का आयोजन किया गया और 15 जुलाई की सुबह मंदिर से विधिवत साइकिल यात्रा रवाना की गई।

यह रहेगा यात्रा का मार्ग

वारासिवनी निवासी मुरली चौबे के नेतृत्व में नुकाली गई इस यात्रा में धनलाल बिसेन मोहगांव, रुपचंद महादेव टेकाड़ी रामटेक कान्हादेवी, लकेश कुसराम, गजानंद ग्वालवंशी धारणा बरघाट, संदीप मेश्राम महदोली सहित जिले भर के भक्त शामिल हुए।यात्रा बालाघाट जिला मुख्यालय से होते हुए वारासिवनी, रामपायली, मोहगांव और कटंगी पहुंची। इसके बाद सिवनी के रास्ते यह दल राजस्थान की ओर प्रस्थान की। आयोजकों के अनुसार यात्रा को खाटू श्याम पहुंचने में 15 से 20 दिन का समय लगेगा।

रास्ते में लगेंगे 1100 पौधे

यात्रा की एक खास बात यह है कि जहां-जहां यह दल रात्रि विश्राम कर रहा है, वहां पर्यावरण संरक्षण के तहत पौधरोपण भी किया जा रहा है।पूरे मार्ग में 1100 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।आयोजकों ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के दिन खाटू श्याम मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। इस दौरान गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, गाय को राष्ट्रीय माता घोषित करने, जिले के प्रत्येक प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार कराने और ग्राम पंचायत व नगर पालिका स्तर पर हर मंदिर में एक सेवादार की नियुक्ति करने की मनोकामना की जाएगी।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में निकाली गई नशा मुक्ति रैली, दिलाई गई शपथ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नशे से दूरी है जरूरी 2.0 नशा उन्मूलन अभियान के तहत बुधकार को शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के प्रथम 15 जुलाई को महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना (रा.से.यो.) की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री रुचिका धुर्वे के नेतृत्व में स्वयंसेवकों एवं छात्राओं ने नशा मुक्ति रैली निकालकर समाज को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर ने महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्राओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है और जनजागरूकता के माध्यम से ही इस अभियान को सफल बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में भूतपूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तनुश्री अगासे सहित महाविद्यालय परिवार का सक्रिय सहयोग रहा।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के आरोप में युवक गिरफ्तार

न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया जेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी पुलिस ने शादी का झांसा देकर एक युवती का यौन शोषण करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार युवक पियूष पिता सुरजू प्रसाद डोंगरवार 22 निवासी वार्ड क्रमांक 18 तिरोड़ी निवासी है जिसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2023 से आरोपी पीयूष का 23 वर्षीय युवती के साथ प्रेम संबंध चल रहा था। इस प्रेम सम्बंध के चलते पीयूष ने युवती को शादी का आश्वासन देकर उसके साथ लगातार शारीरिक संबंध बनाए। बाद में 9 जुलाई को पीयूष ने शादी करने से इनकार कर दिया।युवती द्वारा पीयूष को समझाने का प्रयास किया गया। लेकिन उसके द्वारा शादी से इंकार करने पर वह तिरोड़ी थाना पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर तिरोड़ी पुलिस ने पीयूष के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 के तहत मामला दर्ज किया।मामले की विवेचना सहायक उपनिरीक्षक उमेश दियेवार ने की। विवेचना के दौरान आरोपी पीयूष को गिरफ्तार कर 15 जुलाई को कटंगी न्यायालय में पेश किया गया।जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में उपजेल वारासिवनी भेज दिया गया।

बस स्टैंड बना चोरों का अड्डा! प्रतीक्षालय में सो रहे मजदूरों की ढाई लाख की मेहनत की कमाई पार

मंडला लौट रहे चार मजदूर बने निशाना, बैग सहित नकदी चोरी, स्थानीय लोगों ने उठाए सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर का मुख्य बस स्टैंड इन दिनों यात्रियों के लिए सुरक्षित ठिकाना नहीं, बल्कि चोरों का आसान निशाना बनता जा रहा है। रात होते ही बस स्टैंड परिसर और यात्री प्रतीक्षालय में सक्रिय होने वाले बदमाश अब बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामले में मंडला जिले के चार मजदूरों की करीब दो से ढाई लाख रुपये की मेहनत की कमाई चोरी हो गई। मजदूर महाराष्ट्र से काम कर अपने घर लौट रहे थे, लेकिन बालाघाट बस स्टैंड पर रात गुजारना उन्हें भारी पड़ गया। मामले की शिकायत कोतवाली थाना में दर्ज कराई गई है, जिसके बाद पुलिस जांच में जुट गई है। पीडित अकल सिंह धुर्वे ने बताया कि वह अपने तीन साथियों के साथ महाराष्ट्र के अकोला में बोरवेल का काम कर मजदूरी करने गए थे। काम पूरा होने के बाद सभी मजदूरी की राशि, कपड़े और अन्य जरूरी सामान लेकर अपने गृह जिले मंडला लौट रहे थे। मंगलवार रात करीब 10 से 11 बजे के बीच वे बालाघाट बस स्टैंड पहुंचे, लेकिन उस समय मंडला जाने वाली कोई बस उपलब्ध नहीं थी। मजबूरी में सभी यात्री प्रतीक्षालय में ही रुक गए और सफर की थकान के कारण सो गए। सुबह जब उनकी आंख खुली तो उनके होश उड़ गए। जिस बैग में मजदूरी के रुपये और

अन्य सामान रखा था, वह गायब था। साथ ही उनकी चप्पलें भी चोरी हो चुकी थीं। मजदूरों के अनुसार बैग में सभी साथियों की कई महीनों की मेहनत की कमाई रखी हुई थी, जिसकी कुल राशि करीब दो से ढाई लाख रुपये थी। एक ही रात में पूरी कमाई चोरी हो जाने से मजदूरों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस बस स्टैंड और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों और बस स्टैंड के आसपास के व्यापारियों ने भी सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यह पहली चोरी नहीं है। इससे पहले भी यात्री प्रतीक्षालय में कई यात्रियों के सामान चोरी होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था में कोई सुधार नहीं किया गया। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शाम ढलते ही बस स्टैंड परिसर में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लग जाता है। इसके बावजूद यहां नियमित पुलिस गश्त नहीं होती और न ही पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम हैं। यात्रियों की सुरक्षा के लिए बस स्टैंड परिसर में प्रभावी निगरानी व्यवस्था का अभाव है, जिसका फायदा चोर और बदमाश लगातार उठा रहे हैं। रहवासियों और व्यापारियों ने पुलिस एवं नगर पालिका से मांग की है कि बस स्टैंड और यात्री प्रतीक्षालय में उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, रात के समय पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा नियमित पुलिस गश्त शुरू की जाए। उनका कहना है कि जब तक सुरक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं होगी, तब तक यात्रियों की जान-माल सुरक्षित नहीं रह पाएगी और ऐसी घटनाएं लगातार होती रहेंगी। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने एक बार फिर शहर के सबसे व्यस्त सार्वजनिक स्थल की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। अब देखने वाली बात होगी कि पुलिस इस मामले का खुलासा कितनी जल्दी करती है और बस स्टैंड पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए प्रशासन क्या ठोस कदम उठाता है।

सरकार पर दबाव बढ़ाने उतरे पटवारी, तीन दिन के सामूहिक अवकाश से राजस्व कामकाज प्रभावित

वर्षों से लंबित पांच सूत्रीय मांगों पर सरकार की चुप्पी के विरोध में प्रदेशव्यापी सामूहिक अवकाश, नामांतरण-सीमांकन समेत कई सेवाएं प्रभावित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षों से लंबित मांगों के निराकरण की मांग को लेकर मध्यप्रदेश पटवारी संघ के प्रदेशव्यापी आह्वान पर बालाघाट जिले के सभी पटवारी बुधवार 15 जुलाई से तीन दिवसीय सामूहिक अवकाश पर चले गए हैं। 15 से 17 जुलाई तक चलने वाले इस आंदोलन के कारण जिलेभर में राजस्व विभाग के अनेक महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित होने लगे हैं। पटवारी संघ ने स्पष्ट किया है कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक एवं चरणबद्ध रूप से आगे बढ़ाया जाएगा। मध्यप्रदेश पटवारी संघ के पदाधिकारी अरुण बिरनवार ने बताया कि संगठन कई वर्षों से अपनी न्यायोचित मांगों को लेकर शासन से लगातार संवाद कर रहा है। हाल ही में प्रदेश स्तर पर आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री और शासन के समक्ष पांच सूत्रीय मांगें रखी गई थीं, लेकिन किसी भी मांग पर ठोस सहमति नहीं बन सकी। न तो समस्याओं के निराकरण का कोई आदेश जारी हुआ और न ही कोई स्पष्ट आश्वासन मिला। इसी कारण प्रदेश संगठन ने सामूहिक अवकाश का निर्णय लिया, जिसका पालन बालाघाट जिले सहित पूरे प्रदेश में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के हित के लिए नहीं, बल्कि पूरे पटवारी संवर्ग के अधिकारों और वर्षों से लंबित समस्याओं के समाधान के लिए किया जा रहा है। यदि तीन दिवसीय अवकाश के बाद भी सरकार गंभीरता नहीं दिखाती तो प्रदेश

संगठन के निर्देश पर आंदोलन का अगला चरण शुरू किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। संघ ने अपनी प्रमुख मांगों में विभागीय परीक्षा शीघ्र आयोजित करने और उसका पाठ्यक्रम राजस्व विभाग के कार्यों के अनुरूप निर्धारित करने की मांग की है। इसके अलावा पटवारियों को जज प्रोटेक्शन एक्ट के दायरे में शामिल करने की भी मांग उठाई गई है। संघ का कहना है कि कई न्यायालयीन प्रकरणों में पटवारी केवल प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है, जबकि अंतिम निर्णय तहसीलदार या नायब तहसीलदार द्वारा लिया जाता है।इसके बावजूद कई मामलों में सीधे पटवारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर दी जाती है, जो न्यायोचित नहीं है। इसलिए उन्हें भी अन्य राजस्व अधिकारियों की तरह कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए। पटवारी संघ ने वर्षों से लंबित वित्तीय भुगतानों का शीघ्र भुगतान करने की मांग भी दोहराई है। संगठन का कहना है कि प्रदेश के कई जिलों में पटवारियों ने शासन के विभिन्न कार्य अपने निजी संसाधनों और खर्च से पूरे किए, लेकिन उनका भुगतान आज तक नहीं हुआ। वहीं लंबे समय से विभागीय परीक्षा आयोजित नहीं होने के कारण पदोन्नति और कैरियर प्रगति भी प्रभावित हो रही है। संघ ने यह भी मांग की है कि पटवारियों की समस्याओं के समाधान के लिए नियमित रूप से परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की जाए, ताकि उनकी समस्याओं का समय पर निराकरण हो सके। इधर, इस पूरे मामले पर तहसीलदार छवि पंत ने कहा कि पटवारी संघ द्वारा सामूहिक अवकाश की सूचना पहले ही प्राप्त हो चुकी थी। उन्होंने माना कि पटवारी राजस्व विभाग की सबसे महत्वपूर्ण और सबसे निचले स्तर की कड़ी हैं। नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा, फसल गिरदावरी, भू-अभिलेखों का संधारण, आय-जाति-निवास प्रमाण-पत्रों से जुड़े प्रतिवेदन सहित अधिकांश राजस्व कार्य पटवारियों के माध्यम से ही संपन्न होते हैं। उन्होंने कहा कि तीन दिन के सामूहिक अवकाश का सीधा असर राजस्व व्यवस्था पर पड़ेगा और यदि आंदोलन लंबा चलता है तो आम नागरिकों को भी शासकीय सेवाओं के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि पटवारियों की मांगों पर शासन के उच्च स्तर पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए, ताकि जल्द समाधान निकल सके और राजस्व व्यवस्था सामान्य बनी रहे। पटवारियों के सामूहिक अवकाश के चलते जिलेभर के तहसील कार्यालयों में नामांतरण, सीमांकन, फसल संबंधी प्रतिवेदन, भू-अभिलेखों के संधारण, राजस्व रिकॉर्ड अपडेट करने सहित कई कार्यों की गति प्रभावित होने की संभावना है। अब सभी की निगाहें शासन और मध्यप्रदेश पटवारी संघ के बीच होने वाली आगामी चर्चा पर टिकी हैं। यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो तीन दिवसीय आंदोलन आगे और व्यापक रूप ले सकता है, जिससे राजस्व व्यवस्था पर और अधिक प्रभाव पड़ने की आशंका है।

महिलाओं के स्वास्थ्य को समर्पित दो दिवसीय एक्यूप्रेशर-फिजियोथैरेपी शिविर शुरू

पार्श्वनाथ भवन में जिन कुशल सूरी बहु मंडल की पहल, बिना दवा उपचार पद्धति से मिलेगा परामर्श और इलाज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बिना दवा के उपचार पद्धतियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिन कुशल सूरी बहु मंडल द्वारा पार्श्वनाथ भवन में दो दिवसीय एक्यूप्रेशर, एक्यूपंचर एवं फिजियोथैरेपी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर डॉ. नमिता पीचा, अभय सेठिया, बलवंतचंद खजांची एवं सिद्धकरण कंकरिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए इस प्रकार के शिविरों को उपयोगी बताते हुए आयोजन की सराहना की। मंडल की ओर से बताया गया कि वर्तमान समय में बदलती जीवनशैली, घरेलू और सामाजिक जिम्मेदारियों के कारण महिलाएं अनेक शारीरिक समस्याओं से जूझती हैं, लेकिन व्यस्त दिनचर्या के चलते वे अपने स्वास्थ्य पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पातीं। इन्हीं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए शिविर का आयोजन किया गया है, ताकि महिलाओं को बिना दवा के उपचार पद्धतियों की जानकारी मिल सके और वे समय रहते स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से राहत पा सकें। शिविर में फिजियोथैरेपिस्ट प्राची सुराणा द्वारा फिजियोथैरेपी के माध्यम से उपचार एवं परामर्श दिया जा रहा है, जबकि शैली बोथरा एक्यूप्रेशर एवं एक्यूपंचर पद्धति से विभिन्न शारीरिक समस्याओं का उपचार कर रही हैं। विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को सही दिनचर्या, व्यायाम और प्राकृतिक उपचार पद्धतियों के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। आयोजन को सफल बनाने में मंडल की अध्यक्ष राजुल चौरड़िया, सचिव चैताली चतुर्मोहता एवं कोषाध्यक्ष सारिका जैन सहित मंडल की सदस्य संगीता वैद्यमूथा, सरिता जैन, संगीता बोथरा, रिंकी जैन, योगिता जैन, जूही जैन, अर्पणा कंकरिया, रचना कंकरिया, श्वेता बोथरा, प्रीति गोलछा, सपना जैन, श्वेता सेठिया, श्वेता कंकरिया, नेहा कंकरिया, श्रद्धा खजांची, सोनल खजांची, गरिमा खजांची, शिल्पा जैन, निशा कोचर, प्रीति जैन, शालू शाह, वर्षा चौरड़िया एवं राखी सिंघी सहित अन्य सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा।

राष्ट्रीय पंवार क्षत्रिय महासभा की कार्यकारिणी बैठक 26 को आयोजन को लेकर हुआ मंथन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय पंवार क्षत्रिय महासभा की आगामी राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक की तैयारियों को लेकर वार्ड क्रमांक-32 स्थित पंवार मंगल भवन में आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में 26 जुलाई को बालाघाट में प्रस्तावित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को सफल बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं और तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में राष्ट्रीय पंवार क्षत्रिय महासभा, जिला पंवार संगठन एवं पंवार मांदी समिति से जुड़े पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव रखे और आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। विभिन्न समितियों की जिम्मेदारियों, आगंतुकों के स्वागत, आवास, भोजन, यातायात, मंच व्यवस्था, पंजीयन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि राष्ट्रीय स्तर के इस महत्वपूर्ण आयोजन को समाज की एकजुटता और संगठन की मजबूती का प्रतीक बनाया जाएगा। इसके लिए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपने के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने पर जोर दिया गया। आयोजन की शेष तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए आगामी बैठक 19 जुलाई को शाम 4 बजे पुनः पंवार मंगल भवन में आयोजित की जाएगी। बैठक में स्थानीय बालाघाट एवं आसपास के क्षेत्रों के पदाधिकारियों, व्यवस्था प्रभारियों एवं सदस्यों से अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है, ताकि व्यवहारिक समस्याओं का समय रहते समाधान कर राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक की सभी तैयारियां पूर्ण की जा सकें।

शहर में नशे के खिलाफ बड़ा अभियान, सिविल ड्रेस में उतरेगी पुलिस

नवागत टीआई अजय गुर्जर बोले- सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी और हुड़दंग किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना प्रभारी का पदभार संभालने के बाद नवागत टीआई अजय गुर्जर ने कानून-व्यवस्था के साथ-साथ शहर को नशामुक्त बनाने की दिशा में सख्त कदम उठाने के संकेत दिए हैं। बुधवार 15 जुलाई को पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान की जानकारी साझा की और स्पष्ट किया कि अब सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने, शराबखोरी कर माहौल बिगाड़ने तथा नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर विशेष अभियान चलाया जाएगा। टीआई अजय गुर्जर ने बताया कि उन्होंने हाल ही में कोतवाली थाने का प्रभार संभाला है और पदभार ग्रहण करते ही अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने की रणनीति तैयार कर ली गई है। उन्होंने कहा कि शहर में लंबे समय से ऐसी शिकायतें मिल रही हैं कि कुछ लोग शराब दुकान से शराब खरीदने के बाद वहीं सड़क किनारे या दुकान के सामने बैठकर शराब पीने लगते हैं। इससे आम नागरिकों, महिलाओं और राहगीरों को असुविधा होती है तथा कानून-व्यवस्था भी प्रभावित होती है। ऐसे लोगों के विरुद्ध अब सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पुलिस की नजर केवल शराब दुकानों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि शहर के उन सभी सार्वजनिक स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी, जहां शाम होते ही लोगों की शराबखोरी की शिकायतें सामने आती हैं। इनमें उत्कर्ष मैदान, डेंजर रोड, पावर हाउस कॉलोनी, आकाशवाणी क्षेत्र की गलियां, न्यायालय परिसर के आसपास का क्षेत्र, बस स्टैंड के आसपास के इलाके सहित अन्य संवेदनशील स्थान शामिल हैं। टीआई ने यह भी कहा कि कुछ छोटे होटल, ठेले और पान दुकानों के संचालक शराब पीने वालों को बैठने की सुविधा उपलब्ध कराते हैं, जिससे सार्वजनिक स्थानों पर अव्यवस्था फैलती है। ऐसे दुकानदारों को भी चिन्हित कर उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। यदि कोई व्यक्ति या प्रतिष्ठान इस प्रकार की गतिविधियों को बढ़ावा देता पाया गया तो उसे किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए शहर के प्रमुख चौक-चौराहों काली पुतली चौक, रानी अवंतीबाई चौक, हनुमान चौक, बिहार चौकी सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर पुलिसकर्मी सिविल ड्रेस में तैनात रहेंगे। ये पुलिसकर्मी सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने, हुड़दंग मचाने या कानून का उल्लंघन करने वाले लोगों पर नजर रखेंगे और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्रवाई करेंगे। टीआई अजय गुर्जर ने कहा कि अभियान केवल शराब तक सीमित नहीं रहेगा। शहर में अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री और नशे के नए माध्यमों पर भी पुलिस की कड़ी नजर रहेगी। विशेष रूप से मेडिकल स्टोर्स पर बिकने वाली ऐसी कफ सिरप और अन्य दवाओं, जिनका दुरुपयोग नशे के रूप में किया जाता है, उनकी बिक्री की भी जांच की जाएगी। यदि कोई मेडिकल संचालक नियमों का उल्लंघन करते हुए प्रतिबंधित या नियंत्रित दवाइयों का अवैध विक्रय करता पाया गया तो उसके विरुद्ध भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि यदि कहीं भी सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन, नशीले पदार्थों की बिक्री या अन्य अवैध गतिविधियों की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। पुलिस गोपनीयता बनाए रखते हुए कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान का उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि युवाओं को नशे से दूर रखकर समाज में सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण तैयार करना भी है। आने वाले दिनों में यह अभियान और अधिक व्यापक स्तर पर संचालित किया जाएगा तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही या अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आवारा मवेशी रात्रि के समय खार को पहुंचा रहे नुकसान, किसान परेशान

पशुपालक अपने मवेशी को छोड़ रहे खुला, फसलों को चट करने के साथ ही सड़कों पर मचा रहे धमाचौकड़ी

किसानों ने आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजने एवं मवेशी मालिकों पर कड़ी कार्यवाही करने की मांग की

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

क्षेत्र में खरीफ सीजन की शुरूआत के साथ ही किसानों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। इस समय किसानों ने धान की रोपाई के लिए बीज (खार) बोया है, जो अब रोपाई के लिए तैयार हो रहा है। यदि क्षेत्र में तेज व अ छी बारिश होती है, तो नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी सहित आसपास की अन्य सटी ग्राम पंचायतें जैसे औल्याकन्हार, अमोली, पनबिहरी और मानपुर के किसान रोपाई का कार्य युध्द स्तर पर प्रारंभ कर देंगे परन्तु इस बीच आवारा मवेशियों के आतंक ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। ये आवारा मवेशी दिन के साथ-साथ विशेषकर रात्रि के समय खेतों में घुसकर तैयार हो रही खार को चरकर चौपट कर रहे हैं। जिससे किसानों को काफी नुकसान हो रहा है जिससे किसान बेहद परेशान है। लेकिन पशुपालक अपने मवेशियों को बांध कर न रखते हुए खुले छोड़ रहे है जिससे किसानों को आर्थिक परेशानियों से जुझना पड़ रहा है किन्तु स्थानीय प्रशासन के द्वारा आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजने एवं पशुमालिकों पर कोई कार्यवाही नही की जा रही है जिससे किसानों में रोष व्याप्त है।

कीटनाशक युक्त खार खाने से मवेशियों की हो रही मौत, फिर भी बेपरवाह पशुपालक

किसानों के द्वारा धान के रोपा (खार) में तरह-तरह की बीमारियों का प्रकोप बढ़ रहा है, जिसकी रोकथाम के लिए वे महंगी कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव कर रहे हैं। रात्रि के समय आवारा मवेशी खेतों में घुसकर इसी कीटनाशक युक्त फसल का सेवन कर रहे हैं।

इस जहरीली व कीटनाशक युक्त फसल को खाने से पूर्व में भी कई मवेशियों की जान जा चुकी है। बीते सोमवार की रात्रि में भी एक गाय की मौत इसी वजह से हुई है। इसके बावजूद पशुपालक कोई सबक नहीं ले रहे हैं और अपने मवेशियों को खुला छोड़ रहे हैं, जो बेहद चिंताजनक है। वहीं किसानों ने इस खरीफ सीजन में बेहद महंगे दामों पर धान के बीज खरीदकर बोये हैं। आवारा मवेशी न केवल धान की खार, बल्कि खेतों की मेड़ों पर लगे तुअर (अरहर) के पौधों को भी चबाकर नष्ट कर रहे हैं। इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

सड़कों पर जमावड़ा, हादसों को दे रहे आमंत्रण

आपकों बता दें कि फसलों को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ इन दिनों नगर मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों में आवारा मवेशियों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। ये आवारा मवेशी हाईवे मार्ग (शांति नगर मजार के पास), बालाघाट रोड़ और हाईस्कूल रोड़ जैसी व्यस्त सड़कों के बीचों-बीच डेरा जमाकर बैठ जाते हैं। जिसके कारण मार्ग से गुजरने वाले चौपहिया, दुपहिया वाहनों, पैदल आवागमन करने वाले लोगों को भारी परेशानी होती है। साथ ही रात्रि के समय ये ही आवारा मवेशी नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पनबिहरी, औल्याकन्हार, मानपुर, पांढरवानी, कटंगटोला, रामजीटोला, अमोली के किसानों के खेतों में लगी खरीफ धान की फसल की खार को नुकसान पहुंचा रहे है जिससे उन्हे आर्थिक नुकसान हो रहा है। किसानों के द्वारा खार में लगी बीमारी की रोकथाम के लिए कीटनाशक दवाई का भी छिड़काव किया जाता है जिसके सेवन से भी पूर्व में मवेशियों की मौत भी हो चुकी है उसके बावजूद भी पशु मालिक अपने मवेशियों को खुला छोड़ दे रहे है जो समझ से परे लग रहा है।

प्रशासन से धर-पकड़ अभियान चलाने की मांग

ग्राम पांढरवानी, औल्याकन्हार, अमोली, मानपुर, पनबिहरी, कटंगटोला, रामजीटोला सहित अन्य प्रभावित गांवों के पीड़ित किसानों ने स्थानीय सरपंचों, राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग से गुहार लगाई है। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल धर-पकड़ अभियान चलाकर इन आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजने एवं अपने पशुओं को खुला छोड़ने वाले लापरवाह पशु मालिकों को चिन्हित कर उन पर दण्डात्मक कार्यवाही करने की मांग की है।

आवारा मवेशी फसल को पहुंचा रहे नुकसान - ओमप्रकाश

किसान ओमप्रकाश बिसेन ने बताया कि सैकड़ों आवारा मवेशी लालबर्रा नगर मुख्यालय में रात के समय झुंड बनाकर हाईवे मार्ग सहित अन्य स्थानों पर धमाचौकड़ी मचाते है और जिसके बाद रात्रि में खेतों में पहुंचकर किसानों की खरीफ फसल के खार बोये है, मेढ़ पर तुअर लगाये है सहित अन्य फसलों को चर कर नुकसान पहुंचा रहे है जिससे किसान बेहद परेशान है। इस तरह से आवारा मवेशी रातों-रात किसानों की मेहनत पर पानी फेर देते है। श्री बिसेन ने बताया कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार बनने के बाद उन्होने कहा था कि आवारा गायों की सुरक्षा हेतु उन्हें गौशाला पहुंचाने की घोषणा की थी। लेकिन घोषणा के अनुसार क्षेत्र में काम नही हो रहे है, पशुपालक अपने मवेशियों को खुला छोड़ देते है और सड़क में वे मवेशी धमाचौकड़ी भी मचाते है जिससे दुर्घटनाएं भी हो रही है। लालबर्रा मुख्यालय के आवारा मवेशी है, पांढरवानी सरपंच से अपील है कि आवारा मवेशियों को पकड़ने की मुहिम शुरू करें। इस मुहिम में हम एवं अन्य ग्रामों के किसान पुरा सहयोग करेंगें।

पशुपालक अपने मवेशियों को रखे सुरक्षित - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि हमने पूर्व में भी आवारा पशुओं के मालिकों से अपील की थी कि वे अपने मवेशियों को घरों में बांधकर रखें ताकि खेतों में पहुंचकर फसल को नुकसान न पहुंचाये और यातायात भी प्रभावित न हो। लेकिन पशुपालक अपने मवेशियों को खुला छोड़ दे रहे है। श्री खान ने बताया कि शाम के समय ये आवारा मवेशी हाईवे मार्ग में जगह-जगह बैठे रहते है एवं रात के समय खेतों में पहुंचकर खार एवं अन्य फसलों को नुकसान पहुंचा रहे है, पंचायत के माध्यम से मुनादी करवाकर पशुपालकों से अपील की जायेगी कि वे अपने मवेशी को सुरक्षित रखे, नही मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजा जायेगा एवं उनके मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जायेगी। साथ ही यह भी बताया कि नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत के किसान व ग्रामीणजन भी आवारा मवेशियों को पकड़कर हमें सूचना दे उन्हे गौशाला भेजने का कार्य पांढरवानी पंचायत से की जायेगी और सभी आवारा मवेशियों को पकड़कर दूर की गौशालाओं में भेजे जायेगें जहां से कोई इन्हें दोबारा वापस न ला सके।

महाविद्यालय में "नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान" के अन्तर्गत विद्यार्थियों की दिलाई गई शपथ

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अन्तर्गत नशा उन्मूलन गतिविधियों के तहत शासकीय महाविद्यालय में 15 जुलाई को रैली एवं ड्रग अवेयरनेस रन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विद्यार्थियों को नशा मुक्ति संदेश पम्पलेट दिये जिसमें विद्यार्थियों को प्रेरक स्लोगन "जन-जन का एक ही नारा नशा मुक्त हो समाज हमारा" नशा सिर्फ एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार और सपनों को नष्ट कर देता है। अत: नशामुक्त मध्यप्रदेश बनाने के लिए हमें संकल्प लेते है कि हम न केवल खुद को बल्कि अपने आस-पास के हर व्यक्ति को नशे की लत से दूर करने का प्रयास करेंगे। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक प्राध्यापक सुमन बरवा, डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, श्रीमती संध्या भलावे, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, मनीष शिवहरे, डॉ. आशा कारे, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रसिक हुमनेकर, निशांत तलवरे, इकबाल खान सहित अन्य प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

लालबर्रा पुलिस ने की नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान की शुरूआत

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। स्थानीय पुलिस थाना परिसर में बुधवार को शाम 5 बजे उपनिरीक्षक सुश्री वैशाली उइके द्वारा एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। आयोजित प्रेसवर्ता के दौरान उपनिरीक्षक सुश्री वैशाली उइके ने मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा चलाये जा रहे विशेष नशा मुक्ति अभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए मीडिया व आम जनता से सहयोग की अपील की है। चर्चा में उपनिरीक्षक सुश्री वैशाली उइके ने बताया कि मध्यप्रदेश पुलिस के निर्देशानुसार 15 जुलाई से 30 जुलाई तक 15 दिवसीय नशा मुक्ति अभियान – नशे से दूरी है जरूरी 2.0 का संचालन किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य हमारे मध्यप्रदेश और संपूर्ण भारत को नशामुक्त बनाना है। अभियान के तहत पुलिस टीम द्वारा विभिन्न कस्बों, शहरों, गांवों और स्कूलों में जाकर व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें। ताकि युवाओं और नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा सके। साथ ही अवैध मादक पदार्थों की बिक्री और तस्करी पर रोक लगाने के संबंध में कड़े लहजे में सुश्री उइके ने कहा कि पुलिस इस पर सख्त कार्यवाही करने के लिए तत्पर है। सुश्री उइके ने आम जनता से अपील की है कि यदि उनके आसपास गांजा, अफीम या अन्य किसी भी तरह के नशीले पदार्थों का अवैध व्यापार या परिवहन किया जा रहा हो, तो इसकी सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस थाने को दें या टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1933 पर दर्ज करवाये। इसके साथ ही गांवों में बिकने वाली अवैध शराब की रोकथाम के लिए नागरिक सीधे अपने क्षेत्र के बीट प्रभारियों या थाना प्रभारी के मोबाइल नंबर पर संपर्क कर गुप्त सूचना दे सकते हैं। जिस पर पुलिस द्वारा तत्काल त्वरित व वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। वहीं नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के माध्यम से लोगों को नशा के दुष्परिणाम के प्रति जागरूक कर नशा मुक्त बनाना है।

लालबर्रा क्षेत्र में ट्रांसफार्मर से ऑयल चुराने वाला गिरोह सक्रिय, एक माह में 15 से अधिक वारदातें

दर्जनभर से अधिक ट्रांसफार्मरों से तेल साफ, विद्युत व्यवस्था ठप होने से उमस भरी गर्मी में अंधेरे में कटे ग्रामीणों के दिन-रात

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में इन दिनों बिजली विभाग के ट्रांसफार्मरों से ऑयल (तेल) चोरी करने वाला एक शातिर गिरोह सक्रिय हो गया है। चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे आये दिन विभिन्न इलाकों में लगे ट्रांसफार्मरों को निशाना बना रहे हैं और भारी मात्रा में कीमती ऑयल चोरी कर रफूचक्कर हो रहे हैं। विद्युत वितरण केंद्र अमोली के अंतर्गत आने वाले ग्रामों से करीब एक माह के अंदर लालबर्रा क्षेत्र के 15 से अधिक ट्रांसफार्मरों से अज्ञात चोर ऑयल चोरी की वारदात को अंजाम दे चुके हैं। गत दिवस दरमियानी रात में अज्ञात चोरों ने पाथरशाही के हाईवे मार्ग किनारे स्थित ट्रांसफार्मर को निशाना बनाया। इसी तरह साल्हेभर्री, बगदेही एवं अन्य ग्रामों में भी ट्रांसफार्मरों से ऑयल (तेल) चोरी कर चोर फरार हो गये। तेल चोरी होने से उक्त क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई। बिजली गुल रहने से ग्रामीणों को उमस भरी गर्मी के बीच अंधेरे में रात गुजारनी पड़ी। वहीं अचानक ट्रांसफार्मर से सप्लाई बंद होने पर ग्रामीणों द्वारा सूचना दिये जाने के बाद विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर सुधार कार्य शुरू किया और ट्रांसफार्मर में आई खराबी को दुरूस्त कर बिजली आपूर्ति बहाल की गई। वहीं क्षेत्र में एक माह के अंदर अलग-अलग स्थानों पर स्थित एक दर्जन से अधिक ट्रांसफार्मरों से ऑयल (तेल) की चोरी की वारदात घटित हो चुकी है। विद्युत विभाग ने थाने में शिकायत दर्ज करवाकर ट्रांसफार्मरों से ऑयल (तेल) चोरी करने वाले गिरोह को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है।

रात के अंधेरे का फायदा उठा रहे शातिर चोर

आपकों बता दे कि लालबर्रा क्षेत्र में ट्रांसफार्मरों से ऑयल चोरी की ये घटनाएं मुख्य रूप से देर रात के समय अंजाम दी जा रही हैं। चोरों को अच्छी तरह मालूम होता है कि किस समय विद्युत विभाग या स्थानीय लोगों की आवाजाही कम रहती है। क्षेत्र में इस तरह की वारदातें पहली बार नहीं हुई हैं, बल्कि इसके पूर्व भी ऐसी घटनाएं घटित हो चुकी हैं, लेकिन पुलिस अब तक अज्ञात चोरों का सुराग लगाने में नाकाम रही है। विद्युत ट्रांसफार्मरों से ऑयल (तेल) ट्रांसफार्मर से तेल चोरी होने के कारण विभाग को भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ रहा है। साथ ही नई व्यवस्था बहाल करने और तेल दोबारा भरने में काफी समय लग रहा है, जिससे उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। लगातार हो रही चोरियों और बिजली कटौती से स्थानीय जनता और किसानों में रोष व्याप्त है। क्षेत्रीयजनों का कहना है कि एक तरफ बारिश न होने से उमस भरी गर्मी सता रही है, वहीं दूसरी तरफ घंटों बिजली गुल रहने से जनजीवन भी प्रभावित हो रहा है। क्षेत्रीयजनों ने पुलिस प्रशासन और विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों में रात के समय पुलिस गश्त (पेट्रोलिंग) बढ़ाई जाये और क्षेत्र में अवैध रूप से तेल का धंधा करने वाले संदिग्धों से कड़ी पूछताछ कर कार्यवाही करने की मांग की है। वहीं विद्युत विभाग ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज करवाकर अज्ञात चोरों को जल्द गिरफ्तार करने और सख्त कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है।

अज्ञात चोरों को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करें पुलिस प्रशासन - विनीत

दूरभाष पर चर्चा में विद्युत वितरण केन्द्र अमोली के कनिष्ठ यंत्री विनीत टेकाम ने बताया कि क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में स्थित ट्रांसफार्मरों से अज्ञात चोरों के द्वारा रात्रि के समय ऑयल (तेल) की चोरी की घटना को अंजाम दिया जा रहा है और एक माह के अंदर एक दर्जन से अधिक ट्रांसफार्मरों से ऑयल की चोरी की वारदात हुई है। जिसकी शिकायत थाने में दर्ज करवा दी गई है। श्री टेकाम ने बताया कि ऑयल चोरी करने वाले गिरोह हो सकते है, लेकिन ये लोग रात्रि में चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे है। पुलिस प्रशासन से मांग है कि ट्रांसफार्मरों से ऑयल चोरी करने वाले अज्ञात चोरों को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करें।

कासपुर से कायदी मार्ग की हालत बदतर, डामरीकरण की मांग उपेक्षित

सड़क नहीं हादसों का सफर ग्रामीण आक्रोशित

पद्मेश न्यूज ।वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कासपुर के आमाटोला से कायदी को जोड़ने वाला कच्चा मार्ग है। पिछले कई वर्षों से यह मार्ग बदहाली झेल रहा हैं लेकिन जिम्मेदार प्रशासन की नींद टूटने का नाम नहीं ले रही है। नतीजतन ग्रामीणों को रोजाना जान जोखिम में डालकर इस जर्जर रास्ते से गुजरना पड़ रहा है। वर्तमान में इस कच्चे मार्ग की स्थिति बेहद दयनीय हो चुकी है। मार्ग से ऊपर बिछी मुरूम की परत पूरी तरह उखड़ चुकी है, जिसके कारण नीचे दबे गिट्टी के नुकीले और बड़े.बड़े पत्थर बाहर आ गए हैं। रास्ते पर जगह जगह छोटे.बड़े जानलेवा गड्ढे बन चुके हैं। कच्चा मार्ग होने के कारण ये गड्ढे और पत्थर धूल में छिपे रहते हैं जिससे अचानक साइकिल और मोटरसाइकिल चालक अनियंत्रित होकर गिर रहे हैं और दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। यह मार्ग केवल एक संपर्क सड़क नहीं बल्कि इस क्षेत्र की लाइफ लाइन है मार्ग पर क्षेत्र के दर्जनों किसानों के खेत स्थित हैं। गिट्टी के नुकीले पत्थरों के कारण किसान अपनी बैलगाड़ी लाने से कतरा रहे हैं क्योंकि इससे बैलों के पैर जख्मी हो रहे हैं। यहाँ तक कि चरने वाले मवेशी भी इस रास्ते पर चलने से घायल हो रहे हैं। यह मार्ग आमाटोला के साथ.साथ कासपुर,मदनपुर, कोस्ते, मेंड़की और डोंगरगांव सहित कई गांवों के लोगों को सीधे कायदी पहुंचाता है जहाँ से लोग बस या ट्रेन पकड़ते हैं। वारासिवनी होकर जाने पर ग्रामीणों को लंबा चक्कर काटना पड़ता है जिससे बचने के लिए लोग इस जर्जर रास्ते का उपयोग करने को मजबूर हैं। पिकअप और अन्य मालवाहक वाहनों को इस मार्ग पर कछुए की गति से चलना पड़ता है, जिससे समय और ईंधन दोनों की बर्बादी हो रही है। सामान्य दिनों में तो जैसे तैसे हिचकोले खाते हुए निकल जाते हैं लेकिन असली परीक्षा बारिश के मौसम में होती है। मानसून आते ही यह पूरा कच्चा मार्ग कीचड़ और दलदल के तालाब में तब्दील हो जाता है। जगह.जगह पानी भरने और फिसलन होने के कारण इस मार्ग पर पैदल चलना भी दूभर हो जाता है। कीचड़ के कारण दोपहिया वाहन चालक रोजाना फिसलकर चोटिल होते हैं। ग्रामीणों ने इस महत्वपूर्ण मार्ग के डामरीकरण और पक्की सड़क निर्माण के लिए कई बार प्रशासनिक अधिकारियों को लिखित एवं मौखिक रूप से अवगत कराया है। हर बार केवल आश्वासन देते हैं लेकिन धरातल पर काम शून्य है। समस्या को गंभीरता से ना लिए जाने के कारण ग्रामीणों में गहरा रोष व्याप्त है।

सड़क की स्थिति बेहद खराब है जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है-मंजूबाई दखनवार

ग्रामीण मंजूबाई दखनवार ने बताया कि यह सड़क की स्थिति बेहद खराब है यह मार्ग हमें सीधा और शॉर्टकट पड़ता है इसलिए ग्रामीण यहां से आना जाना करते हैं। कई वर्षो से यह मार्ग कच्चा और बहुत ज्यादा खराब है। पूरे रास्ते में गड्ढे हैं गिट्टे निकल गये है यहाँ से २ किलोमीटर की दूरी तय कर कायदी पहुंच जाते हैं। वारासिवनी से जाते हैं तो १० किलोमीटर का फेरा लगता है ऐसे में कायदी का यह पास का रास्ता है इसलिए उपयोग करते हैं। परंतु यहां दुर्घटना का भी डर बना रहता है क्योंकि सड़क अच्छी नहीं है। अभी बारिश में पूरा दलदल हो जाएगा आना.जाना बंद हो जाता है साइकिल ढकेल के ले जाना पड़ता है बहुत दिक्कत की स्थिति होने वाली है। बारिश में तो यहां पर चलना मुश्किल हो जाता है। चार.पांच वर्षों से रोड़ बहुत ज्यादा खराब हो गया है। कई बार इसकी शिकायत करें है परंतु बन जाएगी कहते हैं आज तक बनी तो नहीं है।

रोड़ नही बनने से ग्रामीणों को आने जाने में बहुत परेशान होना पड़ता है-विजय वरकड़े

ग्रामीण विजय वरकड़े ने बताया कि यहां बहुत ज्यादा दिक्कत है हम लोगों की यहां पर खेती है ,परंतु बैलगाड़ी लाना बहुत मुश्किल है। मवेशी सहित इंसान को इस सड़क पर चलने में दिक्कत है कायदी यही से ट्रेन बैठने के लिए जाते हैं। इधर क्षेत्र के करीब आधा से एक दर्जन ग्राम के लोग यहीं से रोज अपना आना जाना करते हैं। बहुत ज्यादा यातायात यहां पर बना रहता है वारासिवनी होते लंबा पड़ जाता है इसलिए लोग यहां से जाते हैं। नया बनाना तो दूर आज तक इसकी मरम्मत नहीं की गई है गिट्टी निकालने के कारण मोटरसाइकिल स्लिप हो जाती है या अनियंत्रित हो जाती है। लोग गिर जाते हैं बहुत भारी समस्या है रोड़ बनना चाहिए पर रोड़ नहीं बनी है। यहां से कोपे ,चिल्लोद ,लेंडेझरी ,कनकी के लिए हम लोग आना जाना करते हैं। रास्ते में खेती भी है तो किसान लोग भी यहां प्रतिदिन आते हैं बहुत गंभीर समस्या सड़क की बनी है।

क्रूरतापूर्वक गौवंश परिवहन के आरोपियों को पुलिस ने न्यायलय में किया पेश

मवेशीयों को महाराष्ट्र कत्लखाने ले जाने की कर रहे थे तैयारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तुमाड़ी स्कूल के समीप से पुलिस और स्थानीय ग्रामीणों की सजगता से दो गायों को कत्लखाने ले जाने का प्रयास कर रहे आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा गया है। बुधवार को वारासिवनी पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किए गए तीन आरोपियों को वारासिवनी न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना मंगलवार की रात्रि करीब ९ बजे की है। ग्राम तुमाड़ी निवासी और मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत विक्की उर्फ विकेश कुमरे उम्र ३१ वर्ष जब काम से अपने घर लौट रहे थे। तब उन्होंने देखा कि क्रिकेट ग्राउंड के पास कुछ लोग दो लाल रंग की गायों को बेरहमी से पीटते हुए ले जा रहे थे। विक्की के द्वारा संदिग्धों से पूछताछ करने पर उन्होंने नाम पता बताने से इनकार कर दिया और वहाँ से भागने की कोशिश करने लगे। संदेह गहराने पर विक्की ने तत्काल अपने गाँव के ही साथियों चिरंजन एंडे और विनय मेश्राम को फोन करके मौके पर बुलाया। ग्रामीणों को जुटता देख आरोपी वाद.विवाद करने लगे और गायों को लेकर भागने की फिराक में थे। इसी बीच विक्की और उनके साथियों ने बिना वक्त गंवाए डायल ११२ के माध्यम से वारासिवनी पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही वारासिवनी पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुँची। पुलिस को देखकर आरोपियों में अफरा.तफरी मच गई। पुलिस ने घेराबंदी कर मौके से तीनो आरोपियों को हिरासत में ले लिया जिनमें उदेलाल पिता स्व.शेगुलाल चौधरी उम्र ५८ वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक ३ सरण्डी थाना वारासिवनी, फूलचंद पिता स्व. उरकुड मेश्राम उम्र ३१ वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक ९ लोहारा थाना वारासिवनी एवं ऐलेश चमार निवासी वारासिवनी शामिल है। पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि वे इन गायों को फरार आरोपी ऐलेश चमार से खरीदकर अवैध रूप से महाराष्ट्र राज्य की सीमा पार कर कत्लखाने ले जाने की फिराक में थे। गायों के पैर बांधकर उन्हें अत्यंत क्रूरतापूर्वक घसीटा और पीटा जा रहा था। थाना वारासिवनी में मामले के विवेचना अधिकारी सहायक उपनिरीक्षक धनेश वल्के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपियों के विरुद्ध मध्य प्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम २००४ की धारा ४ एवं ६/९ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा ११ के तहत अपराध दर्ज कर बुधवार को वारासिवनी पुलिस के द्वारा तीनो आरोपियों को वारासिवनी न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस ने बरामद की गई दोनों गायों को सुरक्षित छुडाकर गौशाला भिजवाया है।

कोचेवाही में मिला अज्ञात युवक का शव, शिनाख्त के बाद जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कोचेवाही के बाजार क्षेत्र में बुधवार की दोपहर उस वक्त हड़कंप मच गया जब वहां एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा मिला। शव मिलने की खबर आग की तरह ग्राम में फैल गई जिसके बाद मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर तत्काल पहुंची वारासिवनी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त की जिसकी पहचान संदीप सूर्यवंशी के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोचेवाही में बुधवार को एक व्यक्ति अचेत अवस्था में जमीन पर पड़ा पाया गया जिसकी जानकारी ग्रामीणों ने बिना देर किए तुरंत वारासिवनी पुलिस को दी। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव की शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार मृत पाया गया व्यक्ति कुछ देर पहले तक बाजार क्षेत्र में ही घूमता हुआ देखा गया था। लेकिन दोपहर करीब १२ बजे अचानक लोगों ने उसे अचेत और मृत अवस्था में पड़ा पाया। पुलिस की जांच के दौरान एक व्यक्ति ने मृतक की पहचान संदीप सूर्यवंशी के रूप में की जिसके बाद पुलिस ने तत्काल उसके परिजनों को सूचित कर मौके पर बुलाया। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर शव की शिनाख्त संदीप सूर्यवंशी निवासी वार्ड नंबर ९ बुद्ध विहार के पास वारासिवनी के रूप में की। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार संदीप का विवाह हो चुका था लेकिन वर्तमान में वह अकेला ही रहता था और इधर उधर घूमकर अपना जीवन यापन कर रहा था। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही के बाद शव को अपने कब्जे में लेकर वारासिवनी सिविल अस्पताल भेज दिया है। शव को अस्पताल के शव विच्छेदन गृह के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया है। मृतक का पोस्टमार्टम १६ जुलाई को किया जाएगा जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। फिलहाल युवक की मौत किन परिस्थितियों में और किस वजह से हुई इसका खुलासा नहीं हो पाया है। वारासिवनी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी में गुरुपूर्णिमा पखवाड़ा का हुआ शुभारंभ

पद्मेश न्यूज ।वारासिवनी। सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी के प्राचार्य हुमराज पटले ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि लोकशिक्षण संचालनालय भोपाल मध्यप्रदेश के पत्रानुसार प्रदेश के समस्त शासकीय विद्यालयों में गुरुपूर्णिमा पखवाडा १५ जुलाई से २९ जुलाई २०२६ तक मनाया जाना है। भारतीय संस्कृति में गुरु को ज्ञान, संस्कार एवं जीवन मूल्यों का मार्गदर्शन माना गया है। गुरु.शिष्य परम्परा के संवर्धन, शिक्षाओं के सम्मान, विद्यार्थिओं में संस्कारों के विकास तथा शैक्षणिक वातावरण को सुदृण करने के उद्देश्य से प्रदेश के समस्त शासकीय विद्यालयों में गुरुपूर्णिमा पखवाडा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रथम दिवस दीपप्रज्वलन,सरस्वती वंदना एवं गुरुपूर्णिमा पखवाडा का शुभारंभ, द्वितीय दिवस से एकादश दिवस तक १६ जुलाई से से २७ जुलाई २०२६ तक सांदीपनि विद्यालयों का शैक्षणिक भ्रमण एवं नवाचार गतिविधिओं का अवलोकन , तृतीय दिवस भाषण प्रतियोगिता, चतुर्थ दिवस मेरे जीवन में गुरु विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता, पंचम दिवस संस्कृत श्लोक भजन एवं गुरुवंदना प्रस्तुति, षष्टम दिवस योगाभ्यास, ध्यान एवं स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियाँए सप्तम कैरियर मार्गदर्शन एवं प्रेरकव्याख्यान, अष्टम दिवस कैरियर मार्गदर्शन एवं प्रेरकव्याख्यान, नवम दिवस एक गुरु एक वृक्ष वृक्षारोपण अभियान, दशमदिवस मीटिंग विद्यार्थिओं की प्रगति एवं संस्कार आधारित चर्चा, एकादश दिवस में स्वच्छता अभियान एवं जागरूकता रैली, द्वादश दिवस में गुरु शिष्य प्रेरणा संवाद कार्यक्रम, त्रयोदश दिवस में पुरुष्कार वितरण संकल्प कार्यक्रम एवं समापन समारोह गुरु पखवाडा केलेंडर अनुसार किया जाना है। विद्यालय में गुरु पखवाडा केलेंडरअनुसार प्रथम दिवस में दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना एवं गुरुपूर्णिमा पखवाडा का शुभारंभ संस्था के प्राचार्य हुमराज पटले के द्वारा गुरु मंत्र एवं विद्याकी देवी माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर सभी विद्यार्थी एवं समस्त स्टाफ सदस्यों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से संस्था के शिक्षक श्रीमती वंदना शर्मा,लखन रिनायत,डेलेन्द्र मेश्राम , जितेन्द्र मिश्रा,कमल टेंभरे का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

छतरी तोड़ने के विवाद में मासूम की पिटाई बचाने पहुंची दादी से भी मारपीट

खैरलांजी के ग्राम झरिया की घटना, आरोपी सुनील शेण्डे पर बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम झरिया में मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। बेटे की छतरी तोड़ने की बात को लेकर एक व्यक्ति ने तीसरी कक्षा में पढ़ने वाले मासूम की बेरहमी से पिटाई कर दी। जब बच्चे की दादी उसे बचाने पहुंची तो आरोपी ने उनके साथ भी गाली गलौज करते हुए धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया। घटना में दादी और नाती दोनों घायल हो गए। पुलिस ने आरोपी सुनील शेण्डे के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम झरिया निवासी महिला ने शिकायत में बताया कि उसका नाती प्रणय टांडेकर उसके पास रहकर प्राथमिक शाला झरिया में तीसरी कक्षा में पढ़ाई करता है। ७ जुलाई की शाम करीब ४.३० बजे गांव के लोकेश मोरकुरे ने सूचना दी कि सुनील शेण्डे उसके नाती के साथ अपने घर के सामने सड़क पर मारपीट कर रहा है। महिला मौके पर पहुंची तो देखा कि आरोपी अपने बेटे की छतरी तोड़ने का आरोप लगाकर बच्चे को हाथ मुक्कों से पीट रहा था। शिकायत के मुताबिक बीच बचाव करने पर आरोपी ने महिला को मां.बहन की अश्लील गालियां दीं और विरोध करने पर धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया जिससे उनके बाएं घुटने में चोट आई। वहीं मासूम प्रणय टांडेकर के नाक, दाहिनी आंख और सिर पर भी चोटें आईं। आरोपी ने भविष्य में दोबारा ऐसी घटना होने पर जान से खत्म करने की धमकी भी दी। खैरलांजी पुलिस ने आरोपी सुनील शेण्डे के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की धारा ११५ (२) , २९६,३५१(२) सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी है।

ट्रांसफार्मर में लगी आग सुधार कार्य जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर ५ लालबर्रा रोड़ स्थित हनुमान मंदिर के पास स्थित ट्रांसफ ार्मर में बुधवार की शाम अचानक आग भड़क उठी। जहां वार्ड वासियों के द्वारा आग को शांत किया गया वहीं विद्युत विभाग के द्वारा सुधार कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर ५ हनुमान मंदिर के पास विद्युत विभाग का एक ट्रांसफार्मर लगा हुआ है,इसके आसपास वार्डवासियों के द्वारा बांस की चटाई लगा दी गई थी। जहां पर बुधवार की शाम को अचानक शॉर्ट सर्किट के साथ आग भड़क उठी तो धीरे.धीरे बांस की चटाई जलने से तेज हो गई। जिसमें आग की लपटे दहकने लगी जहां मौके पर वार्ड वासियों के द्वारा आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। वहीं तत्काल घटना की जानकारी विद्युत विभाग को दी गई। जिनके द्वारा कड़ी मशक्कत कर आग को शांत कर सुधार कार्य प्रारंभ कर दिया गया।

आस्था, परम्परा, आध्यात्मिक चेतना का विराट उत्सव

आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से प्रारम्भ होकर दस दिनों तक चलने वाली भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकआस्था, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक दर्शन का विराट उत्सव है। पुरी की यह महायात्रा हजारों वर्षों की परम्परा का जीवंत प्रतीक है, जिसमें भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं। इसी कारण इसे 'महायात्रा' कहा जाता है। भारत के चार धामों में प्रतिष्ठित श्री जगन्नाथ धाम की यह यात्रा देश ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व के करोड़ों श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बनती है। वर्ष 2026 की रथयात्रा भी अपार श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई जा रही है, किन्तु इस बार इसके साथ एक नया विवाद भी जुड़ गया है। देश एवं विदेश के अनेक स्थानों पर इस्कॉन द्वारा स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग तिथियों पर रथयात्राएं आयोजित किए जाने पर कुछ धार्मिक एवं परम्परावादी संगठनों ने आपत्ति व्यक्त की है। उनका मत है कि जगन्नाथ रथयात्रा की तिथि वही होनी चाहिए जो पुरी श्रीमंदिर द्वारा निर्धारित होती है। दूसरी ओर इस्कॉन का तर्क है कि विदेशों में स्थानीय प्रशासन की अनुमति, सार्वजनिक अवकाश, मौसम तथा अन्य व्यावहारिक कारणों से कभी-कभी तिथि में परिवर्तन आवश्यक हो जाता है। यह विवाद केवल तिथि का नहीं, बल्कि परम्परा और वैश्विक विस्तार के बीच संतुलन खोजने का विषय बन गया है। वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं। धर्म का मूल स्वरूप जोड़ना है, विभाजन करना नहीं। पुरी का श्रीमंदिर भगवान जगन्नाथ का मुख्य धाम है। लगभग 800 वर्ष पुराने इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जगन्नाथ स्वरूप में अपने ब? भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। प्रतिवर्ष केवल एक बार तीनों देव विग्रह अपने गर्भगृह से बाहर निकलकर भक्तों को दर्शन देते हैं। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता है। सामान्य दिनों में जहां भगवान के दर्शन सीमित होते हैं, वहीं रथयात्रा में प्रत्येक व्यक्ति बिना किसी भेदभाव के भगवान के साक्षात दर्शन कर सकता है। यात्रा की तैयारियां अक्षय तृतीया से प्रारम्भ हो जाती हैं। उसी दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के तीनों विशाल रथों का निर्माण आरम्भ होता है। प्रत्येक वर्ष नए रथ बनाए जाते हैं। यद्यपि उनका स्वरूप और आकार सदियों से समान रहता है, फिर भी प्रत्येक वर्ष नई लकड़ी, नई सज्जा और नवीन निर्माण किया जाता है। भगवान जगन्नाथ का रथ गरुड़ध्वज (कपिलध्वज), बलभद्र का तालध्वज तथा सुभद्रा का दर्पदलन अथवा पद्मध्वज कहलाता है। इन रथों के निर्माण की प्रक्रिया केवल शिल्पकला नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना मानी जाती है। कारीगर विशेष धार्मिक नियमों का पालन करते हुए इन्हें बनाते हैं। यह परम्परा हमें यह संदेश देती है कि प्रत्येक वर्ष मनुष्य भी अपने भीतर की ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार और लोभ को त्यागकर स्वयं का नव-निर्माण करे। रथयात्रा के पीछे अनेक पौराणिक कथाएं भी जुड़ी हैं। कहा जाता है कि एक बार सुभद्रा ने द्वारका नगर देखने की इच्छा व्यक्त की। तब भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने उन्हें अलग रथ पर बैठाकर नगर भ्रमण कराया। उसी स्मृति में तीनों भाई-बहनों की संयुक्त रथयात्रा निकाली जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार भगवान की अपूर्ण प्रतिमाओं का निर्माण स्वयं विश्वकर्मा ने किया था, जो आज भी जगन्नाथ संस्कृति की विशिष्ट पहचान है।

भ्रष्टाचार पर निर्णायक प्रहार का तात्कालिक समय आया

ÅæâÂÚåè §ÅÚÙàæÙÜ w®w{ ·¤è çÚÂôÅ-ÖæÚÌ ·¤è v®® × â ~vßð´ Ûç ·¤» Á» ãâæ§? -âàææâÙ ·¤è »ÖéÚ Ù§ ¿ÙõÌè- â×» ÃØæÂ ·¤ çßàÜæ‡æ

वैश्विक स्तरपर भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने या देने तक सीमित अपराध नहीं है,बल्कि यह लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था न्याय व्यवस्था और नागरिकों के विश्वास को भीतर से खोखला करने वाली ऐसी दीमक है जो धीरे- धीरे पूरे शासन तंत्र को कमजोर कर देती है। यदि कैंसर शरीर को अंदर से नष्ट करता है,तो भ्रष्टाचार राष्ट्र की संस्थाओं, नीतियों और नैतिक मूल्यों को उसी प्रकार क्षीण करता है।भारत का आम नागरिक जन्म प्रमाण पत्र से लेकर भूमि रिकॉर्ड, पुलिस, स्थानीय निकाय, कराधान, लाइसेंस, निर्माण अनुमति और अनेक सरकारी सेवाओं तक कहीं न कहीं भ्रष्टाचार की पीड़ा का अनुभव करता है।कई लोग इसे चाय-पानी कहकर सामान्य मान लेते हैं, जबकि यही छोटी-छोटी रिश्वतें आगे चलकर बड़े भ्रष्टाचार की जड़ बन जाती हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र अधिवक्ता होने के नाते जनता के बीच यह जनजागरण करना चाहूंगा कि आज आवश्यकता केवल भ्रष्टाचार की शिकायत करने की नहीं,बल्कि उसे सामाजिक रूप से अस्वीकार्य बनाने की है।अब ऐसे समय में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी भ्रष्टाचार धारणा सूचकांए (सीपीआई) 2026 भारत सहित पूरी दुनियाँ के लिए एक महत्वपूर्ण चेतावनी है। यह रिपोर्ट भारत के लिए बहुत चिंता का विषय है।रिपोर्ट के अनुसार भारत 39 अंकों के साथ 91वें स्थान पर है। विशेष बात यह है कि 0 अंक का अर्थ अत्यधिक भ्रष्ट व्यवस्था तथा 100 अंक का अर्थ अत्यंत स्वच्छ और पारदर्शी शासन व्यवस्था है, भारत में बहुत भ्रष्टाचार है लेकिन मैं इस रिपोर्ट को देखकर हैरान हूं कि भारत में इतनी बड़ी लेवल पर भ्रष्टाचारी है,मैंने सोचा भी नहीं था यानें अब सारी जनता समझ रही है कि,यह स्थिति भारत की प्रतिष्ठा पर आघात व विकास में बहुत बड़ी बाधा है? यह रिपोर्ट केवल किसी देश की रैंकिंग नहीं बताती, बल्कि यह उस देश की प्रशासनिक विश्वसनीयता, निवेश वातावरण, शासन की गुणवत्ता और संस्थागत पारदर्शिता का वैश्विक संकेतक भी मानी जाती है।किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए यह केवल अंक या स्थान का प्रश्न नहीं,बल्कि उसकी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा, निवेशकों के विश्वास और नागरिकों की उम्मीदों का भी विषय है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक को समझने की करें तो, दुनियाँ के सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक सूचकांकों में से एक है। इसे हर वर्ष ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल प्रकाशित करती है। यह रिपोर्ट सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार की धारणा को 0 से 100 के पैमाने पर मापती है। 0 अंक का अर्थ अत्यधिक भ्रष्ट व्यवस्था तथा 100 अंक का अर्थ अत्यंत स्वच्छ और पारदर्शी शासन व्यवस्था है। इस सूचकांक की विशेषता यह है कि यह किसी एक संस्था की राय पर आधारित नहीं होता, बल्कि विश्व बैंक, विश्व आर्थिक मंच (डब्लूईएफ), एशियाई विकास बैंक सहित लगभग 13 स्वतंत्र वैश्विक स्त्रोतों और विशेषज्ञों के आकलन को समाहित करता है। इसलिए इसकी विश्वसनीयता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार की जाती है। साथियों बात कर हम वर्ष 2026 की रिपोर्ट की करें तो इसमें वैश्विक तस्वीर चिंता पैदा करने वाली है। रिपोर्ट के अनुसार दुनियाँ के दो-तिहाई से अधिक देशों का स्कोर 50 से कम है,अर्थात अधिकांश देशों में सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार गंभीर चुनौती बना हुआ है। यह स्पष्ट संकेत है कि भ्रष्टाचार केवल विकासशील देशों की समस्या नहीं, बल्कि विकसित देशों के लिए भी सतत चुनौती है।हालांकि कुछ देशों ने अपने मजबूत संस्थागत ढांचे, पारदर्शी प्रशासन और कठोर जवाबदेही व्यवस्था के कारण उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।इस वर्ष भी डेनमार्क 89 अंकों के साथ सबसे स्वच्छ देशों में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। उसके बाद फिनलैंड, न्यूज़ीलैंड और नॉर्वे जैसे देश हैं। इन देशों की सफलता का आधार केवल कठोर कानून नहीं,बल्कि मजबूत संस्थाएं,पारदर्शी सरकारी प्रक्रियाएं,स्वतंत्र न्यायपालिका,प्रभावी मीडिया, नागरिक सहभागिता और राजनीतिक ईमानदारी है।दूसरी ओर दक्षिण सूडान, सोमालिया और वेनेजुएला सबसे अधिक भ्रष्ट देशों में शामिल हैं, जहां राजनीतिक अस्थिरता, कमजोर संस्थाएं और प्रशासनिक विफलता ने भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है। साथियों, भारत की स्थिति इस रिपोर्ट में विशेष चर्चा का विषय बनी है। रिपोर्ट के अनुसार भारत 39 अंकों के साथ 91वें स्थान पर है। यह स्थिति यह दर्शाती है कि भारत ने डिजिटल प्रशासन,प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) आधार आधारित सेवाओं,सरकारी खरीद में डिजिटलीकरण तथा कई प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से कुछ सकारात्मक प्रगति अवश्य की है,किंतु सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार, राजनीतिक वित्तपोषण में पारदर्शिता की कमी, प्रवर्तन एजेंसियों की प्रभावशीलता और प्रशासनिक जवाबदेही जैसे मुद्दे अब भी गंभीर चुनौती बने हुए हैं।भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। विदेशी निवेश आकर्षित करने, वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने,डिजिटल अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केवल आर्थिक सुधार पर्याप्त नहीं होंगे। निवेशक केवल बाजार का आकार नहीं देखते, बल्कि वे यह भी देखते हैं कि किसी देश में कानून का शासन कितना मजबूत है, अनुबंधों का पालन कितना प्रभावी है और भ्रष्टाचार का स्तर कितना कम है। इसलिए भ्रष्टाचार का प्रश्न सीधे आर्थिक विकास से जुड़ा हुआ है। साथियों, भारत में भ्रष्टाचार के अनेक रूप हैं। छोटे स्तर पर सरकारी कार्यालयों में सुविधा शुल्क, भूमि रिकॉर्ड में हेरफेर, पुलिस या स्थानीय प्रशासन में रिश्वत,ठेकों में अनियमितताएं, सरकारी खरीद में पक्षपात, कर चोरी के लिए मिलीभगत, लाइसेंस और परमिट में अवैध भुगतान जैसी समस्याएं आज भी व्यापक रूप से चर्चा में रहती हैं।बड़े स्तर पर राजनीतिक वित्तपोषण, सार्वजनिक परियोजनाओं में लागत वृद्धि, प्रभाव का दुरुपयोग और सत्ता तथा व्यवसाय के बीच अपारदर्शी संबंध भी चिंता का विषय हैं।एक गंभीर सामाजिक समस्या यह भी है कि भ्रष्टाचार को अनेक लोग व्यवस्था का सामान्य हिस्सा मान चुके हैं। काम जल्दी हो जाए या बिना परेशानी के काम निकल जाए जैसी मानसिकता भ्रष्टाचार कोबढ़ावा देती है। जब रिश्वत देने वाला और लेने वाला दोनों इसे सामान्य व्यवहार मान लेते हैं, तब कानून भी सीमित प्रभाव छोड़ता है। इसलिए भ्रष्टाचार के विरुद्ध सबसे बड़ा संघर्ष केवल सरकारी नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक भी है। साथियों, हाल के वर्षों में भारत ने कई महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। ई-गवर्नेंस, डिजिटल भुगतान, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी),जीईएम (गवर्नमेंट ई-मार्किटप्लेस), ऑनलाइन टेंडर प्रणाली, आधार आधारित सत्यापन, आयकर और जीएसटी का डिजिटलीकरण, ऑनलाइन सेवा वितरण और डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन ने भ्रष्टाचार की अनेक संभावनाओं को कम किया है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से करोड़ों लाभार्थियों तक बिना बिचौलियों के सरकारी सहायता पहुंचना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।फिर भी केवल तकनीक समाधान नहीं है। यदि संस्थागत जवाबदेही कमजोर रहे, शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई न हो, जांच एजेंसियों की स्वतंत्रता पर प्रश्न उठें और दोषियों को शीघ्र दंड न मिले, तो तकनीकी सुधार भी सीमित प्रभाव ही छोड़ेंगे। इसलिए तकनीक के साथ मजबूत संस्थागत सुधार अनिवार्य हैं। साथियों, राजनीतिक वित्तपोषण में पारदर्शिता आज सबसे महत्वपूर्ण सुधारों में से एक है। लोकतंत्र में चुनाव आवश्यक हैं, किंतु चुनावी वित्तपोषण यदि अपारदर्शी रहेगा तो नीति निर्माण पर निजी हितों का प्रभाव बढ़ सकता है। इसलिए राजनीतिक दलों की आय, चुनावी चंदे और व्यय की पारदर्शिता लोकतांत्रिक शासन की विश्वसनीयता के लिए आवश्यक है।स्वतंत्र संस्थाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकपाल, लोकायुक्त, केंद्रीय सतर्कता आयोग,नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, सूचना आयोग, न्यायपालिका, सतर्कता तंत्र और स्वतंत्र मीडिया लोकतंत्र के प्रहरी हैं। यदि ये संस्थाएं निष्पक्ष, स्वतंत्र और संसाधन- संपन्न हों तो भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।सूचना का अधिकार (आऱटीआई) ने भारत में पारदर्शिता बढ़ाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है।अनेक घोटाले, अनियमितताएं और प्रशासनिक कमियां इसी कानून के माध्यम से सामने आईं। इसलिए पारदर्शिता और सूचना तक नागरिकों की पहुंच को और मजबूत करना समय की आवश्यकता है। भ्रष्टाचार के विरुद्ध नागरिकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। यदि कोई नागरिक रिश्वत देने के बजाय शिकायत दर्ज कराए, डिजिटल पोर्टल का उपयोग करे, सबूत सुरक्षित रखे और कानूनी प्रक्रिया का पालन करे, तो व्यवस्था पर सकारात्मक दबाव बनता है। हर शिकायत तत्काल परिणाम नहीं देती, लेकिन सामूहिक नागरिक भागीदारी व्यवस्था में परिवर्तन का आधार बनती है। साथियों, विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में नैतिक शिक्षा, ईमानदारी, सार्वजनिक जीवन के मूल्यों और संवैधानिक कर्तव्यों पर अधिक बल दिया जाना चाहिए। भविष्य की पीढ़ी यदि ईमानदारी को सफलता का आधार मानेगी,तभी भ्रष्टाचार के विरुद्ध दीर्घकालिक परिवर्तन संभव होगा।कॉर्पोरेट क्षेत्र की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। रिश्वत देकर अनुबंध प्राप्त करना, कर चोरी, फर्जी बिलिंग या अनुचित प्रभाव का उपयोग करना भी भ्रष्टाचार का हिस्सा है। इसलिए मजबूत कॉर्पोरेट गवर्नेंस,स्वतंत्र ऑडिट, व्हिसलब्लोअर सुरक्षा और नैतिक व्यावसायिक आचरण आवश्यक हैं। साथियों, भ्रष्टाचार का सबसे अधिक नुकसान गरीब, मध्यम वर्ग और छोटे उद्यमियों को होता है। जिनके पास संसाधन कम होते हैं,वे रिश्वत देने में अधिक कठिनाई महसूस करते हैं। परिणामस्वरूप सामाजिक असमानता और बढ़ती है। इसलिए भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष वास्तव में सामाजिक न्याय का भी संघर्ष है।भारत यदि विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य प्राप्त करना चाहता है,तो उसेआर्थिक विकास के साथ सुशासन को भी समान प्राथमिकता देनी होगी। विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा केवल उत्पादन, तकनीक और निवेश से नहीं,बल्कि पारदर्शिता,कानून के शासन और संस्थागत विश्वसनीयता से भी तय होती है। साथियों, ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की 2026 रिपोर्ट भारत के लिए निराशा का नहीं,बल्कि आत्ममंथन और सुधार का अवसर है। 91वीं रैंक यह संदेश देती है कि अभी लंबी यात्रा शेष है। यदि हम डिजिटल प्रशासन काविस्तार करें,शिकायत निवारण को प्रभावी बनाएं, स्वतंत्रसंस्थाओं को मजबूत करें,राजनीतिक वित्तपोषण में पूर्णपारदर्शिता लाएं, न्यायिक प्रक्रियाओं को तेज करें और नागरिकों को भ्रष्टाचार के विरुद्ध सक्रिय भागीदार बनाएं, तो भारत की स्थिति आने वाले वर्षों में उल्लेखनीय रूप से बेहतर हो सकती है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह सरकार, न्यायपालिका, प्रशासन, मीडिया, उद्योग, नागरिक समाज और प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। जब तक रिश्वत देने वाला यह नहीं कहेगा कि मैं सुविधा शुल्क नहीं दूंगा,तब तक रिश्वत लेने वाला भी समाप्त नहीं होगा। इसलिए समय की मांग है कि भ्रष्टाचार को सुविधा नहीं, अपराध माना जाए; मौन नहीं, शिकायत की जाए; समझौता नहीं, प्रतिरोध किया जाए। तभी भारत वैश्विक मंच पर केवल आर्थिक महाशक्ति ही नहीं, बल्कि सुशासन, पारदर्शिता और नैतिक नेतृत्व का भी उदाहरण बन सकेगा। यही विकसित भारत की वास्तविक पहचान होगी।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

सोनम वांगचुक का लंबा अनशन अब जीवन पर भारी

-कांतिलाल मांडोत

çßÂÿæ ·¤è ÚæÁÙèçÌ â ª¤ÂÚ ©Æ·¤Ú SßæS‰Ø Õ¿æÙ ·¤æ â×Ø ¥ÁàæÙ Ùãè´ âרÌæÙ ¿æçã° ßæ»¿é·¤ ·¤ô ÁèßÙ Õ¿æ·¤Ú Üô·¤Ìæç˜æ·¤ âƒæá ·¤æ ÙØæ ÚæSÌæ ¿éÙÙæ ¿æçã°

दिल्ली के जंतर मंतर पर शिक्षा व्यवस्था में सुधार और कथित परीक्षा अनियमितताओं के विरोध में सोनम वांगचुक का आमरण अनशन लगातार जारी है। अनशन के सत्रहवें दिन तक पहुंचते पहुंचते उनका स्वास्थ्य चिंताजनक स्थिति में बताया जा रहा है। खबरों के अनुसार उनका वजन लगभग साढ़े आठ किलोग्राम कम हो चुका है और लगातार कमजोरी बढ़ रही है। चिकित्सकीय दृष्टि से यह स्थिति किसी भी व्यक्ति के लिए गंभीर मानी जाती है। लंबे समय तक भोजन से दूर रहने का असर केवल शरीर के वजन पर ही नहीं पड़ता बल्कि हृदय गुर्दे मांसपेशियों और मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर भी पड़ सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी चिंता किसी राजनीतिक मांग से अधिक एक इंसान के जीवन की होनी चाहिए।

सोनम वांगचुक देश के जाने माने शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। शिक्षा पर्यावरण और लद्दाख जैसे संवेदनशील मुद्दों पर उन्होंने वर्षों तक काम किया है। ऐसे व्यक्ति की आवाज लोकतंत्र में महत्वपूर्ण मानी जाती है। किसी भी नागरिक को अपनी बात शांतिपूर्ण ढंग से रखने और सरकार से जवाब मांगने का अधिकार है। लेकिन जब विरोध का तरीका स्वयं के जीवन के लिए खतरा बनने लगे तब उस पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है।

अनशन भारतीय लोकतांत्रिक परंपरा का एक पुराना और प्रभावी माध्यम रहा है। महात्मा गांधी से लेकर अनेक सामाजिक नेताओं ने इसका उपयोग नैतिक दबाव बनाने के लिए किया। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि जब किसी अनशनकारी का स्वास्थ्य लगातार गिरने लगता है तब आंदोलन की दिशा बदलना भी उतना ही आवश्यक हो जाता है। किसी भी आंदोलन का उद्देश्य जीवन की रक्षा करते हुए समाज और व्यवस्था में परिवर्तन लाना होता है न कि स्वयं को ऐसी स्थिति में पहुंचा देना जहां जीवन ही संकट में पड़ जाए।

वर्तमान समय में सोनम वांगचुक के समर्थन में कई विपक्षी नेताओं और फिल्मी हस्तियों ने बयान दिए हैं। उनसे अनशन समाप्त करने की अपील भी की गई है। दूसरी ओर सरकार पर संवेदनहीन होने के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह स्वाभाविक है कि लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष के बीच आरोप प्रत्यारोप चलते रहते हैं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में यह भी दिखाई देता है कि राजनीतिक दल अपने अपने दृष्टिकोण से इस मुद्दे को प्रस्तुत कर रहे हैं। सत्ता पक्ष अपनी स्थिति स्पष्ट कर रहा है जबकि विपक्ष सरकार को घेरने का अवसर तलाश रहा है।

यही वह बिंदु है जहां सबसे अधिक सावधानी की आवश्यकता है। किसी भी राजनीतिक दल का प्राथमिक उद्देश्य राजनीतिक लाभ प्राप्त करना होता है। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि हर राजनीतिक बयान केवल अनशनकारी के स्वास्थ्य की चिंता से प्रेरित है। विपक्ष सरकार पर हमला कर रहा है और सरकार अपने स्तर पर जवाब दे रही है। लेकिन इस राजनीतिक संघर्ष के बीच सबसे बड़ा नुकसान यदि किसी का हो सकता है तो वह स्वयं सोनम वांगचुक का स्वास्थ्य है।

वास्तविकता यह है कि यदि उनकी तबीयत और अधिक बिगड़ती है तो सबसे बड़ी कीमत उन्हें और उनके परिवार को चुकानी पड़ेगी। राजनीतिक दल अपने अपने एजेंडे के साथ आगे बढ़ जाएंगे लेकिन एक सामाजिक कार्यकर्ता का स्वास्थ्य और जीवन वापस नहीं लौटाया जा सकता। इसलिए यह समय भावनात्मक निर्णयों से अधिक व्यावहारिक सोच का है।

लंबे समय तक भूखे रहने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता तेजी से कम होती है। मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। रक्तचाप और शुगर का संतुलन बिगड़ सकता है। हृदय की धड़कन पर भी असर पड़ सकता है। यदि समय रहते चिकित्सा और पोषण नहीं मिले तो स्थिति गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए डॉक्टर भी आमतौर पर लंबे आमरण अनशन को स्वास्थ्य के लिए अत्यंत जोखिमपूर्ण मानते हैं।

सोनम वांगचुक यदि अपनी मांगों को लेकर संघर्ष जारी रखना चाहते हैं तो उसके अनेक लोकतांत्रिक विकल्प उपलब्ध हैं। जनसभाएं की जा सकती हैं। देशव्यापी जनजागरण अभियान चलाया जा सकता है। अदालत का दरवाजा खटखटाया जा सकता है। विशेषज्ञों के साथ संवाद स्थापित किया जा सकता है। संसद सदस्यों और विभिन्न सामाजिक संगठनों का समर्थन जुटाया जा सकता है। मीडिया और सामाजिक मंचों के माध्यम से भी व्यापक जनमत तैयार किया जा सकता है। इन सभी तरीकों से आंदोलन जीवित रहेगा और नेतृत्व भी सुरक्षित रहेगा।

इस पूरे मामले में यदि कॉकरोच जनता पार्टी और आंदोलन से जुड़े अन्य लोग वास्तव में वांगचुक के शुभचिंतक हैं तो उन्हें भी हस्तक्षेप करना चाहिए। किसी भी आंदोलन का नेतृत्व करने वाले व्यक्ति का जीवन सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि आंदोलन का चेहरा ही गंभीर बीमारी का शिकार हो जाए तो आंदोलन की दिशा भी प्रभावित होती है। इसलिए पार्टी और सहयोगियों को उन्हें सम्मानपूर्वक अनशन समाप्त करने के लिए तैयार करना चाहिए और संघर्ष की नई रणनीति बनानी चाहिए।

सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद हमेशा टकराव से बेहतर विकल्प होता है। यदि किसी मुद्दे पर व्यापक असंतोष दिखाई दे रहा है तो सरकार को बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास करना चाहिए। इससे तनाव कम होगा और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास भी मजबूत होगा।

आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीति से ऊपर उठकर मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की है। किसी भी विचारधारा से मतभेद हो सकते हैं लेकिन किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य और जीवन पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। सोनम वांगचुक का संघर्ष अपनी जगह महत्वपूर्ण हो सकता है लेकिन उनका जीवन उससे कहीं अधिक मूल्यवान है।

इसलिए समय की मांग यही है कि सोनम वांगचुक अपना आमरण अनशन समाप्त करें और लोकतांत्रिक संघर्ष का कोई दूसरा प्रभावी मार्ग चुनें। इससे उनकी बात भी मजबूत होगी और उनका स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहेगा। आंदोलन तभी सफल माना जाएगा जब उसका नेतृत्व स्वस्थ रहकर समाज के लिए आगे भी काम करता रहे। जीवन रहेगा तभी संघर्ष भी जारी रहेगा और बदलाव की संभावना भी बनी रहेगी।

राजस्थानी संस्कृति के अमर साधक के.सी. मालू एक युग का अवसान, एक विरासत का अमरत्व

कुछ व्यक्तित्व केवल अपने जीवनकाल तक सीमित नहीं रहते, वे अपने समय की सांस्कृतिक चेतना बन जाते हैं। उनके जाने के बाद भी उनकी साधना समाज की स्मृतियों, संस्कारों और परंपराओं में जीवित रहती है। राजस्थानी लोकसंगीत, भाषा, साहित्य और संस्कृति के ऐसे ही युगपुरुष थे केसरी चंद (के.सी.) मालू। उनका निधन केवल एक व्यक्ति का निधन नहीं है, बल्कि राजस्थान की सांस्कृतिक यात्रा के एक स्वर्णिम अध्याय का विराम है। उन्होंने अपने जीवन को जिस निष्ठा, समर्पण और तपस्वी भाव से राजस्थानी अस्मिता के संरक्षण में समर्पित किया, वह उन्हें सामान्य व्यक्तियों की श्रेणी से बहुत ऊपर स्थापित करता है। आज जब बाजारवाद और वैश्वीकरण की तेज आंधी में लोकसंस्कृतियां अपनी पहचान बचाने के लिए संघर्ष कर रही हैं, तब के. सी. मालू जैसे व्यक्तित्वों का महत्व और भी बढ़ जाता है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि यदि संकल्प दृढ़ हो तो एक अकेला व्यक्ति भी पूरी सांस्कृतिक धरोहर को विलुप्त होने से बचा सकता है। उन्होंने राजस्थानी लोकधुनों एवं लोकगीतों को केवल संग्रहित नहीं किया, बल्कि उन्हें नई पीढ़ी की धड़कनों तक पहुंचाया। उन्होंने संस्कृति को संग्रहालय की वस्तु नहीं बनने दिया, बल्कि उसे जनजीवन की सांसों से जोड़ दिया। निश्चित ही वे लोकधुनों के सजग प्रहरी थे, संस्कृतिप्रेमी एवं कला-साधक थे।

संगीत उनके लिए केवल मनोरंजन नहीं था, बल्कि संस्कृति का प्राण था। उन्होंने हजारों लोकगीतों की पांडुलिपियां तैयार करवाईं, ध्वनिलिपियां बनवाईं, उनकी रिकॉर्डिंग करवाई और उन्हें सुरक्षित रखा। बिना किसी सरकारी सहायता के पांच हजार से अधिक लोकगीतों का संरक्षण अपने आप में विश्वस्तरीय सांस्कृतिक साधना है। यह कार्य किसी संस्थान के लिए भी कठिन माना जाता है, लेकिन उन्होंने इसे अपने जीवन का मिशन बना लिया। यही कारण है कि आज राजस्थान की अनेक लोकधुनें, विवाह गीत, मांड, पणिहारी, घूमर, चिरमी और असंख्य लोकगाथाएं सुरक्षित हैं। वीणा म्यूजिक की स्थापना केवल एक व्यावसायिक संस्था की स्थापना नहीं थी, बल्कि यह राजस्थान की आत्मा को स्वर देने का अभियान था। उस दौर में जब लोककलाकार गुमनामी के अंधेरे में खो रहे थे, उन्होंने उन्हें मंच दिया, सम्मान दिया और पहचान दी। अनेक कलाकार, जिनकी प्रतिभा गांवों तक सीमित थी, उनके प्रयासों से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचे। उन्होंने सिद्ध कर दिया कि लोककला किसी क्षेत्र की सीमाओं में कैद नहीं होती, बल्कि वह पूरी मानवता की सांस्कृतिक धरोहर होती है। ऐसा प्रतीत होता है उनके जीवन की हर पात में संगीत की झंकार है। राजस्थानी संस्कृति, संगीत एवं लोकधुनों से जहां-जहां साक्षात्कार होगा, वहां-वहां के.सी. मालू के कदमों के निशान मिलेंगे। उनका मन एवं कर्म सृजनात्मक था।

के.सी. मालू की दृष्टि केवल संगीत तक सीमित नहीं थी। वे राजस्थानी भाषा के भी प्रखर प्रहरी थे। उनका मानना था कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, बल्कि वह किसी समाज की आत्मा और उसकी सांस्कृतिक स्मृति होती है। राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान दिलाने के लिए उन्होंने जो संघर्ष किया, वह उनके सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एवं अपनी माटी के प्रति समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने देश और विदेश के अनेक मंचों पर राजस्थानी भाषा की गरिमा और उसकी समृद्ध साहित्यिक परंपरा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे प्रसिद्धि के शिखर पर पहुंचकर भी विनम्र बने रहे। उनके भीतर कलाकार का संवेदनशील हृदय, साहित्यकार की दृष्टि और समाजसेवी की आत्मीयता एक साथ दिखाई देती थी। वे जानते थे कि संस्कृति केवल पुस्तकों या मंचों से जीवित नहीं रहती, बल्कि लोगों के जीवन में उतरने से जीवित रहती है। इसलिए उन्होंने लोकसंगीत को गांवों से निकालकर शहरों तक और भारत से निकालकर विश्वभर के राजस्थानी समाज तक पहुंचाया।

वर्ष 1987 में अकाल पीड़ितों की सहायता के लिए लता मंगेशकर नाइट का आयोजन कर एक करोड़ रुपये की सहायता राशि जुटाना उनके सामाजिक दायित्वबोध का अद्भुत उदाहरण है। यह बताता है कि उनके लिए संगीत केवल कला नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम भी था। उन्होंने अपने संसाधनों और प्रतिष्ठा का उपयोग समाजहित के लिए किया। आज जब कला का बड़ा हिस्सा केवल व्यवसाय बनता जा रहा है, तब के.सी. मालू का जीवन यह संदेश देता है कि कला का सर्वोच्च उद्देश्य समाज को समृद्ध बनाना है। उनके द्वारा संकलित 221 राजस्थानी विवाह गीतों का विशाल संग्रह विश्व में अपनी तरह का अनूठा उदाहरण है। यह केवल गीतों का संग्रह नहीं, बल्कि राजस्थान की सामाजिक परंपराओं, पारिवारिक संस्कारों और सांस्कृतिक स्मृतियों का जीवंत दस्तावेज है। उन्होंने यह समझ लिया था कि यदि लोकगीत बचेंगे तो लोकजीवन भी बचेगा। इसलिए उन्होंने संगीत के माध्यम से संस्कृति की रक्षा का महान कार्य किया।

मेरा उनसे संबंध केवल एक प्रशंसक का नहीं था, बल्कि आत्मीयता का था। मेरे पूज्य पिताजी स्व. श्री रामस्वरूप जी गर्ग जब भी जयपुर जाते थे, तो के.सी. मालू जी से अवश्य मिलते थे। दोनों के बीच साहित्य, संस्कृति, जैन दर्शन और समाज के विविध विषयों पर लंबी चर्चाएं होती थीं। उन चर्चाओं का उल्लेख मैं बचपन से सुनता आया हूं। उन संवादों में केवल विचारों का आदान-प्रदान नहीं होता था, बल्कि संस्कृति के भविष्य की चिंता और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भाव भी दिखाई देता था। बाद में मुझे भी उनसे मिलने और उनके स्नेह का लाभ लेने का अवसर मिला। उनकी सहजता, आत्मीयता और विचारों की गहराई आज भी स्मृतियों में ताजा है। वे जब भी राजस्थान की संस्कृति की बात करते थे, उनके शब्दों में केवल जानकारी नहीं होती थी, बल्कि मातृभूमि के प्रति अगाध प्रेम झलकता था। वे मानते थे कि अपनी जड़ों से जुड़ा समाज ही भविष्य का निर्माण कर सकता है। शायद यही कारण था कि उन्होंने आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए भी परंपरा को कभी नहीं छोड़ा। उन्होंने डिजिटल माध्यमों पर भी राजस्थानी संगीत को स्थापित किया, जिससे दुनिया के किसी भी कोने में रहने वाला राजस्थानी अपनी मिट्टी की सुगंध को महसूस कर सके।

आप एक सेतु बन सकते हैं खूबसूरत, जिन्दगी बांचने वाला एवं संस्कृति-संरक्षण करने वाला पुल। हम एक साथ मिलकर जीवन को संस्कृतिमय बना सकते हैं, जीवन में आने वाली बाधाओं को दूर कर सकते हैं, अंधेरों के बीच रोशनी बन सकते हैं। इसी सोच के साथ 'वीणा' के संस्थापक के. सी. मालू का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि महानता पद, सत्ता या संपत्ति से नहीं आती, बल्कि उस विरासत से आती है जो व्यक्ति समाज को देकर जाता है। उन्होंने अपने पीछे न केवल हजारों गीतों का खजाना छोड़ा है, बल्कि असंख्य कलाकारों की मुस्कान, लाखों श्रोताओं की स्मृतियां और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का एक अमूल्य स्त्रोत भी छोड़ा है। यही किसी भी जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। आज उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए मन बार-बार यही कहता है कि कुछ लोग शरीर से विदा होते हैं, किंतु अपने कार्यों के कारण कभी विदा नहीं होते। के. सी. मालू भी ऐसे ही अमर व्यक्तित्व हैं। जब भी राजस्थान की धरती पर घूमर की थाप गूंजेगी, मांड की मधुर स्वर-लहरियां बहेंगी, विवाह गीतों में लोकसंस्कृति का उल्लास झलकेगा, तब-तब उनकी साधना स्मरण की जाएगी। वे हर उस स्वर में जीवित रहेंगे, जिसमें राजस्थान की माटी की सुगंध होगी।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली के चलते बुधवार को अनाज मंडी में दलहन और तिलहन बाजार में मजबूती का रुख रहा। चना और उड़द में उछाल देखा गया, जबकि मूंग के भावों में भी सुधार दर्ज किया गया। खाद्य तेलों में बाजार मजबूती पर रहे, वहीं तिलहनों में सोयाबीन की पूछपरख बनी रही।व्यापारिक सूत्रों के अनुसार पानी की लंबी खेंच के बाद दलहनों में तेजी का माहौल बना है। चना के अच्छे मालों के भाव बढ़कर 6300 से 6400 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गए। मूंग में भी 100 से 200 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी दर्ज की गई। खाद्य तेलों में बाजार सुर्खी पर रहे, जबकि सोयाबीन में भी मजबूती देखने को मिली। किराना जिंसों में शक्कर के भावों में तेजी का रुख रहा और नारियल में भी पूछपरख बनी रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4470-4560, खोपरा गोला 380-420, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारि?क 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्स्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 800-825, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2500, (160) 2900, (200) 3100, (250) 3600,

तेल- सींगदाना 1640-1660, मुम्बई 1650, राजकोट तेलिया 2540, सोया साल्वेंट 1410-1420, सोया रिफाइंड 1470-1480, कपास्या 1500, धूलिया 1510, कड़ी 1515,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1610, मुम्बई पाम 1495, मुम्बई सोया 1500,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2600, देवास-उज्जैन 2600, खंडवा-बुरहानपुर 2575, अकोला 3925 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7800-8000, रायडा 7000-7100, सोयाबीन 7100, टोली (महुआ बीज) 5000-5100, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6300-6400, एवरेज 5900-6000, विशाल 6100-6200, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 5900-5950, एवरेज 5700-5800, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7250, मूंग पुराना बोल्ड 7600-7900, मीडियम 7400-7700, मोगर 5500-6500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9800-9900, उड़द गर्मी 8800-9500, ग्रेविटी क्लीन 10000-10200, हल्की 5000-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 275 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। स्थानीय सराफा बाजार में बुधवार को कारोबार की मात्रा सामान्य से कम रही। मांग सीमित रहने से दोनों प्रमुख मूल्यवान धातुओं के भावों में कोई विशेष बदलाव नहीं आया और बाजार लगभग स्थिर रहे। सराफा कारोबारियों के अनुसार निवेशकों और ग्राहकों की सीमित सक्रियता के बीच सोना और चांदी के भाव पूर्व स्तरों के आसपास बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 223000, चाँदी (99) 222900, टंच 222200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 141200,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को 7 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.29 पर बंद हुआ! वहीं गत दिवस रुपया 96.22 पर बंद हुआ। 22 मई के बाद रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 96 के पार पहुंचा है। पिछले सत्र में यह 95.62 पर बंद हुआ था। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने और अमेरिका तथा ईरान के बीच संघर्ष तेज होने से भी कच्चे तेल की कीमतों पर प्रभाव पड़ा है। इससे भी भारतीय रुपये पर दबाव बना है। नए सिरे से बढ़े भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ी जिससे रुपये पर दबाव बना।

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 130, निफ्टी 26 अंक ऊपर आया

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 130.49 अंक बढ़कर 77,185.43 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएस निफ्टी भी 26.45 अंक उछलकर 24,078.50 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 18 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। आज इटरनल के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही। इसके अलावा अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई, बजाज फाइनेंस, इंडिगो, एशियन पेंट्स और टेक महिंद्रा के शेयरों में तेजी रही। वहीं दूसरी ओर, पावरग्रिड, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा स्टील, इन्फोसिस, एनटीपीसी और बजाज फिनसर्व के शेयरों में गिरावट रही। वहीं जानकारों के अनुसर बैंकिंग और वित्तीय

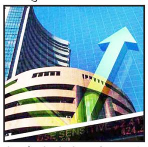

क्षेत्र के शेयरों में आई मजबूती ने बाजार को पिछले सत्र की भारी गिरावट से उबारने का काम किया। हालांकिमें अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया, जिसके चलते ऊपरी स्तरों पर मुनाफावसूली देखने को मिली और बाजार अपनी शुरुआती बड़ी बढ़त को बरकरार नहीं रख सका। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 483 अंक उछलकर 77,538.60 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं निफ्टी भी तेजी के साथ ही 24,203.40 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर 20 फीसदी ट्रांजिट शुल्क नहीं लगाये जाने की घोषणा के बाद कच्चे तेज की कीमतों में हल्मी गिरावट रही। अमेरिका में जून के महंगाई आंकड़े उम्मीद से नरम रहने के बाद फेडरल रिजर्व के नरम रुख अपनाने की उम्मीद बढ़ी, जिससे एसएंडपी 500 में 0.38 प्रतिशत और नैस्डैक में 0.90 फीसदी की बढ़त रही।

बैंक बोर्ड रणनीति और जोखिम प्रशासन पर ज्यादा बेहतर तरीके से विचार करें-आरबीआई

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को बैंकों के निदेशक मंडलों की बैठकों के लिए मुद्दे तय करने के संबंध में संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए ताकि बोर्ड अपने समय का ज्यादा कारगर तरीके से इस्तेमाल कर पाएं। केंद्रीय बैंक चाहता है कि बैंक बोर्ड रणनीति और जोखिम प्रशासन पर ज्यादा बेहतर तरीके से विचार करें। संशोधित दिशा-निर्देशों के तहत बोर्डों को साफतौर पर बताना होगा कि उन्होंने कौन से मसले मंजूरी के लिए रखे हैं और उन्हें अपने अधिकारों की समय-समय पर समीक्षा भी करनी होगी। संशोधित व्यवस्था 1 अक्टूबर 2026 से लागू होगी। संशोधित नियमों के मुताबिक बोर्ड को जोखिम प्रबंधन, नीति तथा रणनीति, संबंधित इकाइयों को कर्ज या उनमें निवेश पर नजर रखनी होगी और यह भी तय करना होगा कि कॉरपोरेट प्रशासन का पूरा ध्यान रखा जाए। रिजर्व बैंक के संशोधित दिशा-निर्देशों में कहा गया है, 'बैठक का एजेंडा तय करने की मूल जिम्मेदारी बोर्ड के चेयरपर्सन की होगी। बैंकिंग नियामक ने कहा कि बैंक की कारोबारी रणनीति, वित्तीय सेहत, प्रशासन के ढांचे, कर्मियों से जुड़े प्रमुख फैसलों, जोखिम प्रबंधन और अनुपालन की आखिरी जिम्मेदारी बोर्ड की ही होगी। बोर्ड को स्पष्ट करना होगा कि उसे प्रबंधन से किस तरह की जानकारी चाहिए और कितने अंतराल पर चाहिए। रिजर्व बैंक ने प्रस्ताव रखा है, जरूरत पड़ने पर बोर्ड बाहर से रिपोर्ट मंगा सकता है। बोर्ड खास मामले बोर्ड समितियों या प्रबंधन समितियों को सौंप सकता है बशर्ते उन्हें साफ तौर पर बताया जाए कि क्या जानकारी देनी है। बोर्ड से यह भी स्पष्ट बताने के लिए कहा गया है कि कौन से मामलों में उनकी मंजूरी जरूरी है और उन्हें रणनीति एवं जोखिम प्रशासन के लिए पर्याप्त समय देना होगा।

भारत-यूके सीईटीए लागू, कपड़ा, चमड़े, आभूषण समेत कई क्षेत्रों के निर्यात के अवसर बढ़ेंगे

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत-यूके व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) बुधवार से लागू हो गया। इससे देश में कपड़ा, चमड़े, आभूषण एवं रत्न, समुद्री उत्पादों, केमिकल और अन्य क्षेत्रों से जुड़े निर्यातकों के लिए यूके का बाजार खुला गया और उन्हें अब पहले के मुकाबले निर्यात के ज्यादा अवसर मिलेंगे। भारत-यूके सीईटीए के लागू होने को लेकर एक्स पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में हुआ यह समझौता, दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में एक मील का पत्थर है। इससे देश के करीब 99 फीसदी निर्यात को यूके में जीरो-ड्यूटी एक्सेस मिलेगा, जो कि भारत की 100 फीसदी ट्रेड वैल्यू को कवर करता है। मीडिया रिपोर्ट में केंद्रीय मंत्री के मुताबिक इस व्यापार समझौते से कपड़ा, चमड़े, रत्न और आभूषण, इंजीनियरिंग का सामान, समुद्री उत्पाद, केमिकल, प्रोसेस्ड फूड के साथ-साथ एमएसएमई, किसानों और अन्य मैन्युफैक्चरर्स को निर्यात के बड़े अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारत के आईटी, प्रोफेशनल, फाइनेंशियल, एजुकेशन और बिजनेस सर्विस सेक्टरों के लिए भी नए रास्ते खोलेगा और साथ ही भारतीय टैलेंट के लिए आवाजाही के मौके भी बढ़ाता है। सोशल सिक्योरिटी समझौते का जिक्र करते हुए गोयल ने कहा कि इससे यूके में अस्थायी काम पर गए भारतीय पेशेवरों को पांच साल तक दोहरी सोशल सिक्योरिटी का योगदान देने से छूट मिलती है, जिससे देश के वर्कफोर्स की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ती है। इसके अलावा गोयल ने समझौते को अंतिम रूप देने में अपनी भूमिका के लिए यूके के अपने समकक्ष पीटर काइल और दोनों देशों की बातचीत करने वाली टीमों का धन्यवाद किया। इस ट्रेड समझौते से स्कॉच व्हिस्की, जिन, चॉकलेट, बिस्कुट और कॉस्मेटिक्स जैसे कई ब्रिटिश प्रोडक्ट्स पर लगने वाले टैरिफ अब कम होने लगेंगे। कई प्रोडक्ट्स पर ड्यूटी में कटौती आने वाले सालों में लागू की जाएगी।

मेष- आज का दिन आपके लिए नई उम्मीदें और बेहतरीन अवसर लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी या ऊंचा पद मिलने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और मन प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थियों को मनचाही सफलता पाने के लिए पूरी एकाग्रता के साथ पढ़ाई करनी होगी। किसी विरोधी की बातों में आकर जल्दबाजी में कोई निर्णय लेने से बचें।

वृषभ- आज आगे बढ़ने की चाह और कुछ नया करने का उत्साह आपके भीतर साफ दिखाई देगा। आपकी मधुर वाणी और विनम्र स्वभाव लोगों को प्रभावित करेगा, जिससे सम्मान और लोकप्रियता दोनों बढ़ेंगे। सामाजिक कार्यक्रमों में आपकी मौजूदगी खास पहचान दिला सकती है। किसी राजनीतिक या प्रशासनिक मामले में हल्की परेशानी आ सकती है, लेकिन धैर्य बनाए रखें। लंबी यात्रा की योजना बन सकती है।

मिथुन- आज हर कदम सोच-समझकर उठाना ही आपके लिए सबसे बड़ी समझदारी होगी। कारोबार में किसी बड़े जोखिम से दूर रहें और अपने कामों में पूरी स्पष्टता बनाए रखें। सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने की संभावना है। यदि किसी काम को लेकर परेशानी चल रही थी, तो उसका समाधान भी धीरे-धीरे सामने आता नजर आएगा। माता-पिता की सेवा और उनका आशीर्वाद आपको मानसिक शांति के साथ सफलता भी दिलाएगा।

कर्क- आज आपकी नेतृत्व क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी। कार्यक्षेत्र में टीम के साथ मिलकर काम करने से शानदार परिणाम मिल सकते हैं। दांपत्य जीवन में प्रेम और तालमेल बना रहेगा। छोटे बच्चों के लिए कोई प्यारा-सा उपहार खरीद सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और धन-धान्य में वृद्धि के संकेत हैं।

सिंह- नौकरीपेशा लोगों के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है। मनपसंद जिम्मेदारी मिलने से काम में उत्साह बना रहेगा और आपकी मेहनत आपको नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है। कुछ नए लोगों से मुलाकात भविष्य में लाभदायक साबित होगी। अपने कामों में पारदर्शिता और स्पष्टता बनाए रखें।

कन्या- आज का दिन सफलता, संतोष और खुशियों से भरा रहेगा। प्रेम, अपनापन और सहयोग की भावना रिश्तों को और मजबूत बनाएगी। कोई पुराना लेन-देन पूरा करना पड़ सकता है। खर्चों पर नियंत्रण रखने के लिए बजट बनाकर चलना समझदारी होगी। परिवार में किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम की तैयारियां शुरू हो सकती हैं। मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी होने से दिन बेहद यादगार बन सकता है।

तुला- करियर के लिहाज से आज का दिन आपके लिए बेहद शुभ रहने वाला है। लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलने से राहत मिलेगी और मन भी हल्का महसूस करेगा। कोई बड़ी इच्छा पूरी होने से खुशी का माहौल रहेगा। अपने कामों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें, इससे सफलता जल्दी मिलेगी। परिवार में यदि किसी बात को लेकर मतभेद चल रहे थे, तो बातचीत के जरिए उन्हें आसानी से दूर किया जा सकता है।

वृश्चिक- आज का दिन सकारात्मक ऊर्जा और खुशियों से भरपूर रहेगा। आप सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश करेंगे और इसमें सफल भी होंगे। हालांकि किसी की सलाह पर आंख मूंदकर भरोसा करने से बचें। कार्यक्षेत्र में कोई सहयोगी आपके लिए मददगार साबित हो सकता है। पुरानी स्वास्थ्य समस्या दोबारा परेशान कर सकती है, इसलिए लापरवाही न करें। कुछ जरूरी खर्च सामने आ सकते हैं। परिवार के मामलों को बातचीत से सुलझाना ही सबसे अच्छा रहेगा।

धनु- आज सफलता आपके दरवाजे पर दस्तक दे सकती है। कार्यक्षेत्र में बड़ी जिम्मेदारी मिलने के साथ पद और प्रतिष्ठा में भी बढ़ोतरी के संकेत हैं। वेतन वृद्धि या इंक्रीमेंट की खुशखबरी भी मिल सकती है। हालांकि किसी मित्र की वजह से काम में थोड़ी रुकावट आ सकती है, इसलिए सतर्क रहें। नए कार्य की शुरुआत के लिए समय अनुकूल है। भाई-बहनों की सलाह आपके लिए लाभदायक रहेगी। अविवाहित लोगों के जीवन में किसी खास व्यक्ति की एंट्री हो सकती है।

मकर- आज आपके भीतर रचनात्मकता और सकारात्मक ऊर्जा भरपूर रहेगी। आत्मविश्वास के दम पर आप हर काम पूरे उत्साह से करेंगे। जरूरतमंद लोगों की मदद करने का अवसर मिलेगा, जिससे आत्मसंतोष भी मिलेगा। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को सम्मान मिलने के संकेत हैं। पुरानी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ें और उन्हें दोहराने से बचें। परिवार के साथ समय बिताने से रिश्तों में और मधुरता आएगी।

कुंभ- आज खर्चों पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी होगा। साथ ही अपने आसपास मौजूद विरोधियों की गतिविधियों पर भी नजर रखें। किसी अजनबी के कहने पर निवेश करने से बचें। संतान की ओर से कोई अच्छी खबर मिलने से मन खुश होगा। लंबे समय से रुका हुआ सरकारी काम पूरा होने के संकेत हैं।

मीन- आज का दिन बड़ी उपलब्धियों और नई सफलताओं का संदेश लेकर आया है। पद और प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी के साथ करियर में नए अवसर भी मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा। अपनी वाणी पर संयम रखें और सुनी-सुनाई बातों पर तुरंत भरोसा करने से बचें।

शब्दजाल - 8321

शब्दजाल में दस धार्मिक स्थलों के नाम ढूंढिए. दिये गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

गं	रा	ब	द्री	ना	थ	य	ऋ	ज	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	षि	ह	कां	गं
वि	स	की	वै	को	ह	रा	के	ल	ख	गो
के	स	स	क	ष्णो	वा	ज	ष	ह	श	त्री
दा	आ	र	ग	स	दे	ना	तू	रि	झ	प
र	ल	ला	र	दि	म	वी	ती	द्वा	घ	रिं
ना	व	का	शी	प	बा	ज	र	र	ना	थ
थ	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	सि	मी
ड	ल	अ	म	र	ना	थ	ग	शी	क	र
गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द	वि
वा	रा	ण	सी	क्षी	डि	त	ब	प	म	र

हरिद्वार,गंगोत्री,वैष्णोदेवी,बद्रीनाथ,नासिक, केदारनाथ,अमरनाथ,ऋषिकेष,काशी, वाराणसी

शब्दजाल - 8320 का हल

दैनिक पंचांग

16 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.31 बजे से
चंद्र	कर्क में	सिंह	07.47 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	09.59 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	12.10 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	14.24 ब.से
शुक्र	सिंह में	धनु	16.40 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.45 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.32 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.05 बजे से
		मेष	23.35 बजे से
		वृष	01.15 बजे से
		मिथुन	03.13 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2026 वर्ष का 197 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वितीया 08.54 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 19.53 बजे को समाप्त।
योग सिद्धि(असृक) 01.23 बजे रात्र को समाप्त।
करण कौलव 08.54 बजे तदनन्तर तैतिल 19.36 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 1.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 24'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872772
जूलियन दिन 2461237.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर **तारीख** 01
विशेष कर्क संक्रांति, जगन्नाथ रथयात्रा।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सबसे बड़ा धर्म

हीरे-जवाहरात के एक बड़े व्यापारी थे- देवीदीन। व्यापार में वह किसी प्रकार की अनीति नहीं करते थे। वह दूसरे व्यापारियों के हितों का भी ध्यान रखते थे। एक बार उन्होंने किसी व्यापारी से जवाहरातों का सौदा किया। भाव तय हो गया और यह भी निर्धारित हो गया कि अमुक समय के भीतर वह व्यापारी देवीदीन को जवाहरात दे देगा। दस्तावेज पर दोनों पार्टियों के हस्ताक्षर हो गए। संयोग से इस अवधि में जवाहरातों का भाव बढ़ गया। इस भाव पर यदि वह माल देता तो उसे भारी हानि हो जाने की आशंका थी। बेचारा व्यापारी संकट में पड़ गया, पर उसे अपना वचन तो निभाना ही था। देवीदीन को मूल्य बढ़ जाने की बात मालूम हुई तो वह उस व्यापारी की दुकान पर गए। देवीदीन कुछ कहें, उससे पहले ही व्यापारी ने कहा, 'सेठ जी, विश्वास रखिए, मैं अपने वादे को हर हाल में पूरा कर दूंगा। आप चिंता न करें।' देवीदीन ने कहा,' मैं जानता हूं कि आप अपने वादे को हर हालत में पूरा कर देंगे, लेकिन मैं यह भी जानता हूं कि आप बेहद चिंतित हैं। देखिए, हमारी चिंता का मुख्य कारण वह दस्तावेज है, जिस पर हमारे हस्ताक्षर हैं। यदि दस्तावेज को नष्ट कर दिया जाए तो चिंता का अपने आप अंत हो जाएगा।' व्यापारी ने कहा, 'नहीं, नहीं , सेठ जी ऐसा करने की जरूरत नहीं है, मुझे केवल दो दिन का समय दीजिए।' पर देवीदीन ने दस्तावेज निकाला और उसे टुकड़े-टुकड़े करके फेंकते हुए बोले, 'यह करार हमारे हाथ-पैर बांधता था। इस सौदे में भाव बढ़ जाने से मेरे साठ-सत्तर हजार रुपये आपकी ओर निकलते है। आपकी स्थिति मैं जानता हूं। आप कहां से देंगे इतनी बड़ी राशि?' व्यापारी अवाक् रह गया। उसने देवीदीन के चरण पकड़ लिए। देबीदीन ने उसे उठाकर सीने से लगाते हुए कहा, 'आड़े समय में एक दूसरे की सहायता करना मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म है।'

फिल्म वर्ग पहेली- 7265

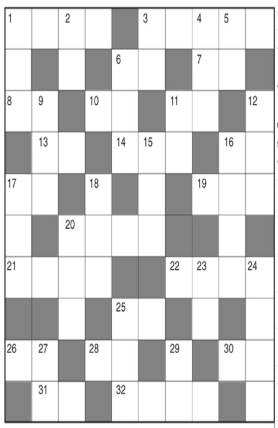

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शार्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५.अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली- 7264

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7574

★★★ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7573 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8789

बाएँ से दाएँ

1.दांपत्य संबंध विच्छेद-3
3.रहस्य का ज्ञाता-4
6.खुशबू,सुगंध-3
7.सौ,सैकड़ा,शतक-2
8.दुलारा,लाड़ला-2
10.नाम रखना-5
12.दाम,मूल्य,दर-3
15.अग्नि,आग-3
17.सम्मान देना -2,3
20.जन्नत,अप्सरा-2
22.दाम,कीमत-2
23.स्थान-3
24.अचरज भरा कार्य-4
25.गागर, घड़ा-3

ऊपर से नीचे

2.न्यूनता,कमी-5
3.अटक-अटक कर बोलने वाला-3
4.आवश्यकता-4
5.राजी करना,मान मनुहार करना-3
7.वहम,संदेह-2
9.भाग्यशाली(अंग्रजी-2)
11.मैला,दागदार-3
13.धोखेबाज,कपटी-3
14.मन मोहने वाला-5
15.अशांति फैलाने वाला, उपद्रवी-4
16.रक्त,खून-2
18.आनेवाला दिन-2
19.नृत्य करना-3
21.चांदी-3

शब्द पहेली -8788 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

स्टेट बैंक लांजी शाखा के सामने पार्किंग संकट

नोटिसों का ढेर, नहीं बदली जमीनी हकीकत

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के सबसे व्यस्त लांजी-भिलाई मार्ग पर स्थित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के सामने पसरा पार्किंग का संकट अब महज एक अव्यवस्था नहीं, बल्कि जिम्मेदार तंत्र की निष्क्रियता का जीवंत स्मारक बन चुका है। करीब डेढ़ दशक से नगरवासी, बैंक उपभोक्ता और राहगीर जिस समस्या से दो-चार हो रहे हैं, वह आज भी वहीं खड़ी है, जबकि नगर परिषद के नोटिसों का पुलिंदा लगातार मोटा होता गया। हालात ऐसे हैं कि कागजों में कार्रवाई दौड़ती रही, लेकिन जमीनी हकीकत एक कदम भी आगे नहीं बढ़ी। सड़क पर बेतरतीब खड़े वाहन, पार्किंग के नाम पर शून्य व्यवस्था, वर्षों से जंग खाती कबाड़ बन चुकी मिक्सर मशीन और भवन के भीतर पसरी गंदगी यह बताने के लिए काफी है कि जिम्मेदारों की प्राथमिकताओं में आम नागरिकों की सुविधा आखिर किस पायदान पर है।एसबीआई भवन में बैंक, पोस्ट ऑफिस एवं अन्य कार्यालयों के कर्मचारियों के लिए तो परिसर के भीतर पार्किंग की व्यवस्था मौजूद है, लेकिन प्रतिदिन बैंक पहुंचने वाले सैकड़ों उपभोक्ताओं के लिए आज तक कोई अलग पार्किंग स्थल विकसित नहीं किया गया। नतीजतन लोग मजबूरी में सड़क किनारे वाहन खड़े करते हैं, जिससे पूरे मार्ग पर यातायात प्रभावित होता है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

पार्किंग स्थल में व्यवसायिक गतिविधियां

विडंबना यह भी है कि जिस स्थान का उपयोग सार्वजनिक पार्किंग के लिए होना चाहिए, उसका भी व्यावसायिक उपयोग किए जाने की चर्चा लंबे समय से होती रही है। नगर परिषद ने पार्किंग व्यवस्था सुधारने के नाम पर स्टॉपर तो लगा दिए, लेकिन वे भी केवल दिखावे की व्यवस्था बनकर रह गए। न पार्किंग सुधरी और न अतिक्रमण खत्म हुआ। भवन के सामने कई वर्षों से खड़ी मिक्सर मशीन अब पूरी तरह कबाड़ में तब्दील हो चुकी है। इसके बावजूद न भवन मालिक ने उसे हटाया और न ही नगर परिषद ने इस दिशा में कोई प्रभावी कदम उठाया। यह कबाड़ आज भी परिसर की बदहाल व्यवस्था और प्रशासनिक उदासीनता का प्रतीक बना हुआ है।

भवन के अंदर भी गंदगी का अंबार

भवन के भीतर भी स्थिति कम चिंताजनक नहीं है। गंदे पानी की निकासी व्यवस्था वर्षों से बदहाल है। पुराने पाइपों से रिसता पानी भवन में आने-जाने वाले लोगों पर टपकता रहता है, जबकि फर्श पर फैला पानी दुर्घटना की आशंका को बढ़ाता है। गंदगी और रखरखाव की कमी के कारण आम नागरिकों को रोज असुविधा का सामना करना पड़ता है। यहां आने वाले लोगों का कहना है कि इस संबंध में कई बार शिकायतें की गईं, नगर परिषद ने नोटिस भी जारी किए, लेकिन कार्रवाई नोटिसों की सीमा से बाहर नहीं निकल सकी। परिणाम यह है कि वर्षों पुरानी समस्या आज भी उसी स्थिति में खड़ी है और जिम्मेदार विभाग स्थायी समाधान देने में नाकाम साबित हो रहे हैं।

इनका कहना है

इस संबंध में सीएमओ नगर परिषद को भवन का निरीक्षण करने के लिये निर्देशित किया जाएगा और जो खामियां पाई जाती है उसे तत्काल सुधार कराने के लिये कहा जाएगा। और उक्त भवन के पार्किंग स्थल में अगर व्यवसायिक गतिविधियां संचालित है तो उन्हें भी हटाने के लिये निर्देशित किया जाएगा।

कमलचंद सिंहसार
एसडीएम लांजी

नशे से दूरी है जरूरी - पुलिस ने चलाया विशेष जनजागरूकता अभियान

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारत को वर्ष 2030 तक नशामुक्त बनाने के लक्ष्य को लेकर मध्यप्रदेश शासन एवं पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार जिले में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 विशेष जनजागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान का राज्यस्तरीय शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के रवीन्द्र भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। तो वही जिले यह शुभारंभ पुलिस महानिरीक्षक बालाघाट जोन ललित शाक्यवार, पुलिस उपमहानिरीक्षक विनीत कुमार जैन, कलेक्टर मृणाल मीना तथा पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकरियों की उपस्थित में किया गया तथा पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देशन में यह अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक पूरे जिले में संचालित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य युवाओं, विद्यार्थियों एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना, नशामुक्त समाज की स्थापना के लिए जनसहभागिता बढ़ाना तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को इस जनआंदोलन से जोडना है। अभियान को लेकर लांजी थाना प्रभारी मुकेश दुवोलिया ने बताया कि नशे से दुरी है जरूरी अभियान में सभी की सहभागिता, सभी नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों तथा युवाओं से अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने और नशे से दूरी है जरूरी 2.0 को जन-जन तक पहुंचाकर नशामुक्त, स्वस्थ एवं सुरक्षित समाज के निर्माण में सहयोग करने की अपील की है। लांजी थाना प्रभारी के नेतृत्व में समस्त पुलिस अधिकारी कर्मचारी नगर में संचालित सरस्वती शिशु मंदिर एवं बिसोनी में संचालित पाली अकादमिक विद्यालय पंहुचकर उपस्थित छात्र छात्राओं को नशे से संबधी जानकारी दी गई कि कैसे लोग नशे के आदि होकर अपराध तक की दुनिया में प्रवेश कर लेते है। नशा हर तरह से हानिकारक है। हमे संकल्प लेना चाहिये तथा अपनें आस पास के लोगो को भी नशे से दुर रहने की सलाह देवें लांजी थाना प्रभारी एस आई मुकेश दुवोलिया ने अभियान को लेकर कहा कि नशे से दूरी ही जीवन की सबसे बड़ी सुरक्षा है। नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, शिक्षा, करियर और पूरे समाज को प्रभावित करता है। विद्यार्थी देश का भविष्य हैं, इसलिए अभी से सही संगति और अच्छे संस्कार अपनाना बहुत जरूरी है। यदि कोई भी व्यक्ति नशे की लत में फंसा है तो उसे छोडने के लिए परिवार, समाज और प्रशासन सभी का सहयोग लेना चाहिए। बालाघाट पुलिस द्वारा चलाया जा रहा नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान इसी उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है कि हर युवा नशामुक्त होकर अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करे। मैं सभी विद्यार्थियों से अपील करता हूं कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार व मित्रों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें।

मुख्य डाकघर लांजी में संचालित आधार सेवा केंद्र पुनः हुआ प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। लांजी। आखिरकार आधार सेवाओं पर छाया तकनीकी संकट समाप्त हो गया। पिछले कई दिनों से आइरिस (आंखों की बायोमेट्रिक) मशीन खराब होने के कारण ठप पड़ी आधार सेवाएं अब पूरी तरह पटरी पर लौट आई हैं। लांजी नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों के लोगों के लिए यह बड़ी राहत की खबर है, क्योंकि अब आधार कार्ड बनवाने अथवा उसमें संशोधन कराने के लिए महाराष्ट्र या अन्य शहरों के चक्कर लगाने की मजबूरी समाप्त हो गई है। डाक विभाग के अधिकारियों की तत्परता और स्थानीय पोस्ट ऑफिस की सक्रिय पहल से जिला मुख्यालय से तीन नई आइरिस मशीनें उपलब्ध करा दी गई हैं, जिससे आधार केंद्र में कार्य पहले की तरह नियमित और व्यवस्थित रूप से शुरू हो गया है।

तकनीकी खराबी बनी थी बड़ी परेशानी

लांजी के मुख्य डाकघर में संचालित आधार सेवा केंद्र में आइरिस स्कैनिंग मशीन खराब होने के कारण आधार से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो रहे थे। आंखों के बायोमेट्रिक सत्यापन के बिना नए आधार पंजीयन, बच्चों के आधार, वरिष्ठ नागरिकों के बायोमेट्रिक अपडेट तथा अन्य कई जरूरी प्रक्रियाएं पूरी नहीं हो पा रही थीं। प्रतिदिन दूर-दराज के गांवों से पहुंचने वाले लोग घंटों इंतजार करने के बाद मायूस होकर लौट रहे थे। स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही थी। स्थानीय स्तर पर सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण अनेक नागरिकों को मजबूरन महाराष्ट्र सीमा के आधार केंद्रों अथवा अन्य शहरों का रुख करना पड़ रहा था। एक छोटे से तकनीकी अवरोध ने आम लोगों का समय, श्रम और अतिरिक्त धन तीनों खर्च करा दिए। खासकर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए यह परेशानी और भी अधिक बढ़ गई थी।

अधिकारियों ने दिखाई तत्परता, तीन नई मशीनें हुईं उपलब्ध

जनसुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लांजी पोस्ट ऑफिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समस्या को गंभीरता से लिया। जिला मुख्यालय से तत्काल संपर्क स्थापित कर प्राथमिकता के आधार पर एक या दो नहीं, बल्कि तीन नई आइरिस मशीनें उपलब्ध कराई गईं। मशीनों की स्थापना के साथ ही आधार सेवा केंद्र में सभी आवश्यक सेवाएं पुनः सुचारू रूप से प्रारंभ हो गईं। अब आधार कार्ड बनवाने, बायोमेट्रिक अपडेट कराने और अन्य संशोधन कार्य बिना किसी व्यवधान के किए जा रहे हैं। सिर्फ तकनीकी समस्या का समाधान ही नहीं किया गया, बल्कि आधार केंद्र की व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी भी बनाया गया है।

अब स्थानीय स्तर पर मिलेगी पूरी सुविधा

केंद्र में आधार सेवाओं के लिए निर्धारित शासकीय शुल्क तथा आवश्यक दस्तावेजों की विस्तृत सूची स्पष्ट रूप से प्रदर्शित कर दी गई है, ताकि किसी भी नागरिक को जानकारी के अभाव में परेशानी न उठानी पड़े। वहीं केंद्र में मौजूद कर्मचारी भी प्रत्येक आवेदक को पूरी प्रक्रिया विनम्रतापूर्वक समझाकर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं।केंद्र में कार्यरत कर्मचारी ने बताया की तीन नई आइरिस मशीनें उपलब्ध होने के बाद लांजी पोस्ट ऑफिस का आधार सेवा केंद्र एक बार फिर पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रहा है। अब नागरिकों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए दूसरे जिलों या महाराष्ट्र की ओर नहीं जाना पड़ेगा। स्थानीय स्तर पर ही सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होने से लोगों को समय और धन दोनों की बचत होगी।

ट्रांसफार्मर जल जाने से साडरा के 1 से 5 वार्डों में तीन सप्ताह से बिजली संकट

पद्मेश न्यूज। लांजी। बरसात के मौसम में जहां बिजली की निर्बाध आपूर्ति सबसे बड़ी आवश्यकता होती है, वहीं जनपद क्षेत्र लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत साडरा के वार्ड क्रमांक 1 से 5 तक के करीब 52 परिवार पिछले लगभग तीन सप्ताह से बिजली संकट से जूझ रहे हैं। गांव में लगा 100 केवी का ट्रांसफार्मर जल जाने के बाद से क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। विभाग द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था तो की गई है, लेकिन उससे न तो पर्याप्त वोल्टेज मिल पा रहा है और न ही नियमित बिजली आपूर्ति हो रही है। ऐसे में ग्रामीणों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लगातार बनी इस समस्या के कारण लोगों में विद्युत विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है और ग्रामीण जल्द से जल्द नया ट्रांसफार्मर लगाए जाने की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार ट्रांसफ ार्मर खराब होने के बाद से बिजली व्यवस्था केवल नाम मात्र की रह गई है। कम वोल्टेज और बार-बार बिजली गुल रहने से घरों में लगे विद्युत उपकरण ठीक से नहीं चल पा रहे हैं। शाम होते ही अंधेरा छा जाता है, जिससे छोटे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है, क्योंकि अधिकांश लोग बिजली से संचालित मोटरों के माध्यम से पानी की व्यवस्था करते हैं। ग्रामीणों ने बताया की उक्त समस्या को लेकर उन्होने विद्युत विभाग के हेल्प लाईन नंबर 1912 में भी शिकायत दर्ज कराई है परंतु समस्या जस की तस बनी हुई है।

तीन सप्ताह के बाद भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं

ग्रामीण राजेंद्र भास्कर, वीरेंद्र घोरमारे, देवेंद्र वशिष्ठ, भोजराज भोंगड़े, जितेंद्र बोपचे, विजय रणदीवे एवं अंशुमन खोबरागड़े ने बताया कि तीन सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि बिजली नहीं होने से दैनिक दिनचर्या के सभी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। व्यापारिक प्रतिष्ठानों का कामकाज प्रभावित हो रहा है, वहीं कृषि कार्यों में भी किसानों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। खेतों में सिंचाई सहित अन्य जरूरी कार्य समय पर नहीं हो पा रहे हैं, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार विभागीय अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक नया ट्रांसफ ार्मर नहीं लगाया गया। उनका कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीण सामूहिक रूप से विभाग के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

नगरीय क्षेत्र में भी बुरा हाल

इधर, केवल साडरा ही नहीं बल्कि नगरीय क्षेत्र लांजी के लोग भी इन दिनों लगातार हो रही बिजली कटौती से परेशान हैं। नगर में प्रतिदिन कई-कई घंटों तक बिजली बंद रहने से आमजन को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का आरोप है कि विभाग द्वारा हर बार %लोड बढने' का हवाला देकर बिजली काट दी जाती है। इससे घरेलू कार्यों के साथ-साथ दुकानदारों, छोटे व्यापारियों एवं अन्य व्यवसायों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती से लोगों में असंतोष बढ़ रहा है।

इनका कहना है

वर्तमान में पावर हाउस में लोड बढने के कारण इस प्रकार की समस्या उत्पन्न हो रही है। विभाग द्वारा स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और शीघ्र ही इसका समाधान निकाल लिया जाएगा। उन्होंने ग्राम पंचायत साडरा के संबंध में बताया कि वहां 100 केवी का ट्रांसफार्मर जल जाने की जानकारी विभाग को है। ट्रांसफार्मर बदलने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और दो से तीन दिनों के भीतर नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर विद्युत आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी।

ललित मार्को, कनिष्ठ अभियंता
विद्युत विभाग, लांजी

चंद्रकिशोर सिरामे डीएसपी पद पर पदोन्नत

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी नगर वार्ड क्रमांक 3 के निवासी श्रीमती पुष्पा छोटेलाल सिरामे के पुत्र चंद्रकिशोर सिरामे को उल्लेखनीय सफलता मिली है। लखनवाड़ा सिवनी थाना प्रभारी के रूप में तीन वर्ष से अधिक समय तक उत्कृष्ट सेवा देने के बाद उन्हें उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) पद पर पदोन्नति मिली है। मंगलवार 14 जुलाई को सिवनी के पुलिस अधीक्षक ने औपचारिक रूप से उनके कंधों पर सितारे सजाकर इस उपलब्धि को सम्मानित किया।

सेवा का सराहनीय रिकॉर्ड

अपने कार्यकाल के दौरान चंद्रकिशोर सिरामे ने अपराध नियंत्रण, जनसुनवाई, सामुदायिक पुलिसिंग और मधुर व्यवहार के माध्यम से पुलिस और जनता के बीच विश्वास की मजबूत नींव रखी। उनकी ईमानदार, समर्पित और जनोन्मुखी कार्यशैली ने उन्हें क्षेत्र के आमजन के बीच विशेष पहचान दिलाई। स्थानीय स्तर पर उनकी लोकप्रियता काफी बढ़ी। पदोन्नति की इस खुशखबरी से न केवल उनके परिवार में हर्ष का वातावरण है, बल्कि पूरे लांजी नगर में गर्व और उत्साह छाया हुआ है। क्षेत्रवासी इसे उनकी निष्ठापूर्ण सेवा का उचित परिणाम मान रहे हैं और इसे युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बता रहे हैं। इस उपलब्धि पर लता कोमल गुरदे, अर्चना युगलकिशोर सिरामे, तुलसी श्यामकिशोर, बीएल घरते, एमएल हनोते, एसआर धारने, टीआर बागडे, आकाश जामुरे, प्रियांशु गुरदे, भूपांशु गुरदे, डॉ. प्रकाश नगपुरे (मित्र मंडली), महेन्द्र गुरदे, मोरध्वज गुरदे, रविन्द्र घोरमारे, महेश उमरे, विरेन्द्र घोरमारे, योगेश वराडे, मानिक ढेकवारे, चुनेन्द्र ठाकरे, संजीव उपाध्याय, राजेश मेहर, योगेश घरते, सहित माना समाज उत्थान समिति लांजी, माना युवा प्रकोष्ठ खंड लांजी, क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों और संगठनों ने चंद्रकिशोर सिरामे को बधाई दी एवं आगामी जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दी जा रही हैं।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

मोहन सरकार का बड़ा फेरबदल

लखन पटेल से पशुपालन विभाग वापस

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने पशुपालन विभाग का प्रभार मंत्री लखन पटेल से वापस ले लिया है। देर रात जारी गजट अधिसूचना के अनुसार अब उनके पास सिर्फ आनंद विभाग रहेगा। सरकार की ओर से विभाग वापस लेने के पीछे फिलहाल कोई आधिकारिक कारण सार्वजनिक नहीं किया गया है।

यही वजह है कि राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में इस फैसले को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं, मंत्री लखन पटेल ने भी इस पूरे घटनाक्रम पर कहा कि विभाग देना और लेना मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है। मुझे नहीं पता कि मुझसे यह विभाग क्यों वापस लिया। मुख्यमंत्री ने पशुपालन विभाग अपने पास रखा है। साथ ही यह भी माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में मंत्रिमंडल या विभागों के प्रभार में कुछ और बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

गोशालाओं के लिए जमीन आवंटन मुसीबत बना

सूत्रों के अनुसार, मध्य प्रदेश में स्वावलंबी गोशालाएं शुरू होनी थीं। इनके लिए चुनी गई कई संस्थाओं की स्थिति से सरकार संतुष्ट नहीं थी। इसके बावजूद विभागीय अधिकारियों और मंत्री की सहमति से उन्हें काम देने की तैयारी की जा रही थी। पिछले तीन-चार महीने से सीएम इस मुद्दे पर मंत्री को कई बार समझा चुके थे। स्वावलंबी गोशालाओं के लिए, संस्थाओं को जमीन आवंटन के मामले की शिकायत संघ और बीजेपी के राष्ट्रीय नेतृत्व तक पहुंची थी। सूत्रों के अनुसार, इसके बाद यह बड़ा फैसला लिया गया है।

मुख्यमंत्री के पास पशुपालन समेत अब 11 विभाग

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास सामान्य प्रशासन, गृह, जेल, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, जनसंपर्क, नर्मदा घाटी विकास, विमानन, खनिज साधन, लोक सेवा प्रबंधन, प्रवासी भारतीय, पशुपालन एवं डेयरी विभाग समेत वे सभी विभाग रहेंगे, जो किसी अन्य मंत्री को नहीं सौंपे गए हैं। इस तरह मुख्यमंत्री के पास अब 11 विभाग हो गए हैं। हालांकि नोटिफिकेशन में वन विभाग का जिक्र नहीं है।

पांच दिवसीय मानसून सत्र में क्या लिए जा सकेंगे पूरे सवाल?

-अनुपूरक बजट होगा पेश, 1,642 सवालों के जवाब देगी सरकार;
-विपक्ष ने की पेपर लीक, किसानों और कानून-व्यवस्था पर घेराबंदी की तैयारी

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 24 जुलाई 2026 तक चलेगा। पांच दिनों के इस सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण विधायी और वित्तीय कार्यों को पूरा करने की तैयारी में है, जबकि विपक्ष ने भर्ती परीक्षाओं में अनियमितता, पेपर लीक, किसानों की समस्याओं, स्वास्थ्य सेवाओं और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है। ऐसे में सवाल किया जा रहा है कि इस सीमित दिनों वाले सत्र में लगाए गए सभी पश्नों के जवाब सरकार दे पाएगी? राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से इस बार का सत्र काफी अहम माना जा रहा है। विधानसभा सचिवालय के अनुसार इस सत्र के लिए विधायकों द्वारा कुल 1,642 प्रश्न लगाए गए हैं। इनमें 841 तारांकित और 801 अतारांकित प्रश्न शामिल हैं। इन प्रश्नों के समयबद्ध और तथ्यात्मक उत्तर सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विभागों ने अपने-अपने नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करने का काम किया है। ये अधिकारी सत्र के दौरान संबंधित मंत्रियों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएंगे, ताकि सदन में पूछे जाने वाले प्रश्नों का सटीक और प्रामाणिक जवाब दिया जा सके। बहरहाल विशेषज्ञ यही सवाल कर रहे हैं कि महज 5 दिन के इस सत्र में डेढ़ हजार से अधिक महत्वपूर्ण सवालों के जवाब सरकार क्या वाकई दे पाएगी?

20 से 23 जुलाई तक रहेगा व्यस्त कार्यक्रम

जानकारी अनुसार सत्र के पहले चार दिनों यानी 20 से 23 जुलाई तक प्रतिदिन प्रश्नकाल आयोजित होगा। इसके बाद शासकीय कार्यों पर चर्चा की जाएगी और विभिन्न विभागों से जुड़े विषयों पर सदन में विचार-विमर्श होगा। इसी दौरान राज्य सरकार चालू वित्तीय वर्ष का पहला अनुपूरक बजट भी विधानसभा में प्रस्तुत करेगी, जिसे पारित कराने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। जबकि सत्र के अंतिम दिन 24 जुलाई को भी प्रश्नकाल के साथ ही अशासकीय संकल्पों पर भी चर्चा कराए जाने की बात कही गई है।

मप्र में पिछले 4 महीने से नहीं बंटा टेक होम राशन

-मध्य प्रदेश के 7 पोषण आहार संयंत्र बंद

भोपाल। एक तरफ मध्य प्रदेश में कुपोषण के आंकड़े डराने वाले और चिंताजनक हैं वहीं दूसरी तरफ मध्य प्रदेश में पिछले 4 महीने से ज्यादा वक्त से टेक होम राशन की व्यवस्था ठप पड़ी हुई है। मध्य प्रदेश में 7 पोषण आहार संयंत्र स्थापित किए गए हैं, जहां टेक होम राशन तैयार किया जाता है। लेकिन पिछले कई महीनों से ये पूरी तरह बंद पड़े हैं। ऐसे में आंगनबाड़ी केंद्रों द्वारा गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली महिलाओं और 6 महीने से 3 साल तक के बच्चों को दिए जाने वाला टेक होम राशन नहीं दिया जा रहा है, जबकि नेशनल फैमिली हैल्थ सर्वे-6 के आंकड़ों के अनुसार कम वजन और दुबले बच्चों के मामले में मध्य प्रदेश का पहला नंबर है।

एकीकृत बाल विकास सेवाओं के अंतर्गत आंगनबाड़ी से गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली महिलाओं और 6 महीने से 3 साल तक के बच्चों को पौष्टिक सामग्री घर के लिए दी जाती है। जिनमें अलग-अलग राज्य अपने यहां के खानपान और उपलब्धता के आधार पर व्यवस्था करते हैं। टेक होम राशन में अरहर, मूंग और चना की दाल करीब 800 ग्राम, फोर्टिफाइड तेल, न्यूट्रीशन पाउडर, गुड़, भुनी हुई मूंगफली, काबुली चना और अंडे के साथ गेंहू और चावल भी दिया जाता है। यह राशन राज्य सरकार का महिला बाल विकास विभाग या पंचायत विभाग स्वयं सहायता समूह की मदद से तैयार करवाता है। इसके लिए मध्य प्रदेश में 7 संयंत्र भी स्थापित किए गए हैं।

पिछले 4 महीनों से बंद है टेक होम राशन

टेक होम राशन की बात करें, तो मध्य प्रदेश में ये व्यवस्था पिछले 4 महीने से पूरी तरह बंद है। फरवरी माह के बाद मध्य प्रदेश में टेक होम राशन नहीं बंटा है। सागर में पोषण आहार संयंत्र स्थापित है लेकिन यहां 26 फरवरी से टेक होम राशन की व्यवस्था पूरी तरह ठप है। इस मामले में सागर के महिला एवं बाल विकास विभाग के संचालक ने पोषण आहार संयंत्र के सीईओ को पत्र लिखकर अवगत भी कराया था। 15 मई को उन्होंने पत्र लिखकर बताया था कि पिछले 26 फरवरी से सागर संभाग में टेक होम राशन का वितरण बंद है। बताया जा रहा है कि सागर की तरह पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था ठप है।

कम वजन और दुबले बच्चों के मामले में मध्य प्रदेश देश में नंबर वन

मध्य प्रदेश में कुपोषण की बात करें, तो नेशनल फैमिली हैल्थ सर्वे-6 के मुताबिक मध्य प्रदेश बच्चों के कम वजन और दुबलेपन के मामले में देश में सबसे आगे है। मध्य प्रदेश में 23.8 प्रतिशत बच्चे ऐसे हैं, जिनका वजन उनकी लंबाई के अनुपात में बहुत कम है। कम वजन के मामले में करीब 39.7 प्रतिशत बच्चे उम्र के हिसाब से कम वजन के हैं। एनीमिया के मामले में राज्य में 57 प्रतिशत से अधिक महिलाएं खून की कमी (एनीमिया) का शिकार हैं।

अधिकारियों को कराया जा चुका है अवगत

सागर के महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला परियोजना अधिकारी भरत सिंह राजपूत कहते हैं कि यह सही बात है कि लंबे समय से हमें टेक होम राशन नहीं मिल रहा है। इसके बारे में हम वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा चुके हैं। टेक होम राशन गर्भवती, स्तनपान कराने वाली महिलाएं और 6 महीने से 3 साल के बच्चों को बंद पैकेट में घर पर पहुंचाया जाता है। जहां तक विकल्प की बात है, तो हम संचालनालय और वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा चुके हैं। जैसे निर्देश होंगे, वैसा काम किया जाएगा।

महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन मॉडल अन्य राज्य अपनाएंगे

भोपाल। भारत सरकार के निर्भया कोष के सहयोग और मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के माध्यम से प्रदेश में चलाई जा रही महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना को अब देश के अन्य राज्य भी अपनाएंगे। एक मूल्यांकन में प्रदेश का ये मॉडल बेहतर रहा था। प्रदेश के इस मॉडल का उद्देश्य पर्यटन स्थलों पर महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करने के साथ-साथ उन्हें पर्यटन संबंधी उद्यमों में रोजगार स्वरोजगार से जोड़ने और आजीविका के अवसरों से जोड़ना है।

इस मॉडल के तहत प्रदेशभर की महिलाओं को आत्मरक्षा, आतिथ्य सत्कार, डिजिटल कौशल सहित पर्यटन स्थल प्रशासन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि महिलाएं पर्यटन स्थल पर महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल तैयार करने के साथ ही खुद के रोजगार के असवर पैदा कर सके। पर्यटन सखियां प्रदेश के कुछ राष्ट्रीय उद्यानों में गाइड बनकर भी कमाई कर रही हैं, तो ओंकारेश्वर, महेश्वर और भेड़ाघाट में नौकाएं चला रही हैं। पर्यटन सखियां इंदौर और इंदौर के आसपास लगे पर्यटन स्थलों पर भी काम कर रही हैं। प्रदेशभर में इसका जिम्मा एनजीओ को मिला हुआ है, जो रीजन के अनुसार क्षेत्र में काम कर रहे हैं। इंदौर रीजन के अंतर्गत इंदौर और आसपास, चोरल, ओंकारेश्वर शामिल हैं, जहां पर्यटन सखियां खाना बनाने से लेकर, ई-रिक्शा चलाना, गाइड करना जैसे कई काम कर रही हैं। यहां भी 5 हजार से अधिक को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

उत्तराखंड-महाराष्ट्र ने मॉडल को अपनाना शुरू कर दिया

अधिकारियों के मुताबिक, हाल ही में इस मॉडल को भोपाल यात्रा के दौरान यूएस वुमन इंडिया की कंट्री रिप्रेजेंटेटिव शोको इशिकावा ने भी सराहा था। उत्तराखंड और महाराष्ट्र ने इस मॉडल को अपनाना शुरू कर दिया है और अन्य राज्य भी तैयारी कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश की लगभग 40 हजार युवतियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उज्जैन की युवतियों ने लाठी कला सहित विभिन्न आत्मरक्षा तकनीकों को सीखा है।

ओंकारेश्वर में 'स्टोरी टेलर'

पर्यटन सखियां ओंकारेश्वर में न केवल नाव चला रही हैं, बल्कि कई तरह की प्रतिमाएं और सजावटी सामान भी तैयार कर रही हैं। खासकर एकात्म धाम तथा स्टेच्यू ऑफ वननेस की रेप्लिका तैयार हो रही है, जो विभिन्न अवसरों पर स्मृति-चिह्न (सॉवेनियर) के रूप में भेंट की जाती है। पर्यटन सखियां मंदिर में सुरक्षा गार्ड की भूमिका में भी है, साथ ही यहां की बेटियां क्षेत्र की पहली 'स्टोरी टेलर' के रूप में श्रद्धालुओं और पर्यटकों को ओंकारेश्वर के धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन स्थलों की जानकारी देकर भ्रमण में सहयोग करती हैं। आवश्यकता पड़ने पर वे व्हीलचेयर केयरगिवर्स के रूप में दिव्यांगजनों एवं बुजुर्ग श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराने की जिम्मेदारी भी निभाती हैं।

संपदा 2.0 - डिजिटल दावा, हकीकत में परेशानी

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा संपत्ति पंजीयन को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से शुरू हुआ संपदा 2.0 पोर्टल फिलहाल जनता के लिए बड़ी परेशानी का सबक बना है। विशेष रूप से, वर्ष 2015 से पहले की रजिस्ट्रियों की ऑनलाइन खोज तकनीकी खामियों और डेटा अपडेट न होने के कारण एक चुनौती बन गई है। पोर्टल पर ओटीपी नहीं आने, सर्वर बार-बार बंद होने और जियो-टैगिंग में गलत लोकेशन दिखने जैसी समस्याएं पंजीयन कार्य को बाधित कर रही हैं। इन समस्याओं के चलते, लोगों को राहत के नाम पर उपलब्ध सर्च एंड सर्टिफिकेड कॉपी सुविधा के बावजूद रजिस्ट्रार कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। पोर्टल लांच के समय किए गए पूर्ण ऑनलाइन पंजीयन और विदेश से भी सुविधा के दावों के विपरीत, यह फिलहाल केवल वसीयत जैसे सीमित मामलों में ही प्रभावी है। इन तकनीकी गड़बड़ियों से नाराज पंजीयन कार्यालयों से जुड़े अधिवक्ताओं ने वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर तत्काल समाधान की मांग की है।

मिक्स्ड लैंड यूज नियमों में बदलाव करने की तैयारी में एमपी सरकार

नए नियमों से खुलेंगे अस्पताल, होटल और उद्योग

भोपाल । मध्य प्रदेश सरकार अपने लैंड यूज नियमों में एक बड़ा और महत्वपूर्ण बदलाव करने की तैयारी में है। नए नियमों के तहत अब केवल प्रतिबंधित गतिविधियों की एक लिस्ट जारी की जाएगी, जिसका मतलब है कि जिन कामों पर रोक नहीं है, उन सभी को आवासीय क्षेत्रों में संचालित करने की अनुमति मिल सकेगी। इस नए ड्राफ्ट फ्रेमवर्क के लागू होने से नए प्रोजेक्ट्स की आवासीय कॉलोनियों में अस्पताल, होटल, कोचिंग सेंटर और रेस्त्रां के साथ-साथ प्रदूषण न फैलाने वाले छोटे उद्योगों को भी स्थापित किया जा सकेगा।

यह बदलाव केवल नए विकसित होने वाले क्षेत्रों (ग्रीन फील्ड एरिया) पर ही प्रभावी होगा और पहले से बसे हुए इलाकों या पुरानी कॉलोनियों के स्वीकृत लेआउट में कोई फेरबदल नहीं करेगा। हालांकि, शहरी योजनाकारों ने इस नीति पर चिंता जताई है। इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स इंडिया, मप्र के सचिव सुमित गोठी ने चेतावनी दी है कि बिना किसी स्पष्ट और कड़े मानकों के आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति देने से शहरी अव्यवस्था बढ़ेगी, कॉलोनियों की शांति भंग होगी और नियोजित विकास पर बुरा असर पड़ेगा।

पदोन्नति, कैडर रिव्यू और अन्य लंबित मांगों को लेकर हड़ताल पर पटवारी

17 जुलाई तक सामूहिक अवकाश पर; 5 दिन प्रभावित रहेंगे राजस्व कार्य

भोपाल। मध्य प्रदेश पटवारी संघ ने पदोन्नति, कैडर रिव्यू और अन्य लंबित मांगों को लेकर बुधवार से तीन दिवसीय आंदोलन शुरू कर दिया है। 15 से 17 जुलाई तक प्रदेशभर के पटवारी सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। इसके बाद 18 और 19 जुलाई को शासकीय अवकाश होने से लगातार पांच दिन राजस्व संबंधी कार्य प्रभावित रहने की आशंका है।

मध्य प्रदेश पटवारी संघ ने सभी जिलों के पटवारियों से एकजुट होकर आंदोलन में भाग लेने की अपील की है। संघ का कहना है कि वर्षों से लंबित मांगों के समाधान के लिए शासन स्तर पर लगातार पत्राचार और आग्रह किए गए, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया।

कैडर रिव्यू और पदोन्नति प्रमुख मांगें

संघ के अनुसार उनकी प्रमुख मांगों में कैडर रिव्यू, नियमित पदोन्नति और अन्य सेवा संबंधी लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण शामिल है। पटवारियों का कहना है कि इन मांगों के पूरा होने से न केवल कर्मचारियों को लाभ मिलेगा, बल्कि राजस्व प्रशासन की कार्यक्षमता भी बेहतर होगी। पटवारी 15 से 17 जुलाई तक सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। इसके बाद 18 और 19 जुलाई को सरकारी अवकाश होने के कारण लगातार पांच दिन तक नामांतरण, सीमांकन, नक्शा, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र से जुड़े राजस्व कार्यों सहित अन्य सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

अधिकारों की लड़ाई, टकराव नहीं

पटवारी संघ का कहना है कि यह आंदोलन किसी टकराव के उद्देश्य से नहीं किया जा रहा है। इसका मकसद सरकार तक कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों को प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। संघ का कहना है कि समयबद्ध पदोन्नति और कैडर रिव्यू लागू होने से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा और आम नागरिकों को मिलने वाली राजस्व सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

दिसंबर तक 10 जिलों के मास्टर प्लान होंगे प्रकाशित, बड़वानी जारी; खंडवा-रतलाम का ड्राफ्ट तैयार

भोपाल। मध्यप्रदेश में शहरी विकास की दिशा तय करने के लिए नगर एवं ग्राम निवेश (टीएंडसीपी) विभाग ने मास्टर प्लान तैयार करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। दिसंबर 2026 तक प्रदेश के 10 जिलों के मास्टर प्लान का प्रकाशन हो जाएगा। बड़वानी का मास्टर प्लान प्रकाशित हो चुका है। जबकि खंडवा और रतलाम के ड्राफ्ट तैयार हैं। जल्द ही इन्हें प्रकाशित किया जाएगा।

टीएंडसीपी द्वारा सैटेलाइट और ड्रोन सर्वे के आधार पर नए मास्टर प्लान तैयार किए जा रहे हैं। इनमें आवासीय, व्यावसायिक और औद्योगिक क्षेत्रों का निर्धारण, नई सड़कों, बाजारों, मॉल, हरित क्षेत्रों तथा सार्वजनिक सुविधाओं के लिए भूमि आरक्षित करने की प्रक्रिया जोरों पर है। शहरों के विस्तार, ट्रैफिक प्रबंधन, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण को भी मास्टर प्लान में प्राथमिकता दी जा रही है।

विभाग के अनुसार खंडवा, रतलाम के अलावा विदिशा, सीहोर, रीवा, कटनी, शाजापुर, नरसिंहपुर और शहडोल सहित कई जिलों के मास्टर प्लान अंतिम चरण में हैं। महानगरीय क्षेत्र (मेट्रोपॉलिटन रीजन) की अवधारणा को ध्यान में रखते हुए भोपाल-इंदौर के बाद अन्य शहरों के विकास की दिशा भी तय की जा रही है।

अधिकारियों का कहना है, जैसे-जैसे सर्वे और तकनीकी परीक्षण पूरे होंगे। शेष जिलों के मास्टर प्लान भी क्रमवार प्रकाशित किए जाएंगे।

सबसे कम उम्र की सांसद संजना दतिया में करेंगी चुनाव प्रचार

भोपाल। कांग्रेस ने दतिया उपचुनाव के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। सूची में राजस्थान के भरतपुर से सांसद और वर्ष 2024 में सबसे कम उम्र की महिला सांसद चुनी गई संजना जाटव को भी प्रमुख जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी ने उन्हें स्टार प्रचारकों की सूची में प्रमुख स्थान दिया है। सूची में कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, जीतू पटवारी, हरीश चौधरी, कांतिलाल भूरिया, उमंग सिंघार, अजय सिंह और अरुण यादव सहित कई वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल हैं। इसके अलावा युवा नेताओं को भी प्रचार अभियान में जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नोटिस से भड़कीं निधि चतुर्वेदी, संगठन प्रभारी से बोलीं

अपनी हैसियत बताओ, वरना कोर्ट में मिलेंगे

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस में अनुशासन और लेटर वॉर का एक ऐसा मजेदार और हाई-वोल्टेज ड्रामा शुरू हो गया है, जिसने गुटबाजी को एक बार फिर उजागर कर दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पर सोशल मीडिया पर की गई एक विवादित टिप्पणी को लेकर शुरू हुआ यह बवाल अब सीधे मानहानि के मुकदमे तक पहुंच गया है। कांग्रेस के प्रदेश महासचिव निधि चतुर्वेदी ने खुद को मिले कारण बताओ नोटिस पर अपनी ही पार्टी के संगठन प्रभारी और महासचिव संजय कांबले के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

दरअसल निधि चतुर्वेदी को अनुशासनहीनता का नोटिस मिला तो उन्होंने बैकफुट पर जाने के बजाय सीधे फ्रंट फुट पर आकर करारा पलटवार कर दिया। निधि चतुर्वेदी ने संगठन प्रभारी संजय कांबले को लिखे पत्र में सीधे पूछा है कि आपने किस विधिक और संवैधानिक हैसियत से मुझे यह नोटिस जारी किया है? आपका पद और मेरा पद संगठन में बिल्कुल बराबर है, इसलिए आपको मुझे नोटिस देने का कोई अधिकार नहीं है। सोशल मीडिया पर क्यों चमके? महासचिव ने आरोप लगाया कि संगठन ने इस नोटिस को उन्हें व्यक्तिगत रूप से देने के बजाय जानबूझकर सोशल मीडिया पर वायरल किया, ताकि जनता और पार्टी के बीच उनकी छवि को खराब किया जा सके।

7 दिन का अल्टीमेटम, वरना कोर्ट में मुलाकात!

कांग्रेस की महिला नेत्री अब आर-पार के मूड में हैं और उन्होंने सीधे अपनी ही पार्टी के प्रभारी को कानूनी शिकंजे में कसने की तैयारी कर ली है। निधि ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि संजय कांबले इस पूरे घटनाक्रम पर अगले 7 दिनों के भीतर लिखित में स्पष्टीकरण दें। उन्होंने दो टूक कहा है कि अगर तय समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो वे छवि धूमिल करने के आरोप में अपने ही संगठन प्रभारी के खिलाफ कोर्ट में मानहानि का केस दर्ज कराएंगी। मध्य प्रदेश कांग्रेस में बयानों का यह 'गृहयुद्ध' नया नहीं है लेकिन महासचिव स्तर के नेताओं का इस तरह सरेआम एक-दूसरे को अदालत खींचने की धमकी देना दिखाता है कि संगठन में तालमेल की भारी कमी है। अब देखना यह है कि इस 'लेटर वॉर' पर पीसीसी चीफ और आलाकमान क्या रुख अख्तियार करता है!

नर्मदा का पानी 17 साल बाद पहुंचेगा विंध्य

भोपाल। विंध्य क्षेत्र तक नर्मदा का पानी पहुंचाने की दिशा में 17 वर्षों से चल रहे इंतजार का बड़ा चरण पूरा हो गया है। बरगी डायवर्जन परियोजना के तहत स्लीमनाबाद में 11.95 किलोमीटर लंबी देश की सबसे बड़ी वॉटर टनल का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। मंगलवार को टनल के अंतिम हिस्से में सफल ब्रेकथ्रू होने के साथ परियोजना की सबसे बड़ी तकनीकी बाधा दूर हो गई। यह टनल बरगी बांध से नर्मदा का पानी रीवा, सतना, मैहर, पन्ना और कटनी जैसे विंध्य क्षेत्र के जिलों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगी।

7000 करोड़ का बजट, फिर भी 1895 स्कूलों में टीचर नहीं

मप्र की सरकारी शिक्षा व्यवस्था पर कैग की रिपोर्ट को लेकर हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को जारी किया नोटिस

भोपाल। मध्य प्रदेश की सरकारी शिक्षा व्यवस्था पर कैग की रिपोर्ट ने ऐसे सवाल खड़े किए हैं, जिनका जवाब अब सरकार को हाई कोर्ट में देना होगा। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया व न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने 2025 की नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) रिपोर्ट के आधार पर दायर इंदौर के अधिवक्ता सौरभ त्रिपाठी की जनहित याचिका को बेहद गम्भीरता से लिया है। इस सिलसिले में राज्य शासन सहित संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। दरअसल, इस जनहित याचिका में आरोप लगाया गया है कि 7,165 करोड़ रुपये से अधिक के बजट के बावजूद प्रदेश के 1,895 सरकारी स्कूल बिना एक भी शिक्षक के चल रहे हैं, जबकि दूसरी ओर बिना विद्यार्थियों वाले स्कूलों में शिक्षक पदस्थ हैं। कोर्ट ने मामले को जनहित और बच्चों के शिक्षा के अधिकार से जुड़ा गंभीर मुद्दा मानते हुए सरकार से विस्तृत जवाब मांगा है।

435 स्कूल ऐसे हैं जहां एक भी विद्यार्थी नहीं

इस जनहित याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2018 से 2023 के बीच 66,814 सरकारी स्कूलों के ऑडिट में शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठे हैं। रिपोर्ट के अनुसार 1,895 स्कूलों में एक भी शिक्षक पदस्थ नहीं है। इसके विपरीत 435 स्कूल ऐसे मिले, जहां एक भी छात्र नहीं है, लेकिन शिक्षक तैनात हैं। इतना ही नहीं, 85 स्कूलों में स्वीकृत पद नहीं होने के बावजूद 128 शिक्षकों को वेतन दिया जा रहा है। ज्ञानवयाचिका में यह भी कहा गया है कि शिक्षक प्रशिक्षण के लिए 7,165.09 करोड़ रुपये का प्रावधान होने के बावजूद पांच वर्षों में सिर्फ 35.71 करोड़ रुपये खर्च किए गए। ग्रामीण क्षेत्रों में 28.32 प्रतिशत शिक्षक पद रिक्त हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 3.46 प्रतिशत है। शिक्षा व्यवस्था की यह अव्यवस्था परीक्षा परिणामों में भी दिखाई दी और हाई स्कूल का उत्तीर्ण प्रतिशत 67.74 से घटकर 38.53 प्रतिशत रह गया। हाई कोर्ट ने राज्य शासन को नोटिस जारी कर शिक्षक नियुक्तियों, बजट के उपयोग, कैग रिपोर्ट में दर्ज अनियमितताओं और शिक्षा के अधिकार पर उठाए गए सवालों का जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

दूसरा एकदिवसीय जीतकर सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी भारतीय टीम

कार्डिफ । भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच को जीतकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले एकदिवसीय में शानदार गेंदबाजी और बल्लेबाजी कर 6 विकेट से जीत हासिल की थी जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। पहले एकदिवसीय में कप्तान शुभमन गिल के साथ ही अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर ने भी अच्छा प्रदर्शन किया था। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ओर रोहित शर्मा पहले एकदिवसीय में विफल रहे थे उनका लक्ष्य इस मैच में अच्छे रन बनाना रहेगा। कप्तान शुभमन गिल की फिटनेस को लेकर हालांकि कुछ आशंकाएं हैं। उन्हें पहले एकदिवसीय में मांसपेशियों में खिंचाव आया था।

भारत के लिए एक अच्छी बात यह रही कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने वापसी कर ली है। आगामी एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए टीम के लिए ये जरुरी थी।

एजबेस्टन में मिली जीत के बाद गिल ने संकेत दिया था कि प्रबंधन मेंट हालात के हिसाब से अलग-अलग संयोजन अपनाएगा। । सोफिया गार्डन्स की पिच पर अक्सर अच्छा उछाल और कैरी मिलता है, जिससे तेज गेंदबाजों की भूमिका अहम हो जाती है। ऐसे में गुरनूर बरार की जगह अनुभवी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को टीम में शामिल कर सकता है।

वहीं स्पिनर कुलदीप यादव को भी इस मैच में अवसर मिल सकता है। पिछले मैच में शिवम दुबे और वॉशिंगटन, दोनों ने ही अच्छा प्रदर्शन किया था, इसलिए उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ एक और मौका मिल सकता है।

वहीं हैरी ब्रूक की कप्तानी में मेजबान इंग्लैंड पहले मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी में दबाव में दिखी थी। उसका लक्ष्य इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी कर जीत के साथ ही सीरीज में वापसी करना रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत - शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव।

इंग्लैंड - हैरी ब्रूक (कप्तान), बेन डकेट, जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जो रूट, जैकब बेथेल, विल जैक्स, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जेम्स कोल्स, सैम करन, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, जोश टंग, साकिब महमूद, आदिल राशिद।

भारत- इंग्लैंड मैच में नजर आयीं कृति सेनन

लंदन। भारत और इंग्लैंड के बीच एजबेस्टन में हुए पहले एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भारतीय टीम का हौंसला बढ़ाने अभिनेत्री कृति सेनन भी पहुंची थी। इस दौरान उनके साथ ब्रिटिश कारोबारी कबीर बहिया भी मौजूद थे, जिनके साथ उनके रिश्ते की खबरें लंबे समय से चर्चा में हैं। दोनों की तस्वीरों सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई हैं।

मैच के दौरान कबीर बहिया ने सोशल मीडिया में कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें कृति सेनन, कबीर और उनका एक दोस्त स्टेडियम के स्टैंड्स में नजर आ रहे थे। वहीं, कृति ने भी कुछ खास पलों को अपने प्रशंसकों के साथ साझा किया। इन तस्वीरों के अलावा, स्टेडियम में मौजूद कृति की कई अन्य तस्वीरें भी सोशल मीडिया में आई हैं। कृति सेनन और कबीर बहिया के अफेयर की चर्चाएं पहली बार तब शुरू हुई जब अभिनेत्री के 34वें जन्मदिन के मौके पर दोनों का नाम एक साथ जोड़ा गया। इसके बाद कई मौकों पर दोनों को एक साथ देखा गया, जिससे इन अफवाहों को बल मिलता रहा। हाल ही में कबीर बहिया, कृति की बहन नूपुर सेनन की शादी में भी शामिल हुए थे, जहां उनकी मौजूदगी ने इन अफवाहों को और भी ज्यादा हवा दे दी थी।

सचिन-रोहित के पचास ओवर तक बल्लेबाजी करने के रिकार्ड की बराबरी नहीं कर पाये शुभमन

एजबेस्टन। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल के इंग्लैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में एक बार फिर पचास ओवर नहीं खेल पाये। आज तक ये उपलब्धि केवल भारत के सचिन तेंदुलकर और रोहित शर्मा के नाम है।

शुभमन इसके बेहद करीब पहुंचकर भी पूरा नहीं कर पाये। वह 49वें ओवर में आउट होकर पेवेलियन लौट गये। सबसे पहले सचिन तेंदुलकर ने साल 2010 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ग्वालियर में पहली गेंद से लेकर 50वें ओवर तक बल्लेबाजी की थी और एकदिवीसय इतिहास का पहला दोहरा शतक 200 रन बनाये थे। वहीं ये उपलब्धि रोहित के नाम भी है। रोहित ने साल 2014 में श्रीलंका के खिलाफ कोलकाता के ईडन गार्डन्स में 264 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली थी। वह पारी की शुरुआत करने आए और 50वें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट होने से पहले तक क्रीज पर डटे रहे थे। वहीं अब शुभमन गिल ने भी इंग्लैंड के खिलाफ 80 रनों की अच्छी पारी खेली पर वह 49 ओवर में आउट होने के कारण सचिन और रोहित के साथ शामिल नहीं हो पाये। बतौर ओपनर पहली गेंद से गेंदबाजों का सामना करना और अंत तक विकेट बचाये रखने के लिए गहन एकाग्रता के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस की जरुरत होती है। पचास ओवर तक लगातार दौड़ना, अत्यधिक उमस भरे माहौल में भी एकाग्रता बनाये रखना और खेल के हर चरण में अपनी रणनीति को अनुकूल बनाना। ये सभी गुण ही एक बल्लेबाज को 50 ओवर तक बल्लेबाजी करने में सक्षम बनाते हैं। शुरुआत में संभलकर खेलना और आखिरी ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी करने की कला इस रिकॉर्ड के लिए बेहद जरूरी है।

एकदिवसीय में टाइमिंग पर अधिक ध्यान देने से सफलता मिली - अक्षर

एजबेस्टन। इंग्लैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय क्रिकेट मैच में ऑलराउंड प्रदर्शन कर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले अक्षर पटेल ने अब इसका राज बताया है। अक्ष्रर इससे पहले हुई टी20 सीरीज में विफल रहे थे। वहीं पहले ही एकदिवसीय में उन्होंने चार विकेट लेने के साथ ही 57 रन भी बना दिये। इसी को लेकर अक्षय ने अब खुलासा किया है। अक्षर ने कहा है कि टी20 सीरीज के दौरान उनका ध्यान गेंद पर जोर से प्रहार करने पर अधिक था जबकि एकदिवसीय में उन्होंने अपनी रणनीति बदलते हुए टाइमिंग पर ही अधिक ध्यान दिया। उनका यह फैसला सही साबित हुआ। उन्होंने पहले 9.5 ओवरों में सिर्फ 34 रन देकर चार महत्वपूर्ण विकेट लिए। इसके बाद बल्लेबाजी के दौरान 52 गेंदों में नाबाद 57 रन की शानदार पारी खेली

इस ऑलराउंडर ने कहा, मेरे लिए इस तरह का प्रदर्शन करना बेहद जरूरी था। मैं लगातार प्रयास कर रहा था। जहां तक मेरी मानसिकता की बात है, तो मुझे यह सोचने के बजाय कि सब कुछ अपने आप हो जाएगा, एकाग्र रहना था। मुझे अपने पर भरोसा रखना था और अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल करना था। उन्होंने स्पष्ट किया, मुझे लगता है कि टी20 मैचों में मैं गेंद पर कुछ ज्यादा ही जोर से प्रहार करने की कोशिश कर रहा था। जब आप

डेथ ओवरों में बल्लेबाजी करने जाते हैं तो आपके पास बड़े शॉट लगाने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता, इस कारण मेरी लय खो गयी थी।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में अक्षर पटेल केवल 19 रन बना पाए थे। इसी को देखते हुए उन्होंने एकदिवसीय में अपनी रणनीति में बदलाव किया और सही टाइमिंग से शॉट खेलने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने साथ ही कहा मैं गेंद को ज्यादा जोर से मारने की कोशिश नहीं कर रहा था क्योंकि मुझे पता था कि मेरे पास समय है। मैं कुछ गेंदों को आराम से खेल सकता हूं। मैं अपनी टाइमिंग पर ध्यान दे रहा था। इस तरह की विकेट पर जब आप हालातों को अच्छी तरह से समझ लेते हैं तो फिर आप रन बना सकते हैं। अक्षर ने अपनी बल्लेबाजी रवैये को लेकर कहा, इस तरह की विकेट पर मुझे लगता है कि क्रीज पर कुछ समय बिताना बहुत महत्वपूर्ण था। ऐसी विकेटों पर आप आते ही उछलती हुई गेंदों पर शॉट नहीं खेल सकते। आपको स्वयं को जमने के लिए थोड़ा

अक्षर ने युवराज का एक रिकार्ड तोड़ा

एजबेस्टन। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय मुकाबले में गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने के दौरान ही पूर्व ऑलराउडर युवराज सिंह का एक रिकार्ड तोड़ दिया। अक्षर ने इस मैच में 4 विकेट लेने अलावा नाबाद 57 रन भी बनाये।

इस दोहरे प्रदर्शन के साथ अक्षर एकदिवसीय क्रिकेट में 4 या उससे अधिक विकेट लेने और 50 से अधिक रन बनाने वाले सबसे उम्रदराज भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। 32 साल 175 दिन की उम्र में उन्होंने यह कारनामा कर दिखाया, इससे पहले ये उपलब्धि युवराज ने 2011 विश्व कप में आयरलैंड के खिलाफ 5 विकेट और 50 रन बनाकर हासिल की थी। तब उनकी उम्री 32 साल 175 थी। अक्षर ने अपने इस प्रदर्शन के साथ ही कई और रिकार्ड भी बनाये है। अब वह इंग्लैंड की धरती पर मेजबानों के खिलाफ एकदिवसीय मैच में 4 विकेट लेने और अर्धशतक लगाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं, उनसे पहले यह कारनामा केवल हार्दिक पांड्या और न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र ने किया था। एकदिवसीय क्रिकेट के 54 साल के इतिहास में इंग्लैंड में 500 से अधिक मैच खेले गए हैं पर केवल 10 खिलाड़ी ही ऐसे रहे हैं जिन्होंने एक ही मैच में 4 या उससे ज्यादा विकेट के साथ अर्धशतक भी लगाया है, और अक्षर पटेल इन्ही में से एक हैं।

सेमीफाइनल में स्पेन के हाथों हार से बाहर हुई फ्रांस

डलास। फ्रांस की टीम फीफा विश्वकप फुटबॉल में यहां हुए पहले सेमीफाइनल मुकाबले में स्पेन के हाथों 0-2 से करारी हार के साथ ही बाहर हो गयी है। इसी के साथ ही फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे का लगातार तीसरी बार विश्व कप फाइनल खेलने का सपना टूट गया है। फ्रांस की हार का कारण एमबाप्पे बने जबकि सभी को उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी पर वह लय में नहीं दिखे। एमबाप्पे टीम के लिए सबसे कमजोर कड़ी साबित हुए। सेमीफाइनल में उनका प्रदर्शन उनके कद के अनुरूप बिल्कुल नहीं रहा जबकि वह अभी भी गोल्डन बूट की रेस में बने हुए हैं।

इस पूरे मुकाबले के दौरान, एमबाप्पे जिस गति और तेजी के लिए जाने जाते हैं। वह नहीं दिखी। पहले हाफ में, उन्होंने सभी फॉरवर्ड खिलाड़ियों में सबसे कम, केवल 15 बार ही गेंद हासिल कर सके। यह उनके जैसे खिलाड़ी के लिए काफी कम था जिस पर टीम के आक्रमण की जिम्मेदारी थी। मैच में उन्हें 67वें मिनट में अवसर मिला पर उनका शॉट स्पेन के डिफेंडर मार्क कुकुरेला से टकराकर थोड़ा बाहर चला गया। हालांकि, उस समय तक फ्रांस पहले ही दो गोल से पीछे हो गय था। जिससे यह मौका भी पर्याप्त नहीं कहा जा सकता था।

एमबाप्पे को 86वें मिनट में पीला कार्ड भी दिखाया गया, तब वह स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन से टकरा गए। सिमोन झुककर गेंद उठाने की कोशिश कर रहे थे, और एमबाप्पे की तेजी के कारण दोनों के बीच टक्कर हुई, जिससे सिमोन मैदान पर गिर गए। यह घटना मैदान पर उनकी बढ़ती निराशा और मैच में असफलता को दिखाती है। इससे पहले मोरक्को के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में उन्हें 77वें मिनट में मैदान से बाहर कर दिया गया था, हालांकि उस मैच में उन्होंने टूर्नामेंट का अपना आठवां गोल जरूर किया था, जिससे उनका गोल्डन बूट की दौड़ में बने रहना सुनिश्चित हुआ। अब फ्रांस शनिवार को फ्लोरिडा के मियामी गार्डन्स में तीसरे स्थान के मुकाबले में दूसरे सेमीफाइनल में हारने वाली टीम से खेलेगी। एमबाप्पे ने चार साल पहले कतर विश्व कप में भी आठ गोल किए थे, जहां फाइनल में फ्रांस को अर्जेंटीना के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हार का सामना करना पड़ा था। इससे आठ साल पहले रूस में हुए विश्व कप में फ्रांस ने क्रोएशिया को हराकर चैंपियन का खिताब जीता था। यह लगातार तीसरा फाइनल खेलने का उनका सपना था, जो इस बार टूट गया।

सुंदर ने अपनी सफलता का श्रेय गंभीर और नेहरा को दिया

बर्मिंघम। इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में अपने शानदार प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने अपनी सफलता का श्रेय मुख्य कोच गौतम गंभीर और गुजरात टाइटंस के कोच आशीष नेहरा को दिया है। सुंदर ने पहले एकदिवसीय में नंबर पांच पर उतरने हुए नाबाद 52 रन बनाए थे जिससे भारतीय टीम ने इंग्लैंड को छह विकेट से हराया। इस मैच के बाद, सुंदर ने अपनी अलग-अलग भूमिकाओं को रोमांचक बताया और कहा कि वह बल्लेबाजी क्रम में किसी भी स्थान पर खेलने में सहज अनुभव करते हैं।

सुंदर ने पहले एकदिवसीय में अक्षर पटेल के साथ मिलकर शतकीय साझेदारी की थी। मैच के बाद सुंदर ने कहा, मैं अलग-अलग भूमिकाएं निभाना पसंद करता हूं। बहुत से लोगों को ऐसी भूमिकाएं निभाने का अवसर नहीं मिलता है। मुझे अलग-अलग हालातों और खेल के अलग-अलग चरणों में रहने का अवसर मिलता है, और मैं टीम को जिताने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करता हूं।

अपने प्रदर्शन का श्रेय सुंदर ने मुख्य कोच गंभीर और गुजरात टाइटन्स के मुख्य कोच नेहरा के सुझावों को दिया है। सुंदर ने कहा कि गंभीर ने हमेशा एक बल्लेबाज के रूप में उनके मनोबल को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, खासकर बल्ले से उनकी क्षमताओं को समझाकर। वहीं, आशीष नेहरा ने उन्हें एक व्यक्ति और एक क्रिकेटर दोनों के तौर पर अपने को बेहतर ढंग से समझने में मदद की है। इस क्रिकेटर ने ऑलराउंडर होने को एक आशीर्वाद बताया। उन्होंने कहा कि कोई भी टीम जितने संभव हो उतने ऑलराउंडर रखना पसंद करती है, क्योंकि यह परिस्थितियों के अनुसार खेलने की आजादी देता है और टीम को विकल्पों की कमी महसूस नहीं होती।

बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप अगले माह, भारतीय दल की अगुवाई करेंगी सिंधु

नई दिल्ली । बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) विश्व चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली में होगी। इसमें 10 सदस्यीय भारतीय बैडमिंटन टीम की अगुवाई ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु करेंगी। बीडब्ल्यूएफ ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफिकेशन सूची जारी कर दी है, जिसमें भारत के कुल 10 खिलाड़ियों को पांच स्पर्धाओं में उतरने का अवसर मिला है। इन खिलाड़ियों में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की देश की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी भी शामिल है।

सिंधु को बीडब्ल्यूएफ के नियमों के तहत मेजबान देश की प्रतिनिधि के तौर पर महिला एकल ड्रॉ में जगह मिली है। यह क्वालिफिकेशन सूची 28 अप्रैल की वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग पर आधारित है, जिसमें पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ी और प्रत्येक युगल स्पर्धा में 48-48 जोड़ियां शामिल हैं। नियमानुसार, विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में प्रत्येक वर्ग में भारत के दो खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश मिला है। वहीं पुरुष एकल वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी करेंगे, जिन्होंने अपनी रैंकिंग के बल पर प्रवेश हासिल किय है। वहीं, महिला एकल में सिंधु के साथ उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा को भी जगह मिली है।

बल्लेबाज हनूमा ने गंभीर पर अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को ही अवसर देने का आरोप लगाया

मुम्बई । भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज हनुमा विहारी ने टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर जमकर निशान साधा है। हनुमा ने कहा है कि गंभीर अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को वरीयता देते है। इसी कारण आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी। हनुमा ने कहा कि खराब फॉर्म के बाद भी ऑलराउंडर शिवम दुबे और वॉशिंगटन सुंदर को लगातार अवसर दिये जा रहे है। इसका कारण है कि उनके कुछ पसंदीदा खिलाड़ी हैं जिन्हें वह लगातार अवसर देना चाहते हैं। फिर चाहे वे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हों यहा नहीं। इस क्रिकेटर ने टीम में कुछ खिलाड़ियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा, शिवम न तो अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं, न ही बल्लेबाजी फिर भी हर मैच में नजर आ रहे हैं।। साथ ही कहा कि वाशिंगटन सुंदर अभी भी टीम में क्यों बने हुए हैं जबकि पिछले कुछ समय में एक बार भी वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। हनुमा री ने टीम में लगातार बदलावों को लेकर भी गंभीर की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि अनुभवी संजू सैमसन को आयरलैंड में दो अवसर देन के बाद बाहर कर दिया गया, और फिर वैभव सूर्यवंशी के साथ भी यही हुआ। इससे टीम में असुरक्षा की भावना बढ़ी है। उन्होंने कहा, अगर आप प्रदर्शन नहीं करते हैं, तो आपको बाहर कर दिया जाएगा। आपको खिलाड़ियों को लंबा अवसर देना चाहिए। अगर आप वैभव को शामिल कर रहे हैं तो उसे कम से कम उसे पांच या छह मैच दें और फिर तय करें कि वह काफी अच्छा है या नहीं। मुझे नहीं लगता कि यह सही रवैया है। खिलाड़ियों के लिए सुरक्षा जरूरी है। स्पिनरों के चयन पर भी उन्होंने सवाल उठाए, चाहे वह वरुण चक्रवर्ती हों, अक्षर पटेल या रवि बिश्नोई।

इंग्लैंड के खिलाफ अच्छा नहीं रहा है अर्जेंटीना का रिकॉर्ड

अटलांट । फीफा विश्वकप फुटबॉल का दूसरा सेमीफाइनल गुरुवार को खेला जाएगा। इसमें अर्जेंटीना का मुकाबला इंग्लैंड से होगा। इस मैच से पहले इंग्लैंड के खिलाफ अर्जेंटीना के रिकॉर्ड को लेकर प्रशंसकों की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। इसका कारण है कि मेसी पहली बार इंग्लैंड के खिलाफ खेलेंगे। वहीं पूर्व में अर्जेंटीना का रिकार्ड इंग्लैंड के खिलाफ अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में इस मैच में जीत के लिए मेसी सहित पूरी टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। वहीं पहले सेमीफाइनल में हार के साथ ही फ्रांसीसी टीम के बाहर होने से अब खेल विशेषज्ञों का मानना है कि अर्जेंटीना के पास खिताब जीतने का प्रबल अवसर है पर ये इतना भी आसान नहीं है। क्योंकि इस

विश्वकप में अर्जेंटीना की टीम जीती जरुर है पर उसका प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा है।

पिछले मैच में मेसी भी प्रभावहीन रहे हैं। इसके अलावा, इंग्लैंड के खिलाफ अर्जेंटीना का इतिहासिक प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 14 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें से इंग्लैंड ने 6 बार शानदार जीत हासिल की है। वहीं, अर्जेंटीना की बात करें तो उसे केवल 3 मैचों में ही जीत नसीब हुई है, जबकि 5 मुकाबले बराबरी पर समाप्त हुए हैं। इन आंकड़ों को देखकर यह स्पष्ट हो जाता है कि रिकॉर्ड के मामले में इंग्लैंड आगे है। ऐसे में, इस रिकॉर्ड को देखते हुए, ल मेसी के प्रशंसकों को परेशान होना लाजिमी है। वहीं अगर केवल फीफा विश्व कप के मंच पर इन दोनों फुटबॉल दिग्गजों के रिकॉर्ड की बात करें, तो वहां भी इंग्लैंड ही अर्जेंटीना पर भारी पड़ता नजर आता है। यह ऐतिहासिक सेमीफाइनल मुकाबला 21 साल बाद हो रहा है, जब अर्जेंटीना और इंग्लैंड विश्व कप के सेमीफाइनल में एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे। यह तथ्य ही इस भिड़ंत को और भी रोमांचक और दबावपूर्ण बना देता है। विश्व कप के इतिहास में अर्जेंटीना और इंग्लैंड की टीमें कुल 5 बार एक-दूसरे से टकरायी हैं। इन 5 मुकाबलों में से 3 बार इंग्लैंड ने जीत हासिल की है जबकि अर्जेंटीना को सिर्फ 2 मैचों में ही जीत मिली है।

इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम की जीत के नायक बने अक्षर

सीरीज में 1-0 से मिली बढ़त

एजबेस्टन। भारतीय क्रिकेट टीम ने मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय मुकाबले में 6 विकेट से जीत हासिल की। इससे भारतीय टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। टीम की जीत में स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल की अहम भूमिका रही। अक्षर ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए। अक्षर पटेल, के अलावा कप्तान शुभमन गिल और वॉशिंगटन सुंदर ने अच्छी बल्लेबाजी कर अर्धशतक लगाये। मैच में अंतर लाने के लिए अक्षर पटेल को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला।

अक्षर ने गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी कर तेजी से 57 रन बनाये।

इस मैच में मेजबान टीम इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया पर भारतीय गेंदबाजों के सामने वे खुलकर नहीं खेल पाये। मेजबान टीम 258 रन ही बना पायी।

भारत की ओर से अक्षर ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए। इसके अलावा गुरनूर बरार और प्रसिद्ध कृष्णा ने 2-2 विकेट जबकि जसप्रीत बुमराह और शिवम दुबे ने 1-1 विकेट लिया।

इसके बाद जीत के लिए मिले 259 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने 4 विकेट खोकर 45.2 ओवरों में ही हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीमी की शुरुआत अच्छी रही पर रोहित शर्मा और विराट कोहली के विकेट सस्ते में गिरने से टीम दबाव में आ गयी। ऐसे में अक्षर और वॉशिंगटन ने छठे विकेट के लिए 102 रनों की शतकीय साझेदारी कर टीम को संभाला। सुंदर ने 63 गेंदों में 1 छक्के और 4 चौकों की सहायता से 52 रन जबकि अक्षर ने 52 गेंदों पर 5 छक्के और 3 चौकों की मदद से 57 रन बनाकर बनाये। भारतीय टीम की जीत में कप्तान शुभमन गिल की अच्छी पारी की भी अहम भूमिका रही। शुभमन ने रोहित शर्मा के 11 और विराट कोहली के 5 रन पर आउट होने के बाद पारी संभाली और श्रेयस अय्यर 35 रनों के साथ तीसरे विकेट के लिए 103 गेंदों में 101 रन बनाये। शुभमन ने 75 गेंदों पर 1 छक्के और 11 चौकों की सहायता से 80 रन बनाये।

·¤ØÜØ ·¤çá ©ÂÁ ×‡Çè âç×çÌ ßæÚUæçâßÙè çÁÜæ-ÕæÜæƒææÅU (×.Â.)

·¤×æ·¤ / ×‡Çè / ÌõÜ ·¤æÅæ/w®w{-w|/vz} ßæÚUæçâßÙè ÌæÚUè¹ - vw/®|/w®w{

निविदा आमंत्रण सूचना (तृतीय आमंत्रण)

कृषि उपज मंडी समिति वारासिवनी (स) श्रेणी मंडी द्वारा ई-टेण्डरिंग के माध्यम से स्वयं के व्यय पर बिल्ट ऑपरेट एण्ड ट्रांसफर (बी0ओ0टी) के तहत (इलेक्ट्रानिक तौलकांटा) संरचना की स्थापना एवं संचालन हेतु वार्षिक प्रीमीयम के आधार पर निविदा सिस्टम क्रमांक w®w{_MPSAM_ZW®Z{}_V के अंतर्गत ऑनलाईन निविदाये दिनांक 22.07.2026 को शाम 3:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारो को म0प्र0 शासन के ई-निविदा के पोर्टल hrrps://mptenders.gov.in पर प्राप्त होगी एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मंडी बोर्ड के पोर्टल www.mpmandiboard.co.in पर भी अवलोकनीय होगी।

ÙôÅÑ- आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर प्रदर्शित की जावेगी।

âç¿ß
·¤çá ©ÂÁ ×‡Çè âç×çÌ,ßæÚUæçâßÙè
çÁÜæ-ÕæÜæƒææÅU(×.Â.)

कुनबी समाज ने किया प्रतिभाओं का सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रगतिशील कुनबी समाज जिला बालाघाट के तत्वाधान में 35 वां स्थापना दिवस एवं प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी प्रतिभाओं का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया मंचाशीन अतिथीयो द्वारा शिवाजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर पुजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई अतिथीयो द्वारा कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं कक्षाओ के छात्र एवं छात्राओ का 75 प्रतिशत से अधिक पाने वाले छात्र एवं छात्राओ का समाज द्वारा सम्मान किया गया जिसमें 10 वीं के 124 छात्र/छात्राये एवं 12 वीं के 68 छात्र/छात्राओ द्वारा भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त किया एवं सभी छात्र /छात्राओ को शील्ड वितरण किया गया तथा कक्षा 10 वीं में प्रथम स्थान कुमारी पल्लवी बान्ते पिता रामकिशन बान्ते ग्राम सारद सिवनी हट्टा 98.8 प्रतिशत प्राप्त किया जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का एवं ग्राम सारद सिवनी का नाम रोशन किया एवं अन्य छात्र एवं छात्राओ द्वारा भी अच्छा परीक्षा परिणाम दिया गया।

पल्लवी / रामकिशन बान्ते 98.8 प्रतिशत

कक्षा 10 वी

पल्लवी / रामकिशन बान्ते 98.8 प्रति.
मुस्कान/भोजराम भोतेकर 87.42 प्रति.
राया/रामप्रसाद भोयर 82 प्रति.
तुलसी/सुभाष भोगर 76 प्रति.

कक्षा 12वीं

आयुष/वासुदेव मोरघरे 84 प्रति.
चेतन/सुरेन्द्र गलोले 80.2 प्रति.
राहुल/सुखदेव धार्मिक 78 प्रति.
ईशान/ताराचंद भोयर 77 प्रति.
कनक/सुभाष वनवे 76 प्रति.

सभी छात्र/छात्राओं का प्रगतिशील कुनबी समाज सिवनी कला उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हे आगे निरन्तर बढते रहने के लिए प्रेरित करता है।

थाना किरनापुर पुलिस ने किया नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान का शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। बालाघाट पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के कुशल नेतृत्व एवं कुशल कार्य योजना के तहत आज दिनांक 15 जुलाई से नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान का शुभारंभ संपूर्ण बालाघाट जिले के प्रत्येक थानों व पुलिस इकाइयों से किया गया यह अभियान पुलिस मुख्यालय मध्य प्रदेश पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना जी के दिशा दिशा निर्देशन में संपूर्ण मध्य प्रदेश में 15 जुलाई से 30 जुलाई तक चलाया जाएगा ।

इसी क्रम में थाना किरनापुर थाना प्रभारी राजकुमार चौधरी एवं समस्त पुलिस थाना स्टाफ द्वारा नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान का शुभारंभ थाना परिसर किरनापुर से किया जाकर समस्त पुलिस स्टाफ को नशा मुक्ति शपथ दिलाई जाकर किया गया तथा थाना प्रभारी एवं पुलिस स्टाफ द्वारा कस्बा किरनापुर मैं भ्रमणकर आम

नागरिकों तथा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में जाकर स्कूली बच्चों से मुलाकात व संवाद कर उन्हें इस अभियान से संबंधित पोस्टर बैनर एवं पंपलेट वितरित किए जाकर नशे से होने वाले दुष्प्रभावों इसकी रोकथाम नशे से होने वाली बीमारियां आपसी लड़ाई झगड़ा नशे में होने वाली सक दुर्घटनाएं नशे की रोकथाम के उपाय पुलिस सहयोग , अवैध गतिविधियों की सूचना पुलिस को देने तथा इसकी जन जागरूकता संबंधी इत्यादि सभी विषयों पर जानकारी स्कूली छात्र-छात्राओं को स्कूल शिक्षकों की उपस्थिति में दी गई एवं नशा मुक्ति संबंधी शपथ दिलाई गई तथा प्रत्येक छात्र-छात्रों स्कूली स्टाफ तथा आम नागरिकों से इस अभियान से जुड़ने एवं इसके व्यापक प्रचार प्रसार करने की अपील की गई ताकि एक नशा मुक्त समाज नशा मुक्त बालाघाट मध्य प्रदेश बनाने के इस प्रयास तथा नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान को सफल बनाया जा सके ।

पीढ़ियों से करते आ रहे खेती, अब वन विभाग कृषि भूमि से कर रहा बेदखल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर विकासखंड अंतर्गत आने वाले ग्राम आमानाला के वनभूमि दावेदारों ने कृषि भूमि पट्टे की मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है।ग्रामीणों के अनुसार उन्होंने वन अधिकार कानून के तहत वर्षों पहले दावा प्रस्तुत किया है, लेकिन अब तक अधिकार पत्र नहीं मिला। इसके बावजूद वन विभाग द्वारा बेदखली की कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीणों ने दावा निराकरण होने तक बेदखली पर रोक लगाने की मांग की है।ग्रामीणों ने बताया कि वे वर्ष 2005 के पहले से वे वनभूमि पर खेती कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। उन्होंने वन अधिकार कानून के तहत अपने दावे भी प्रस्तुत किए हैं, लेकिन अब तक उन्हें अधिकार पत्र जारी नहीं किया गया है। पिछले कई वर्षों से वे लगातार वनभूमि पर अपने अधिकार के लिए आवेदन कर रहे हैं। वर्ष 2025 में भी उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से दोबारा दावा प्रस्तुत किया, लेकिन आज तक उनके दावों का निराकरण नहीं हुआ। इसके बावजूद भी वन विभाग द्वारा उन्हें कब्जे वाली भूमि से बेदखल करने की कार्रवाई की जा रही है।दावेदारों ने बताया कि उन्हें दावा सत्यापन की प्रक्रिया से संबंधित सूचना भी प्राप्त हुई है। उनका कहना है कि जब तक उनके दावों का अंतिम निराकरण नहीं हो जाता, तब तक बेदखली की कार्रवाई करना उचित नहीं है। इससे उनके सामने आजीविका का संकट खड़ा हो सकता है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में विशाल रोजगार मेले का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में बुधवार को स्वामी विवेकानंद मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में एक दिवसीय विशाल रोजगार मेले का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के निर्देशन में आयोजित इस मेले में जिलेभर के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रोजगार मेले में 500 से अधिक युवाओं ने पंजीयन कर विभिन्न कंपनियों की चयन प्रक्रिया में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। आयोजन का संचालन प्रभारी डॉ. प्रतिमा बिसेन, कार्यक्रम संयोजक डॉ. सीमा श्रीवास्तव तथा जिला नोडल अधिकारी श्री अनिल कुमार पंचारिया के नेतृत्व में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती मौसम बिसेन हरिनखेड़े, सदस्य, अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में नगर पालिका परिषद बालाघाट की अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, समाजसेवी एवं उद्योगपति किरण भाई त्रिवेदी, समाजसेवी तपेश असाटी तथा आशीष मिश्रा शामिल रहे। अतिथियों ने युवाओं को कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार, व्यक्तित्व विकास तथा आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा पर प्रेरक मार्गदर्शन दिया।

इस अवसर पर अंशुल जायसवाल (डायरेक्टर, सतपुड़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग), गुन्सागर गायकवाड़ (हेड एचआर) तथा नवीन कुमार श्रीवास्तव (एमएसएमई) ने उद्योगों की वर्तमान आवश्यकताओं, रोजगार की संभावनाओं और करियर निर्माण के विभिन्न आयामों पर विस्तार से जानकारी दी। रोजगार मेले का आयोजन जॉब सही डॉट कॉम एवं सतपुड़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के सहयोग से किया गया, जिसमें प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. गोरखनाथ भुरे एवं मंसूरी सर का विशेष योगदान रहा।

रोजगार मेले में हुंडई, न्यूबेनो, निको, हायर, स्टार, किमल, फाइट ऑटोमोबाइल सहित कुल 11 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लेकर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। जिले के सभी 14 महाविद्यालयों के प्राचार्य, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर (टीपीओ) तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं इस आयोजन में शामिल हुए।

आयोजन को सफल बनाने में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. पी.एस. कातुलकर, डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव, डॉ. योगेश विजयवार, डॉ. कंचन मसराम एवं डॉ. एम.एस. मरकाम का विशेष योगदान रहा। इसके अलावा सुंदरलाल बिसेन, भिवेन्द्र धुर्वे, आकाश लिल्हारे, डॉ. डुलेश्वरी टेम्भरे, डॉ. भूपेंद्र ब्रम्हे, सुखचंद एडे, खिलेश्वर ठाकरे, राजेश लिल्हारे, रविशंकर मडावी, श्री इमरान कुरैशी, श्री अतुल मेश्राम, डॉ. पुष्पलता कमकम्लेशिया एवं डॉ. साजिया तबस्सुम सहित महाविद्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. डुलेश्वरी टेम्भरे ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. प्रतिमा बिसेन ने किया।

महाविद्यालय प्रबंधन ने बताया कि रोजगार मेले का उद्देश्य युवाओं को उद्योग जगत से जोड़ना, उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से परिचित कराना तथा उनके कौशल एवं व्यक्तित्व का विकास करना है। महाविद्यालय द्वारा भविष्य में भी ऐसे रोजगारोन्मुखी आयोजन निरंतर किए जाएंगे।

व्यावसायिक लाइसेंस शुल्क खत्म करने की तैयारी

भोपाल। राजधानी में कारोबार करने वाले व्यापारियों पर पिछले तीन साल से पड़ रहे अतिरिक्त टैक्स के बोझ को कम करने की तैयारी शुरू हो गई है। नगर निगम के प्रॉपर्टी टैक्स के साथ वसूले जाने वाले व्यावसायिक लाइसेंस शुल्क को खत्म किया जा सकता है। इसे समाप्त करने के लिए निगम स्तर पर प्रक्रिया आगे बढ़ाने की तैयारी है। व्यवस्था बदली तो शहर के हजारों छोटे-बड़े दुकानदारों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सीधी राहत मिलेगी। भोपाल में फिलहाल व्यावसायिक संपत्तियों से प्रॉपर्टी टैक्स के अलावा लाइसेंस शुल्क भी लिया जा रहा है। इसकी वसूली सडक़ के आधार पर की जाती है। व्यापारी संगठनों का दावा है कि मध्य प्रदेश के दूसरे नगर निगमों में इस तरह शुल्क नहीं लिया जा रहा। इसी कारण भोपाल में लागू व्यवस्था को लेकर लंबे समय से विरोध हो रहा है। भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के मुताबिक नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने 21 अप्रैल 2023 को प्रदेश में व्यावसायिक लाइसेंस शुल्क लागू किया था। शुल्क की विसंगतियों और व्यापारियों के विरोध के बाद 25 अप्रैल 2023 को इसे स्थगित कर दिया गया।व्यापारियों का आरोप है कि प्रदेश स्तर पर व्यवस्था स्थगित होने के बावजूद भोपाल में शुल्क की वसूली जारी रखी गई। इसी को लेकर कारोबारी संगठन लगातार सवाल उठा रहे हैं।

पूरे प्रदेश में राहत तो भोपाल में शुल्क क्यों?

व्यापारी संगठनों ने इस व्यवस्था को एक प्रदेश-दो कानून जैसी स्थिति बताया है। उनका कहना है कि जब इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर समेत प्रदेश के दूसरे शहरों में व्यावसायिक लाइसेंस शुल्क की बाध्यता नहीं है तो भोपाल के कारोबारियों से इसकी वसूली क्यों की जा रही है। खास तौर पर सडक़ के आधार पर शुल्क तय करने की व्यवस्था को लेकर आपत्ति है। व्यापारियों का कहना है कि दुकान या प्रतिष्ठान की वास्तविक कारोबारी स्थिति के बजाय सडक़ के आधार पर शुल्क लगने से कई छोटे कारोबारियों पर भी अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

अब खत्म करने की दिशा में बढ़ सकता है निगम

व्यावसायिक लाइसेंस शुल्क की व्यवस्था को समाप्त करने की मांग पर अब नगर निगम स्तर पर सकारात्मक स्थिति बनती दिखाई दे रही है। इस शुल्क के औचित्य और प्रदेश के अन्य शहरों में लागू व्यवस्था की समीक्षा के बाद इसे खत्म करने की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है।

अमरकंटक मंदिर के दान का सोना-चांदी गायब, ट्रस्ट और पुलिस के दावों में विरोधाभास

शहडोल। मध्य प्रदेश के अमरकंटक स्थित मां नर्मदा के उद्गम स्थल पर गंभीर अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। उद्गम मंदिर को दान में मिले करोड़ों के सोने-चांदी के जेवरात का कोई व्यवस्थित रिकॉर्ड नहीं है, और उनके संरक्षण को लेकर मंदिर ट्रस्ट तथा पुलिस के दावों में विरोधाभास सामने आया है। मंदिर ट्रस्ट का दावा है कि ये कीमती जेवरात अमरकंटक थाने में जमा कराए जाते हैं और इसकी रसीदें भी उनके पास हैं। हालांकि, थाना प्रभारी (टीआई) ने इन दावों का खंडन कर कहा है कि उनके थाने में मंदिर का कोई भी चढ़ावा नहीं रखा जाता। श्री नर्मदा मंदिर उद्गम ट्रस्ट का गठन 2001 में हुआ था, जो मंदिर संचालन और दान प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है। चौंकाने वाली बात यह है कि ट्रस्ट के संचालन के लिए आवश्यक नियम (बायलॉज) स्थानीय नगर परिषद के पास उपलब्ध नहीं हैं। इससे दान की गिनती, जेवरातों के संरक्षण और अन्य प्रक्रियाओं को लेकर स्पष्ट नियमों का अभाव है। ट्रस्ट के पास 10 दानपेटियां हैं और उसके खाते में लगभग 1.41 करोड़ रुपये जमा हैं, लेकिन 2001 से अब तक दान में मिले सोने-चांदी का पूरा रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। 2021 से व्यवस्था संभाल रहे कर्मचारी के अनुसार, पुराने रजिस्टर अस्पष्ट हैं, जिससे कुल जेवरातों की सही संख्या और विवरण स्पष्ट नहीं है। राम मंदिर चोरी प्रकरण के बाद नए जेवरातों का रिकॉर्ड फोटो सहित रखा जा रहा है, लेकिन पुराने रिकॉर्ड अधूरे हैं। अमूमन मंदिरों के कीमती जेवरात बैंक लॉकर में रखे जाते हैं, लेकिन यहां इन्हें थाने में जमा करने की प्रथा है। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष और सीएमओ ने स्वीकार किया कि उन्हें इस असामान्य व्यवस्था के शुरू होने का कारण या सोने-चांदी के कुल रिकॉर्ड की स्पष्ट जानकारी नहीं है। दान की गिनती भी वर्षों तक बिना सीसीटीवी निगरानी के होती रही, हाल ही में लगा एक कैमरा भी निरीक्षण के दौरान बंद पाया गया। इन खुलासों ने मंदिर की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इंडियन डेंटल एसोसिएशन बालाघाट ब्रांच द्वारा किया गया दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कान्हा नेशनल पार्क में (डेंसम) डेंटल सबमिट 2026 का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश स्टेट प्रेसिडेंट डॉ जी.डी. अवधिया एवं मध्य प्रदेश स्टेट वाइस प्रेसिडेंट योगेश पाल सिंह रहे। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में सीनियर डेंटल सर्जन डॉ.ए.पी. अरोड़ा अपनी श्रीमती आराधना अरोड़ा जी के साथ उपस्थित रहे। इसमें बालाघाट जिले छिंदवाड़ा जिला एवं आसपास के दंत चिकित्सकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

इस मेगा डेन्टल चेकअप कैम्प में बैहर के 15 विभिन्न विद्यालयों के 1500 विद्यार्थियों का हुआ परीक्षण।

उक्त संबंध में इंडियन डेन्टल एसोसिएशन बालाघाट की जिला अध्यक्षा डॉ मीरा अरोरा ने बताया कि इस आयोजन से उनका मुख्य उद्देश्य आम जनता में दंत स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सही समय पर स्वयं के दांतों का परीक्षण करने और दांतों की उचित देखभाल करने के तरीकों के बारे मे जागरूक करना था। इसी संबंध में उपस्थित डॉ जी.डी. अवधिया प्रेसिडेंट एम.पी. स्टेट ने बताया कि यह प्रदेश का पहला एकदिवसीय इतना बड़ा दंत चिकित्सा शिविर है। जिसका आयोजन इतने भव्य और व्यवस्थित तरीके से किया गया है और उन्होंने ढ्ढष्ठ बालाघाट ब्रांच, स्कूल प्रधानाचार्यो एवं सभी सहयोगियों की सराहन की। श्री त्रिलोकचंद श्रीमती शांति देवी कोचर ट्रस्ट बालाघाट, लक्ष्य हरित टीम बैहर, दृष्टि फाउंडेशन बालाघाट, एवं फार्मा कंपनी के सहयोग से इस शिविर का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैहर में किया गया। विद्यार्थी दंत परीक्षण एवं चिकित्सा शिविर में संकुल केंद्र के अंतर्गत शासकीय मॉडल स्कूल, शासकीय पीएमश्री कन्या शाला, शासकीय माध्यमिक शाला आबकारी टोला, शासकीय माध्यमिक शाला कम्पाउंडर टोला, शासकीय माध्यमिक शाला रौंदाटोला, शासकीय अंग्रेजी आश्रम शाला, चक्रवर्ती पब्लिक स्कूल, लिटिल किंगडम स्कूल, विवेक ज्योति स्कूल, मिशन स्कूल, विवेकानंद स्कूल, परिवर्तन मिशन स्कूल, सरस्वती शिशु मंदिर, टैगोर पब्लिक स्कूल एवं उत्कृष्ट विद्यालय, कुल 15 विद्यालयों के 1500 छात्र छात्राओं का बालाघाट डिस्ट्रिक्ट इंडियन डेन्टल एसोसिएशन के शिविर में उपस्थित 19 डॉक्टरों द्वारा दंत परीक्षण एवं चिकित्सा की गई । वही सभी संस्था प्रमुखों को इंडियन डेन्टल एसोसिएशन बालाघाट द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया, उक्त कार्यक्रम शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैहर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आई डी ए) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। विशाल विद्यार्थी दंत परीक्षण एवं चिकित्सा शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में श्री त्रिलोकचंद श्रीमती शांति देवी कोचर ट्रस्ट बालाघाट के मुख्य ट्रस्टी, समाजसेवी एवं मुख्य सहयोगी जितेंद्र कोचर जी एवं एमपी स्टेट इंडियन डेन्टल एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ. जी.डी. अवधिया (जबलपुर) रहे और विशेष अतिथि के रूप में उत्कृष्ट विद्यालय बैहर के प्राचार्य आलोक कुमार चौरे, वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ ए पी अरोरा, समाजसेवी नितिन जैन जी रहे।

इस के अलावा शिविर को सफल बनाने में शहर के अनेक प्रतिष्ठित दंत चिकित्सकों ने अपना सक्रिय योगदान दिया ।

सेवाएं देने वाले डॉक्टर में प्रमुख रूप से शामिल थे-

इंडियन डेंटल एसोसिएशन बालाघाट की जिला अध्यक्षा डॉ मीरा अरोड़ा, सचिव डॉ आदित्य बड़ई , डॉ अक्षय अरोड़ा (ओरल मैक्सिलो फेशियल सर्जन), डॉ अलका परते, डॉ स्नेहा बिसेन, डॉ अश्विनी उइके, डॉ नीलिमा लिल्हारे, डॉ नेहा बिसेन, डॉ योगेश बिसेन, डॉ बीनू खोसला, डॉ शैलजा दुबे, डॉ विभा चौधरी, डॉ अक्षय चौहान, डॉ प्रयाग राजपूत, डॉ अमन खोसला, डॉ अजय कसवे, डॉ सुलभ पगारिया, डॉ अमित मिश्रा आदि। शिविर में स्थानीय सहयोगी के रूप में सभी विद्यालय के संस्था प्रमुख, विक्रम जैन, खेल समन्वयक राजेश बमहुरे, संजय लाकडे एवं विभिन्न फार्मा कंपनीयो के प्रतिनिधि जिसमें मुख्य रूप से कोलगेट, मैकलीओड्स फार्मा, ग्रुप फार्मा, क्योर वेल फार्मा, मेडिविलिंग फार्मा एवं एनएसएस के 62 स्वयंसेवक छात्र छात्राओं का सहयोग सराहनीय रहा। प्रथम चरण 12 जुलाई डेंटल सबमिट 2026 का उद्देश्य नए दांत चिकित्सकों को प्रोत्साहित करना, सीनियर डेंटल सर्जन के एक्सपिरिएंसेस को बांटना एवं दंत चिकित्सकों को एकजुट करना था। इस प्रोग्राम में डॉक्टर स्नेहा बिसेन ऑर्थोडॉन्टिस्ट एवं डॉ अक्षय अरोड़ा ओरल एंड मैक्सिलो फेशियल सर्जन ने अपने एक्सपिरिएंसेस लोगों से साझा किया। इस कार्यक्रम में 9 वर्षीय अनिका अरोड़ा ने भारतीय संस्कृति का प्रदर्शन कथक नृत्य के माध्यम से किया।

उकवा स्कूल में पुलिस ने दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले में संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0अभियान के तहत रुपझर थाना अंतर्गत पुलिस चौकी उकवा के पुलिसकर्मियों के द्वारा शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल उकवा में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, समस्त शैक्षणिक स्टाफ तथा बड़ी संख्या में छात्र।छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत नशा मुक्ति शपथ के साथ हुई। चौकी उकवा पुलिस ने विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने स्वयं जागरूक बनने तथा समाज को भी नशामुक्त बनाने का संकल्प दिलाया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि परिवार, समाज और भविष्य को भी नुकसान पहुंचाता है। विशेष रूप से युवाओं को नशे की लत से बचने और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने की प्रेरणा दी गई।इस अवसर पर पुलिस द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव, उनसे होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक नुकसान तथा नशे से जुड़े अपराधों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि यदि किसी क्षेत्र में नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार या सेवन होता दिखाई दे तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें।कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों पर भी विशेष जागरूकता दी गई। विद्यार्थियों को हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य

उपयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने, नाबालिगों द्वारा वाहन नहीं चलाने तथा यातायात संकेतों का पालन करने के संबंध में विस्तार से समझाइश दी गई।इसके अलावा बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए विद्यार्थियों को साइबर फ्रॉड से बचाव के महत्वपूर्ण उपाय बताए गए। पुलिस ने ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी, बैंक खाते की गोपनीय जानकारी साझा न करने, सोशल मीडिया पर सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध लिंक या संदेश पर क्लिक नहीं करने की सलाह दी। साथ ही साइबर अपराध होने पर तत्काल संबंधित हेल्पलाइन एवं पुलिस से संपर्क करने की जानकारी भी दी गई।विद्यालय में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के बाद चौकी उकवा पुलिस स्टाफ ने छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय परिवार के साथ उकवा बाजार क्षेत्र में पैदल जनजागरूकता रैली निकाली। रैली के माध्यम से आम नागरिकों को नशे से दूर रहने, सुरक्षित यातायात अपनाने तथा साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया गया। रैली के दौरान लोगों से नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने और युवाओं को सकारात्मक दिशा देने की अपील भी की गई।रूपझर थाना प्रभारी कामेश धूमकेती ने बताया कि नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान का उद्देश्य समाज में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाना, युवाओं को नशे की लत से बचाना तथा जनसहभागिता के माध्यम से नशामुक्त, सुरक्षित और जागरूक समाज का निर्माण करना है। ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आगे भी लगातार आयोजित किए जाएंगे।

×Â ¥æçÎßæâè çß·¤æâ ÂçÚáÎ Ù ÂÙÑ çÎÙðàæ Ïß ÂÚ ÁÌæØæ ÖÚôâæ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद द्वारा बालाघाट जिले के वरिष्ठ समाजसेवी एवं आदिवासी हितों के लिए लंबे समय से सक्रिय दिनेश धुर्वे को लगातार तीसरी बार जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। परिषद के प्रदेश अध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में दिनेश धुर्वे को बालाघाट जिले की जिम्मेदारी सौंपते हुए संगठन को मजबूत करने तथा आदिवासी समाज के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक उत्थान के लिए कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की गई है।15 जुलाई 2026 को जारी नियुक्ति पत्र में कहा गया है कि परिषद की धारा-3 के तहत दिनेश धुर्वे को बालाघाट जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। परिषद नेतृत्व ने उनके पिछले कार्यकाल में संगठन विस्तार, समाजहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने तथा आदिवासी समुदाय के बीच सक्रिय भूमिका को देखते हुए पुन: यह दायित्व सौंपा है। बताया गया कि दिनेश धुर्वे लंबे समय से आदिवासी समाज के अधिकारों, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य तथा सामाजिक जागरूकता से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में परिषद के कार्यक्रमों के माध्यम से उन्होंने समाज को संगठित करने का कार्य किया है। यही कारण है कि संगठन ने उन पर लगातार तीसरी बार भरोसा जताया है।उधर नियुक्ति की जानकारी मिलते ही परिषद कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में खुशी का माहौल देखा गया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से उन्हें बधाइयां मिलने का सिलसिला शुरू हो गया है। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा आदिवासी समाज की समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी पहल की जाएगी। नियुक्ति के बाद दिनेश धुर्वे ने परिषद के प्रदेश नेतृत्व एवं अध्यक्ष उमंग सिंघार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो विश्वास उन पर जताया है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए जिले के प्रत्येक क्षेत्र में कार्य किया जाएगा तथा संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाया जाएगा।

न्यूज गैलरी

दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने भिड़ंत

एक व्यक्ति गंभीर -हायर सेंटर रेफर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रूपझर थाना अंतर्गत सोनगुड्डा पुलिस चौकी क्षेत्र के डाबरी रोड पर मंगलवार शाम दो मोटरसाइकिलों की आमने सामने टक्कर में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति सुखचंद पिता दुलीचंद तिलगाम45 वर्ष ग्राम लातरी निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुखचंद तिलगाम

खेती-किसानी का कार्य करते हैं। उनके परिवार में पत्नी, तीन बच्चे तथा अन्य सदस्य हैं।बताया गया कि 14 जुलाई को सुखचंद अपनी मोटरसाइकिल से सोनगुड्डा पेट्रोल पंप पेट्रोल भरवाने आए थे। दोपहर करीब 4 बजे पेट्रोल भरवाने के बाद वह अपने गांव लातरी लौट रहे थे। इसी दौरान सोनगुड्डा और डाबरी के बीच धूंनधुनवार्धा के पास सामने से तेज रफ्तार में आ रही एक मोटरसाइकिल से उनकी मोटरसाइकिल की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई।हादसे में दोनों मोटरसाइकिल सवार घायल हो गए।जबकि सुखचंद सिर में गंभीर चोट लगने से वह मौके पर ही बेहोश हो गए। घटना की सूचना मिलते ही उनके परिजन मौके पर पहुंचे और निजी वाहन से उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट लेकर आए। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया।जिला अस्पताल पुलिस ने घायल के परिजनों के बयान दर्ज कर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई के लिए रूपझर थाना भेज दी है।

सीमेंट से भरे तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आये बाइक सवार 3 युवक, 2 की मौत 1 गंभीर

हादसे के बाद ट्रक समेत चालक गिरफ्तार, जांच में जुटी पुलिस, देर शाम भरवेली के मानेगाव में हुआ भीषण सड़क हादसा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बुधवार की देर शाम थाना भरवेली के अंतर्गत आने वाले ग्राम मानेगांव मार्ग पर उस वक्त चीख पुकार मच गई, जब सीमेंट से लदे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। जहां 10 चक्का ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल में सवार, 2 लोगो की मौत हो गई, तो वही एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना बैहर मार्ग पर मानेगांव के पास रात्रि लगभग 8.30 बजे की बताई गई है।जिसमें भरवेली माइंस श्रमिक गोविंद मर्सकोले 40 वर्ष ,और भरवेली वार्ड नंबर 5 निवासी 44 वर्षीय प्रकाश पिता योगराज चौरे, की मौत हो गई ,तो वहीं भरवेली निवासी 23 वर्षीय धानेश्वर पिता दशरथ मर्सकोले गंभीर रूप से घायल हो गया जिसका जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर उपचार के लिए रिफर किया गया है उधर हादसे के तुरंत बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को जप्त कर, ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है जिससे मामले को लेकर पूछताछ की जा रही है।

बाइक से घूमने निकले थे युवक

प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 जुलाई की रात्रि लगभग 8.30 बजे भरवेली के आगे मानेगांव के पास सड़क दुर्घटना हो गई। बताया गया है कि प्रकाश चौरे पिता योगराज चौरे 44 वर्ष निवासी वार्ड नं.5 भरवेली, भरवेली माईंस में कार्यरत कर्मचारी गोविंद मर्सकोले 40 वर्ष एवं भरवेली निवासी 23 वर्षीय धानेश्वर मर्सकोले पिता दशरथ मर्सकोले तीनों एक ही बाईक में सवार होकर कही जा रहे थे। इसी दौरान एक ट्रक ने बाईक को टक्कर मार दी। जिसमें घटना स्थल पर ही गोविंद मर्सकोले 40 वर्ष की मौत हो गई। जबकि प्रकाश चौरे एवं धानेश्वर मर्सकोले गंभीर रूप से घायल हो गये। जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया जहां प्रकाश चौरे की उपचार के दौरान मौत हो गई। जबकि धानेश्वर मर्सकोले को हायर सेंटर रिफर किया गया है।

बालाघाट से सीमेंट लेकर बैहर मलाजखंड की ओर जा रहा था 10 चक्का ट्रक

बताया गया कि 10 चक्का ट्रक क्रमांक एमएच 34 बिजी 9316 बालाघाट से सीमेंट लेकर बैहर मलाजखंड की ओर जा रहा था। इसी बीच धनसुआ से तीनो युवक, मोटर सायकिल से भरवेली की तरफ आ रहे थे।जहा मानेगांव मार्ग पर यह हादसा हो गया जहां हादसे में 2 युवक वाहन सहित दूर फेंका गए। जबकि गोविंद, ट्रक के चक्के की चपेट आ गया और वाहन के साथ तकरीबन 50 मीटर तक सड़क पर घिसटते गया। जिससे उसके कमर के नीचे के हिस्से का कचूमर बन गया। जिसकी मौके पर ही मौत हो गई ,जबकि इस घटना में गंभीर रूप से घायल प्रकाश चौरे और धानेश्वर मर्सकोले को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया, जहां उपचार के दौरान प्रकाश चौरे ने भी दम तोड़ दिया, जबकि धानेश्वर को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रिफर किया गया है।

आरोपी को पकड़कर, ट्रक किया गया जप्त

उधर घटना की सूचना मिलने पर घटना स्थल में पुलिस पहुंची और ग्रामीणों की मदद से घायलों को उपचार के लिये जिला अस्पताल पहुंचाई। बताया गया है कि मृतक गोविंद मर्सकोले के शव को सुरक्षित रख दिया गया है। जिसका पोस्टमार्टम 16 जुलाई को किया जाएगा।घायल धानेश्वर की भी स्थिति काफी गंभीर बताई गई है। जिनका प्राथमिक उपचार जिला अस्पताल बालाघाट में करने के उपरांत बेहतर उपचार के लिये अन्यंत्र रिफर किया गया है।बताया गया कि पुलिस ने ट्रक को बरामद करने के साथ ही चालक को पकड़ लिया है।

करीब 2 घण्टे प्रभावित रहा यातायात

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा इतना भयावह था कि मृतक का शव दो हिस्सों में बंट गया था।उधर घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने भरवेली पुलिस को जानकारी दी। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और 108 एंबुलेंस की सहायता से दोनों घायलों को जिला अस्पताल, बालाघाट भेजा गया।जिंसमे से प्रकाश की भी मौत हो गई। मृतक के शव की स्थिति अत्यंत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों की टीम के पहुंचने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल रवाना किया गया।हादसे के बाद बालाघाट-बैहर मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और लगभग दो घंटे तक यातायात बाधित रहा। पुलिस ने यातायात को सुचारु कराया और दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हटवाया।भरवेली थाना पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है तथा जांच के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिक लड़की से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 20 साल सश्रम कारावास

न्यायालय ने लगाया 6 हजार रुपये का अर्थदंड

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नाबालिक लड़की से दुष्कर्म करने वाले एक मामले में सुनवाई करते हुए न्यायालय ने आरोपी को 20 साल का सश्रम कारावास और 6000 रु के अर्थदंड से दंडित किया है।मामला ग्रामीण थाना नवेगांव क्षेत्र का बताया गया है।जहां एक गांव की 9 वर्षीय मासूम बालिका के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को अदालत ने कड़ी सजा से दंडित किया है। माननीय विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) श्रीमान गौतम सिंह मरकाम की अदालत ने मामले को जघन्य व सनसनीखेज श्रेणी का मानते हुए आरोपी पंचम बारेकर को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही न्यायालय ने दोषी पर कुल 6,000 रुपये का जुर्माना भी मुकर्रर किया है।

पाया गया आरोपी- डहेरिया

विशेष लोक अभियोजक व सहायक संचालक (अभियोजन) कपिल कुमार डहेरिया ने बताया कि अदालत ने वार्ड नंबर 6, जयहिन्द टॉकीज के पीछे, कोतवाली (बालाघाट) निवासी 45 वर्षीय आरोपी पंचम पिता बल्लू बारेकर को भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं में दोषी पाया। न्यायालय ने आरोपी को धारा 96 में 7 वर्ष का कठोर कारावास एवं 1,000 रुपये अर्थदंड, धारा 65(2)/ 5एम, 6 पॉक्सो एक्ट- में 20 वर्ष का कठोर कारावास एवं 5,000 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

महज 9 महीनों के भीतर मिला न्याय

बताया गया कि घटना पिछले वर्ष 29 अक्टूबर 2025 की है, जिसके बाद पुलिस ने तत्परता से चालान न्यायालय में पेश किया। अभियोजन पक्ष द्वारा अदालत के समक्ष रखे गए पुख्ता सबूतों और सकारात्मक वैज्ञानिक व परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर महज 9 महीनों के भीतर दिनांक 15 जुलाई 2026 को आरोपी को सजा दिलाकर पीड़िता को न्याय प्रदान किया गया।

क्या है पूरा मामला

अभियोजन के अनुसार, 29 अक्टूबर 2025 को पीड़िता की मां ने नवेगांव थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी 9 साल की बेटी दोपहर में घर के पास अकेली खेल रही थी। इसी दौरान आरोपी पंचम बारेकर वहां आया और बच्ची का हाथ पकड़कर जबरन एक कमरे में ले गया। आरोपी ने दरवाजा अंदर से बंद कर मासूम के साथ गलत काम किया।जिसकी शिकायत मिलते ही पुलिस ने तत्काल तफ्तीश शुरू की और आरोपी को गिरफ्तार कर चालान कोर्ट में पेश किया। कोर्ट में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक कपिल कुमार डहेरिया ने प्रभावी पैरवी कर आरोपी के कृत्य को समाज के लिए कलंक बताते हुए सख्त सजा की मांग की थी, जिसे माननीय न्यायालय ने स्वीकार कर यह फैसला सुनाया।

विभिन्न धाराओ में दोषी

हिरमूटोला में वृद्ध ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता थाना क्षेत्र की चरेगांव पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम हिरमूटोला में मंगलवार।को एक 70 वर्षीय वृद्ध ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक सुखराम पिता चिंटू चिचाम ने किस वजह से फांसी लगाई अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। चरेगांव पुलिस ने शव पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया है जानकारी के अनुसार सुखराम खेती किसानी का काम करता था और पत्नी, बेटी व दामाद के साथ रहता था। उसकी बड़ी पत्नी के बच्चे रोजी-रोटी के लिए बाहर रहते हैं। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से सुखराम अधिक शराब का सेवन कर रहा था। 14 जुलाई को सुबह करीब 10 बजे सुखराम घर में था। उसकी पत्नी आंगन में काम कर रही थी और बेटी-दामाद काम पर गए हुए थे। इसी दौरान सुखराम ने घर के म्याल में रस्सी बांधकर फांसी लगा ली। कुछ देर बाद पत्नी ने अंदर जाकर देखा तो सुखराम फांसी पर लटका मिला। शोर मचाने पर आसपास के लोग जमा हुए। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।सूचना मिलते ही चरेगांव पुलिस मौके पर पहुंची। शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए लामता अस्पताल भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर शराब के नशे को आत्महत्या का कारण माना जा रहा है।लेकिन सुखराम ने किस परेशानी के चलते यह कदम उठाया, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। चरेगांव पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आवश्यकता है

क्वार्क में पेज सेटिंग हेतु
कम्प्युटर ऑपरेटर की आवश्यकता है

संपर्क करें-बालाघाट एक्सप्रेस
पद्मेश सिटी केबल, काली पुतली चौक, बालाघाट

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
- कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
- माईनिंग इंजीनियरिंग
- सिविल इंजीनियरिंग
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

ADMISSION OPEN

नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट